जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

चूरू

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 16 संख्याः 211 प्रभात चूरू, गुरुवार 28 नवम्बर, 2024 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस ई.वी.एम. के मुद्दे पर मोदी सरकार से सीधी भिड़ंत के लिए तैयार

क्योंकि, लगातार हार के बाद ई.वी.एम. पर दोषारोपण ही प्रतिष्ठा बचाने का तरीका बचा है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। कांग्रेस ने अन्ततः ई.वी.एम. के मुद्दे पर मोदी सरकार के साथ दो-दो हाथ करने का निर्णय ले लिया है।

चुनावों में बैलट पेपर के उपयोग को वापस लाने के मुद्दे पर गठबंधन के सभी सहयोगी दलों को एक मंच पर लाने के लिए एक ठोस समन्वित रणनीति तैयार की जा रही है, ताकि सभी एक आवाज़ में बोलें।

कांग्रेस के भीतर सभी विरोधी स्वरों को, जो कह रहे थे कि ई.वी.एम. ठीक है, चुप रहने और पार्टी लाइन पर चलने के लिए कहा गया है।

हरियाणा तथा महाराष्ट्र की करारी हार के बाद, ई.वी.एम. पर सारा दोष मढ़ने के अलावा, अपनी लाज रखने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के पास और कुछ नहीं बचा है।

शरद पवार, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन तथा अन्य नेता पहले से ही ई.वी.एम. को हटाने के पक्ष में बोलते रहे हैं और अब ममता बनर्जी भी इन लोगों के साथ सुर मिला रही हैं।

माना जा रहा है कि नवम्बर 29 की सी.डब्ल्यु.सी. (कांग्रेस वर्किंग कमेटी) की बैठक में कांग्रेस, ई.वी.एम. का उपयोग बंद करने की आवश्यकता पर प्रस्ताव पास करेगी और शीघ्र ही इस प्रस्ताव को इण्डिया गठबंधन के सहयोगी दलों की मीटिंग में ले जाएगी, जिसके बाद विपक्ष इस मुद्दे पर राष्ट्रव्यापी अभियान चलाएगा। रणनीति तैयार की जा रही है और शीघ्र इसको कार्यान्वित किया जाएगा।

अभी तक कांग्रेस में ई.वी.एम. के समर्थन या विरोध को लेकर कोई स्पष्ट विज़न नहीं था, दो-तीन तरह की बातें हो रही थीं।

सन् 2018 में, राहुल गाँधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद, कांग्रेस का एक एजेण्डा था, ई.वी.एम. को हटाना, लेकिन, उसके बाद पार्टी नेतृत्व इस मुद्दे को लेकर ठंडा पड़ गया और उसे एक तरह से ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

लेकिन माना जा रहा है कि अब, सत्तारुढ़ पार्टी और विपक्ष के बीच ई.वी.एम. का मुद्दा राजनीति की "सैंटर स्टेज" पर होगा तथा इसकी आवाज़ संसद और उसके बाहर सुनाई देगी।

- कांग्रेस के उन सभी नेताओं से मुंह बंद रखने के लिए कहा गया है जो मानते हैं कि ई.वी.एम. में कोई गड़बड़ नही है, इनमें राहुल गाँधी भी हैं पर उन्हें भी समझा दिया गया है कि ई.वी.एम. पर दोषारोपण जरूरी है।
- इंडिया गठबंधन के अन्य प्रमुख नेता, शरद पवार, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे, हेमंत सोरेन पहले से ही ई.वी.एम. प्रणाली खत्म करने और बैलट पेपर से चुनाव कराने के हिमायती हैं, और अब इसमें ममता बनर्जी भी साथ आ गई हैं।
- 29 नवम्बर को कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में ई.वी.एम. व्यवस्था खत्म करने के लिए प्रस्ताव पारित किये जाने की संभावना है, इसके बाद यह प्रस्ताव इंडिया गठबंधन की बैठक में भी पारित किया जाएगा।

प्रियंका गांधी आज शपथ लेंगी

नयी दिल्ली, 27 नवंबर। केरल की वायनाड संसदीय सीट पर हुए उपचुनाव में भारी मतों से जीत दर्ज करने वाली कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा गुरुवार को लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेंगी।

वाड्रा के साथ ही, महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जीत हासिल करने वाले रवींद्र चौहान भी लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेंगे।

- प्रियंका गांधी के साथ नांदेड से लोकसभा सदस्य बने रविन्द्र चौहान भी गुरुवार को सदस्यता की शपथ लेंगे।

इससे पहले, वायनाड के चुनाव अधिकारी ने बुधवार को श्रीमती वाड्रा को वायनाड संसदीय उपचुनाव का निर्वाचन प्रमाण पत्र सौंपा। इस दौरान, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी भी उपस्थिति रहे। वाड्रा ने वायनाड के लोगों का जबरदस्त समर्थन कर उन पर विश्वास करने के लिए आभार व्यक्त किया।

कौन बनेगा महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री, आज होगा फैसला

आज हो रही एन.डी.ए. की बैठक में शाह के समक्ष एकनाथ शिंदे, अजित पवार, और फड़नवीस के बीच बातचीत होगी

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। गुरुवार को होने वाली नैशनल डैमोक्रेटिक एलांयस (एन.डी.ए.) की बैठक में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद का फैसला होगा।

एकनाथ शिंदे का गुट मुख्यमंत्री के चयन में बिहार मॉडल अपनाने पर जोर दे रहा है। इसलिए बुधवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के सम्बंध में कोई निर्णय नहीं हो सका। यह तय हुआ है कि गुरुवार को एन.डी.ए. की बैठक में अमित शाह के सामने महायुति के तीनों नेता एकनाथ शिंदे, अजित पवार, देवेन्द्र फड़नवीस बातचीत करेंगे।

मीटिंग में मुख्यमंत्री के पद के अलावा इससे सम्बंधित कई अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी जैसे किस पार्टी को कितने मंत्री पद मिलेंगे और किसे मंत्री बनाया जाएगा। हालांकि एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाए जाने की मांग जोर-शोर से उठ रही है पर बुधवार को खुद शिंदे ने समझौते के संकेत दिए और कहा कि न तो वे खुद और न ही उनकी पार्टी सरकार गठन में अड़चन पैदा करेगी। शिंदे ने कहा कि उन्हेंने सरकार गठन का मुद्दा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर छोड़ दिया है।

शिंदे ने बुधवार को बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद के मुद्द पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के साथ बात की है। उन्होंने कहा कि "मैंने उन्हें बताया है कि वे जो चाहे निर्णय लें हमारी पार्टी उसे स्वीकार करेगी और जिसे भी मुख्यमंत्री बनाया जाएगा उसके प्रति कोई असंतोष नहीं रखेगी।"

हालिया विधानसभा चुनावों में महायुति को शानदार जीत मिली है, जिसमें भाजपा को 131, अजित पवार की एन.सी.पी. (नेशनलिस्ट कांग्रेस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- शिंदे समर्थक चाहते हैं कि एकनाथ शिंदे को ही मुख्यमंत्री बनाया जाए, पर शिंदे की पार्टी का कहना है कि बिहार मॉडल की तर्ज पर मुख्यमंत्री का फैसला होना चाहिए।
- पर, आज शिंदे ने कुछ नरमी दिखाई और बताया कि उन्होंने प्र.मंत्री मोदी व गृहमंत्री शाह से मिलकर बता दिया है कि न तो वे और न ही उनकी पार्टी महाराष्ट्र सरकार के गठन में कोई अड़ंगा लगाएगी।

विपक्ष के हंगामे के कारण दूसरे दिन भी नहीं चली संसद

सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र का पहला दिन भी विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया था

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। बुधवार को दूसरे दिन भी संसद नहीं चली, क्योंकि विपक्ष ने संसद के दोनों सदनों में भारी हंगामा किया।

राज्यसभा सभापति जगदीप धनखड़ ने सभी स्थगन नोटिस ठुकरा दिए। इनमें संयुक्त संसदीय समिति के गठन, मणिपुर तनाव और उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा से सम्बंधित स्थगन प्रस्ताव भी शामिल थे। उन्होंने सबसे पहले राज्यसभा को सुबह आधे घंटे के लिए स्थगित किया और उसके बाद राज्यसभा पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई।

प्रश्न काल के आरम्भ से ही विपक्षी दलों द्वारा हंगामा करने से लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला काफी क्षुब्ध नज़र आए। सुबह उन्होंने सदन 12 बजे तक स्थगित कर दिया। बाद में असम के भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने सदन का संचालन किया तथा घोषणा की कि स्पीकर ने सभी स्थगन नोटिस अस्वीकार कर दिए हैं। मंत्रियों व सदस्यों के बयान के बाद, उन्होंने दिन भर के लिए सदन स्थगित कर दिया।

सोमवार को संसद का शीतकालीन सत्र का आरंभ हुआ तथा उस दिन भी विपक्ष के हंगामे के कारण सदन में कोई काम नहीं हुआ। विपक्षी दल गौतम अडानी पर अमेरिका में लगे आरोपों पर संसद में चर्चा न कराये जाने का विरोध कर रहे हैं। इसके अलावा मणिपुर हिंसा व संभल के दंगे पर भी विपक्ष चर्चा चाहता है।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार संसद में रोड रोलर तरीकों पर चल रही है और विपक्ष की आवाज दबा रही है।

उन्होंने कहा कि गुरुवार को भी विपक्ष विरोध प्रदर्शन जारी रखेगा। और जब तक सरकार उन मुद्दों पर चर्चा की अनुमति नहीं देती, जिन नोटिस जारी किए गए हैं, विपक्ष अपना विरोध जारी रखेगा।

- लोकसभा स्पीकर विपक्ष के रवैये से काफी क्षुब्ध नज़र आए, लोकसभा में विपक्ष ने सुबह से ही विरोध और हंगामा शुरू कर दिया था।
- इसके बाद पहले लोकसभा दोपहर तक फिर पूरा दिन के लिए स्थगित हो गई। स्पीकर ने विपक्ष के सभी स्थगन नोटिस अस्वीकार कर दिए।
- राज्यसभा में भी यही माहौल देखा गया। सभापति जगदीप धनखड़ ने मणिपुर तनाव, संभल दंगे और जे.जी.सी. की मांग संबंधित विपक्ष के सभी स्थगन नोटिस ठुकरा दिए।

'संविधान दिवस मना रहे हैं, बुजुर्गों का खयाल करें'

जयपुर, 27 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने बुजुर्ग लोगों को पेंशन सहित अन्य योजनाओं का लाभ नहीं मिलने से जुड़े मामले में कड़ी टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि भले ही हम संविधान दिवस मना रहे हैं, लेकिन बुजुर्ग लोगों की मदद के लिए कोई ऐसी मशीनरी नहीं है, जिससे उनसे जुड़े पेंशन व अन्य मामलों में उनकी मदद हो सके। जबकि एक कल्याणकारी राज्य में इस तरह की व्यवस्था होनी चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि ऐसे लोगों के मामलों के निस्तारण के लिए हेल्प सेंटर व पॉलिसी बनाई जाए, ताकि इनकी समय पर मदद हो सके। वहीं अदालत ने मामले में राज्य सरकार को जवाब देने को कहा है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने कहा, 95 वर्षीय अनपढ़ विधवा के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड, बायोमैट्रिक नहीं होने के कारण बैंक खाता नहीं खुला व पेंशन नहीं मिली। राज्य सरकार दिशा निर्देश दे, तथा पेंशन दिलाये।

शाह की धमकी का असर, नरम पड़े शिंदे

अन्ततोगत्वा मजबूरी में ही सही पर शिंदे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद पर दावा छोड़ दिया है

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की इस धमकी के बाद कि अजित पवार की नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर भाजपा नेता देवेन्द्र फड़नवीस महाराष्ट्र सरकार का गठन कर लेंगे, शिव सेना नेता एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद पर दूसरे कार्यकाल के लिए अपने दावे को वापस लेने के लिए बाध्य हो गए हैं।

शिंदे ने बुधवार को अपने निवास पर एक प्रेस कॉन्फ्रैंस में जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी, महाराष्ट्र मुख्यमंत्री के मुद्दे को लेकर भाजपा के निर्णय के विरूद्ध नहीं है और वो प्रधानमंत्री मोदी तथा अमित शाह के निर्णय को मानेंगे। उन्होंने कहा, "मैं सरकार के गठन में बाधा नहीं हूँ तथा एन.डी.ए. (नैशनल डैमोक्रेटिव एलायंस) नेतृत्व का निर्णय मेरी शिव सेना को स्वीकार होगा।"

लेकिन वे गुरुवार को प्रधानमंत्री तथा अमित शाह का अन्तिम निर्देश प्राप्त करने के लिये, फड़नवीस तथा अजित पवार के साथ दिल्ली जा रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि मोदी और शाह उनके साथ चट्टान की तरह मजबूती से खड़े हैं। शपथ ग्रहण समारोह रविवार को मुम्बई में होना सम्भावित है।

भाजपा सूत्रों ने यहाँ कहा कि एकनाथ शिन्दे अजित पवार के साथ उपमुख्यमंत्री के रूप में नई सरकार का हिस्सा बनने के लिये सहमत हो गये हैं। शपथ लेने वाले मंत्रिमण्डल में 20 मंत्री होंगे, जिनमें 10 भाजपा से, 6 शिन्दे की शिव सेना से तथा 4 अजित पवार की एन.सी.पी. (नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी) से होंगे।

- शिंदे ने कहा, वे सरकार के गठन में बाधा नहीं हैं, उन्हें भाजपा नेतृत्व का निर्णय स्वीकार होगा।
- ज्ञातव्य है कि केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने एक दिन पहले ही कहा था कि भाजपा अजित पवार की पार्टी के साथ मिलकर सरकार बना लेगी। दोनों के पास पूर्ण बहुमत है उन्हें किसी अन्य की आवश्यकता नहीं है। इसके बाद शिंदे को अंततः पीछे हटना पड़ा।
- भाजपा सूत्रों ने कहा कि देवेन्द्र फड़नवीस के नेतृत्व में बन रही नई सरकार में शिंदे उपमुख्यमंत्री का पद स्वीकार करने के लिए तैयार हो गए हैं। अजित पवार ने पहले ही भाजपा का नेतृत्व स्वीकार कर लिया है और वे उपमुख्यमंत्री बनने को तैयार हैं।

प्रिंसिपल व दो शिक्षकों ने नाबालिग से गैंगरेप किया

मनेंद्रगढ़, 27 नवंबर। छत्तीसगढ़ के मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में एक नाबालिग लड़की से कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार करने के आरोप में एक स्कूल के प्रिंसिपल और दो शिक्षकों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की मदद करने के आरोप, वन विभाग के एक कर्मचारी को भी गिरफ्तार किया गया है। इंडियन एक्सप्रेस के अनुसार, आरोपियों की पहचान सरकारी प्राथमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक रावेन्द्र सिंह कुशवाह के रूप में हुई है। अशोक कुमार कुशवाह और कुशल सिंह परिहार दोनों उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के शिक्षक हैं। बनवारी सिंह वन विभाग का कर्मचारी है।

लड़की के साथ कथित तौर पर दो बार बलात्कार किया गया। पहली घटना 15 नवंबर को हुई, जब लड़की को एक आरोपी के घर ले जाया गया और हेडमास्टर और दो शिक्षकों ने कथित तौर पर उसके साथ गैंगरेप किया। आरोपी ने उसे घटना के बारे में किसी को न बताने की चेतावनी दी। दूसरी घटना 22 नवंबर की है। जब पीड़िता किराने का सामान खरीदने के लिए एक दुकान पर जा रही थी, तो आरोपियों में से एक ने कथित तौर पर उसे बस स्टॉप के पास रोका और धमकी दी। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, वह उसे अपनी बाइक पर वन विभाग के कर्मचारी के किराए के आवास पर ले गया, जहां फिर से उसके साथ कथित तौर पर सामूहिक बलात्कार किया गया।

दूसरी घटना के बाद, लड़की ने अपने माता-पिता को बताया, जिन्होंने स्थानीय पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। सूत्रों के मुताबिक, आरोपी पढ़ाई में मार्गदर्शन देने के बहाने लड़की के करीब आया, जो दूसरे स्कूल में पढ़ती थी। पुलिस महानिरीक्षक अंकित गर्ग ने बताया कि सामूहिक दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया गया है और चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

चारों आरोपियों पर बी.एन.एस. धारा 70(2) (नाबालिग से सामूहिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- छत्तीसगढ़ में आरोपी प्रिंसिपल व शिक्षकों को गिरफ्तार किया जा चुका है।
- आरोपी पढ़ाई में मार्गदर्शन देने के बहाने छात्रा को एक आरोपी के घर ले गये और गैंगरेप किया।

झांसी कॉलेज अग्निकांड में तीन निलम्बित

लखनऊ, 27 नवंबर। झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में हुए अग्निकांड में नवजात बच्चों की मौत के मामले में हुई जांच के बाद कालेज के प्रधानाचार्य को हटा दिया गया है जबकि कॉलेज के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को चार्जशीट दी गई एवं तीन अन्य को निलंबित किया गया है। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को बताया कि अग्निकांड को लेकर गठित चार सदस्यीय कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर बुधवार को यह कार्रवाई की गयी है।

- चार सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने कार्यवाही की।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक किंजल सिंह के नेतृत्व में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इंडिया गठबंधन के नेतृत्व पर दावा कर रही हैं ममता बनर्जी

ममता बनर्जी ने साफ कहा, तृणमूल रबर स्टम्प नहीं है जो कांग्रेस की हर बात माने

-डॉ. सतीश मिश्रा -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। पश्चिमी बंगाल में हाल ही में हुये विधान सभा चुनावों में हाल में हुई विजय से उत्साहित एवं प्रफुल्लित, टी.एम.सी. प्रमुख एवं राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी विपक्षी दलों में अपनी श्रेष्ठता पर जोर देते हुये, राजनैतिक रूप से अपना सीना ठोक रही हैं ताकि इंडिया ब्लॉक उनके नियंत्रण में आ जाये।

हरियाणा और महाराष्ट्र में हुई जबरदस्त पराजयों के बाद, इंडिया ब्लॉक में एक दरार के संकेत देते हुये, तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि टी.एम.सी. इंडिया ब्लॉक के घटक दलों के निर्णयों के लिये रबर-स्टाम्प नहीं बनेगी। कथित भ्रष्टाचार पर संसद में चर्चा पर कांग्रेस के जोर के साथ मतभेद व्यक्त करते हुये, ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने कहा कि पार्टी चाहती है कि संसद में काम-काज हो, जिससे पार्टी पश्चिम बंगाल की जनता के मुद्दों को संसद में उठा सके।

तृणमूल कांग्रेस (टी.एम.सी.) के सूत्रों का कहना है कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पार्टी के रूख को स्वीकृति प्रदान कर दी है। बनर्जी ने जोर देते हुये कहा है कि टी.एम.सी. और कांग्रेस दोनों ही इंडिया ब्लॉक की सदस्य हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में कांग्रेस, टी.एम.सी. की चुनावी सहयोगी पार्टी नहीं है तथा टी.एम.सी. कांग्रेस द्वारा लिये गये "इकतरफा निर्णयों" को स्वीकार करने के लिये बाध्य नहीं है।

कांग्रेस और टी.एम.सी. ने लोकसभा चुनाव तथा हाल ही में हुये पश्चिम बंगाल के उपचुनाव अलग-अलग लड़े थे। टी.एम.सी. ने उपचुनाव की सभी छः सीटें जीत लीं हैं तथा लोकसभा चुनावों में भी 40 में से 29 सीटें जीत ली थीं। यह संख्या 2019 के विजेताओं की संख्या से ज्यादा थी, जबकि भाजपा ने राज्य में अपना पूरा जोर लगा दिया था।

एक टी.एम.सी. नेता ने कहा कि पार्टी भ्रष्टाचार, जो विपक्ष के प्रमुख मुद्दों में से एक है, जिसके कारण संसद के दोनों सदन सोमवार से स्थगित चल रहे हैं, पर चर्चा तो चाहती है, लेकिन वह यह भी नहीं चाहती कि यह मुद्दा पश्चिम बंगाल की जनता के मुद्दों के महत्व को कम कर दें।

उस नेता ने कहा, "पश्चिम बंगाल को फंड्स से वंचित कर दिया गया है, पूरे देश में कीमतें बढ़ रही हैं तथा हम दुष्कर्म पीड़िताओं को शीघ्र न्याय दिलाने के लिये कानून लाने पर जोर दे रहे हैं। ये ऐसे कुछ मुद्दे हैं, जिन्हें हम उठाना चाह रहे हैं। इसके लिये, हमारे लिये संसद का चलना जरूरी है।

केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सदस्य होने के बावजूद, टी.एम.सी. और कांग्रेस के बीच का रिश्ता बड़ा असहज है तथा ऐसी भी अटकलें हैं कि लोकसभा चुनावों से पहले, यह क्षेत्रीय दल विपक्षी गठबंधन से अलग हो जाये। हालांकि ममता बनर्जी तथा कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व, जिसमें पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तथा वरिष्ठ नेता राहुल गांधी शामिल हैं, के बयानों द्वारा दोनों दलों के बीच की दरारों को ढ़कने की कोशिश की जाती रही है, लेकिन वे बार-बार दिखाई देने लगती हैं।

अक्टूबर में, हरियाणा में हुई कांग्रेस की अप्रत्याशित हार के बाद, तृणमूल कांग्रेस ने इंडिया ब्लॉक के प्रमुख दल कांग्रेस पर प्रहार करने में बहुत तत्परता दिखाई तथा कांग्रेस पर आरोप लगाया कि कांग्रेस को "अहंकार" हो गया है तथा वह उन राज्यों, जहाँ वह स्वयं को मजबूत मानती है, में क्षेत्रीय दलों के साथ समायोजन नहीं करती है।

तृणमूल कांग्रेस सांसद साकेत गोखले ने कहा था, "इस प्रवृत्ति से चुनावों में नुकसान उठाना पड़ता है- 'अगर हम यह महसूस करते हैं कि हम जीत रहे हैं, तो हम क्षेत्रीय पार्टी के साथ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तृणमूल नेताओं ने कहा, कांग्रेस इंडिया गठबंधन का एक घटक दल है पर प. बंगाल में कांग्रेस से हमारा गठबंधन नहीं है।
- ममता बनर्जी का रूख आज तब और स्पष्ट हो गया जब उन्होंने भ्रष्टाचार पर बहस के कांग्रेस के रूख को ठुकरा दिया और साफ कहा कि उनकी पार्टी सदन चलने के पक्ष में है और विपक्ष के विरोध का हिस्सा नहीं है।
- पहले हरियाणा और अब महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार से इंडिया गठबंधन में कांग्रेस पार्टी कमजोर पड़ी है, इसलिए ममता बनर्जी ने कांग्रेस पर सीधा प्रहार करना शुरू कर दिया है।

विचार बिन्दु

नारी सब कुछ सह सकती है, दारुण से दारुण दुःख, बड़े से बड़ा संकट।
नहीं सह सकती तो अपनी उमंगो का कुचला जाना। –प्रेमचंद

संदर्भ महाराष्ट्र विधान सभा चुनाव परिणाम

महिला मतदाताओं की मुखरता से बदल रही चुनावी नतीजों की तस्वीर

महाराष्ट्र विधान सभा के चुनावों ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका हो गई है। महाराष्ट्र विधानसभा के चुनावों में महिलाओं के 6 प्रतिशत अधिक मतदान ने चुनावी परिणामों को ही पूरी तरह से बदल कर रख दिया है। इसी साल की शुरुआत में हुए लोकसभा के चुनाव परिणामों से महाराष्ट्र में कांग्रेस नीत महाअघाडी गठबंधन अतिउत्साह में था और लगभग यह मानकर ही चल रहे थे कि महाराष्ट्र के चुनाव नतीजे उनके पक्ष में ही होंगे। अत्यधिक आत्मविश्वास के चलते चुनावी अभियान को सही दिशा व समझ नहीं बैठा पाएं और इसका परिणाम यह रहा कि भाजपा नीत गठबंधन ने विजय के सारे रेकार्ड तोड़ दिए। माने या ना माने पर इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावी नतीजों को बदलने में महिलाओं की प्रमुख भूमिका रही। मध्यप्रदेश से निकली लाड़ली बहना महाराष्ट्र तक आते आते माझी लाड़की बहना योजना ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा इसी साल लागू करने और चुनाव से पहले ही तीन किश्तें लक्षित महिलाओं के खातों में जाने से पूरा माहौल ही बदल गया। योजना शुरु करने पर विपक्ष ने विरोध किया और यहां तक कि कोर्ट में जनहित याचिकाएं लगाई गई पर कोर्ट द्वारा योजना को सही ठहराने और सीधे खाते में पैसे आने से महिलाओं में सरकार के प्रति विश्वास जगा वहीं महाअघाडी गठबंधन महिलाओं से जुड़ी इस योजना को समझने में ही देरी कर दी और भले ही बाद में चुनाव घोषणा पत्र या यों कहे कि चुनावी वादों में अधिक पैसा देने का वादा भी किया पर महिलाओं का विश्वास नहीं जीत पाएं। परिणाम सामने हैं जो मिल रहा है वह बढ़कर मिलेगा इस पर महिलाओं ने अधिक विश्वास जताया। सही मायने में देखा जाए तो महिला शक्ति गेम चेंजर बन कर सामने आई। कहा तो यहां तक जाने लगा है कि महिलाएं जिनके साथ है सत्ता भी उनके हाथ ही लगेगी।

विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मजे की बात यह भी है कि चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है। अब तो यह माना जाने लगा है कि देश के एक दर्जन के करीब राज्यों में महिलाओं के वोट ही नई सरकार के गठन में बड़ी भूमिका निभाने लगे हैं। तस्वीर का सकारात्मक पक्ष यह भी है कि मतदान ही नहीं चुनावों में सक्रियता से हिस्सा लेने और चुनावों में उम्मीद्वारी जताने में भी महिलाएं आगे आई हैं। देश के पहले और दूसरे लोकसभा के आमचुनावों में जहां 22 महिला सांसद चुन कर आई थी वहीं गत 2024 के आमचुनाव में 74 महिला सांसद चुन कर आई। हांलाकि आधी आबादी को मुख्य धारा में लाने के लिए राजनीतिक दलों द्वारा नए नए सब्जबाग दिखाने के बावजूद टिकट वितरण के समय महिलाओं की हिस्सेदारी कम ही रह जाती है। अनुभव तो यही बताता है कि किसी भी राजनीतिक दल द्वारा आधी तो दूर की बात एक तिहाई सीटों पर भी महिलाओं को टिकट नहीं दिए जाते है। इस बार महाराष्ट्र चुनावों में 50 महिलाओं को टिकट दिए गए और 21 महिलाएं चुनाव जीत कर विधायक बनी है।

> **विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश भारत में चुनावों में महिलाओं की बढ़ती सक्रिय भागीदारी तारीफे काबिल है। गत चुनावों चाहे वे लोकसभा के हों या राज्यों की विधानसभाओं के देश की महिला वोटरों ने नई सरकार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मजे की बात यह भी है कि चुनाव में पुरुष मतदाताओं की तुलना में महिला मतदाताओं ने अधिक मुखर होकर मतदान किया है।**

सबसे अच्छी बात यह है कि गॉव हो या शहर महिलाएं अब घर की चार दीवारी में कैद रहने वाली या पुरुष के कहे अनुसार मतदान करने वाली नहीं रही है। पुरुषों के हां में हां मिलाने वाली स्थिति से बहुत बाहर आ चुकी है आज देश की महिलाएं। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया में महिलाएं सक्रियता से हिस्सा लेने लगी हैं। चुनावों में उम्मीद्वारी भी जताती है तो चुनाव कैंपेन के दौरान अपनी उपस्थिति भी दर्ज कराती है। दूसरी और मतदान में भी आगे आकर हिस्सा लेने लगी है। देखा जाए तो महिलाओं ने जिस दल पर अधिक भरोसा जताया या यों कहे कि जिस दल को अधिक मत दिए उसी दल की सरकार बनी। मजे की बात यह है कि अब सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को अपने पक्ष में लाने के हर संभव प्रयास में जुटे हैं। यही कारण है कि महिलाओं को लुभाने वाली योजनाएं और कार्यक्रम ना केवल घोषित किये जा रहे हैं अपितु राजनीतिक दलों के आने वाले चुनाव घोषणा पत्रों में महिला मतदाताओं को लुभाने के हर संभव प्रयास किए जाते हैं। क्योंकि एक बात साफ हो चुकी है कि आज की महिला स्वयं निर्णय लेने में सक्षम है और उसकों दबाव या अन्य तरीके से प्रभावित नहीं किया जा सकता। कम से कम चुनावों के परिणाम तो इसी और इंगित कर रहे हैं। मजे की बात यह है कि माझी लड़की बहना योजना में 2.50 लाख आय वाली 18 से 60 साल की महिलाओं को इस योजना से जोड़ा गया। इससे यह साफ हो जाता है कि यह वर्ग कमजोर आर्थिक आय वाली महिलाओं का है। यहां साफ हो जाता है कि महिलाओं का यह वर्ग वो वर्ग है जिसके बारें में यह माना जाता है कि इस वर्ग में महिलाएं पुरुषों के निर्णयों पर अधिक निर्भर होती है पर महाराष्ट्र और अन्य प्रदेशों के चुनावी नतीजों से यह साफ हो गया है कि महिलाएं पुरुषों की हां में हां ना मिलाकर स्वयं निर्णय लेने लगी है और उसीसे ताजा नतीजें रुबरु कराते हैं।

खैर यह अलग बात है, पर यह साफ हो चुका है कि देश के लोकतंत्र के इस महापर्व में महिलाएं अग्रणी भूमिका निभाने जा रही है। अब महिला मतदाताओं को कमतर नहीं आंका जा सकता। महिला सशक्तिकरण की दिशा में भी इसे शुभ संकेत माना जा सकता है। इसे देश और लोकतंत्र दोनों के लिए ही सकारात्मक प्रयास कहा जा सकता है तो दूसरी और दुनिया के देशों के लिए भी भारत की महिलाएं एक मिसाल बन कर सामने आ रही हैं। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि भविष्य के चुनावों में भी राजनीतिक दलों को सत्ता का स्वाद चखना है तो निगाहें महिला मतदाताओं की और रखनी ही होगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

उच्च शिक्षा – स्ववित्तीय पोषित शिक्षकों की व्यथा

प्रो. अशोक कुमार

राष्ट्रीय पुननिर्माण के लक्ष्य की प्राप्ति में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका है। व्यक्तित्व के समग्र विकास एवं राष्ट्र के नागरिक तैयार करने में किसी भी देश में शिक्षा की अहम भूमिका है। शिक्षा संरचना, पाठयक्रम-पाठयचर्या गुणात्मकता, सुलभता तथा देश की संस्कृति के अनुरूप शिक्षा आदि विषयों पर सार्वजनिक चर्चा होती रही है। गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा किसी भी समाज के विकास का आधार होती है और इस प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वे न केवल ज्ञान देते हैं बल्कि बच्चों के व्यक्तित्व का विकास भी करते हैं। जब पूरी दुनिया ने विद्यालय की कल्पना नहीं की थी, उस समय हमारे यहाँ विश्वस्तरीय नालंदा विश्वविद्यालय, तक्षिशला विश्वविद्यालय, और विक्रमशिला विश्वविद्यालय हुआ करते थे। परंतु वर्तमान मे शिक्षा-व्यवस्था की विसंगतियाँ कहीं-न-कहीं बहुत कचोटती है ।

भारत की स्वतंत्रता के बाद, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विस्तार हुआ और इसी दौरान स्व-वित्तपोषित शैक्षिणक संस्थानों का उदय हुआ। इन संस्थानों ने उच्च शिक्षा के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1980 और 90 के दशक में निजीकरण और उदारीकरण की नीतियों के कारण स्व-वित्तपोषित शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। सरकारी महाविद्यालयों में सीमित सीटों के कारण, सभी छात्रों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं मिल पाता था । सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में निजी निवेश को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप कई नए स्ववित्तीय पोषित शिक्षण संस्थान स्थापित हुए । स्ववित्तीय पोषित शिक्षण संस्थान वे संस्थान होते हैं जो सरकार से सीधी आर्थिक सहायता प्राप्त नहीं करते हैं। ये संस्थान अपने खर्चों को पूरा करने के लिए विभिन्न स्त्रोतों जैसे कि फीस, दान, और अन्य आय के माध्यम से धन जुटाते हैं। 21वीं सदी में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ती मांग के कारण स्व-वित्तपोषित शैक्षणिक संस्थानों की संख्या में और वृद्धि हुई। शिक्षा में निजीकरण के उदय के साथ इस विचार ने महत्वपूर्ण गति प्राप्त की, विशेष रूप से भारत में, जहां सरकार ने निजी विश्वविद्यालयों को स्व-वित्तपोषित आधार पर संचालित करने की अनुमति देनी शुरू कर दी, जिसका अनिवार्य रूप से अर्थ था कि वे संचालन को बनाए रखने के लिए पर्याप्त सरकारी धन के बजाय छात्र शुल्क पर निर्भर रहेंगे । स्ववित्तीय पोषित शिक्षण संस्थानों के विभिन्न प्रकार है जैसे निजी विश्वविद्यालय: ये विश्वविद्यालय पूरी तरह से निजी धन पर चलते हैं। वे अपनी स्वयं की पाठ्यक्रम, फीस संरचना और प्रवेश मानदंड निर्धारित करते हैं। डीम्ड विश्वविद्यालय: ये विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं और उन्हें विश्वविद्यालय का दर्जा दिया जाता है। वे स्वायत्त होते हैं और अपनी नीतियां स्वयं बना सकते हैं। कॉलेज: ये संस्थान विश्वविद्यालयों से संबद्ध होते हैं और स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। संस्थान: ये संस्थान किसी विशेष विषय या क्षेत्र में विशेषज्ञता रखते हैं। उदाहरण के लिए, मेडिकल संस्थान , प्रौद्योगिकी संस्थान, प्रबंधन संस्थान आदि। इन स्ववित्तीय पोषित शिक्षण संस्थानों ने विभिन्न प्रकार के पाठ्यक्रमों की पेशकश शुरू की, जिससे छात्रों के पास अधिक विकल्प उपलब्ध हुए। सरकार की नई शिक्षा नीतियों ने निजी क्षेत्र को शिक्षा के क्षेत्र में आने के लिए प्रोत्साहित किया। बढ़ती जनसंख्या और शिक्षा के प्रति जागरूकता: बढ़ती जनसंख्या और शिक्षा के प्रति जागरूकता के कारण उच्च शिक्षा की मांग में वृद्धि हुई।

वर्तमान मे (2021-22) की रिपोर्ट के आधार पर पंजीकृत 1168 विश्वविद्यालयों में से 685 सरकारी प्रबंधन वाले हैं 10 निजी डीम्ड और 473 निजी हैं। पंजीकृत कॉलेज 45473 हैं। महाविद्यालयों में से 21.5 प्रतिशत कॉलेज सरकारी कॉलेज हैं, 13.2 प्रतिशत निजी (सहायता प्राप्त) हैं और 65.3 निजी (गैर-सहायता प्राप्त) हैं। सरकारी कॉलेज कुल महाविद्यालयों का 21.5 प्रतिशत हिस्सा हैं, 13.3 प्रतिशत निजी (सहायता प्राप्त) कॉलेज हैं, है, जबकि 65.2 प्रतिशत निजी (गैर-सहायता प्राप्त) कॉलेज हैं, जिनमें छात्रों का कुल नामांकन का केवल 44.6 प्रतिशत है।

आज एक बहुत ही मुख्य विषय है कि क्या शिक्षा के लिए जो शिक्षण संस्थान खुले जा रहे हैं विशेष तौर से निजी क्षेत्रों में क्या यह शिक्षा के लिए खुले जा रहे हैं या व्यवसाय के लिए खोले जा रहे हैं यह बहुत ही गंभीर विषय है इस पर गहन चिंतन की आवश्यकता है ! निजी कॉलेज क्यों तेजी से बढ़ रहे हैं, क्योंकि उन्हें तेजी से बढ़ने दिया गया है। ऐसे अधिकांश संस्थान वास्तव में शैक्षिणक संस्थानों की आड़ में रियल एस्टेट रैकेट हैं। उनमें से अधिकांश राजनेताओं और बिल्डरों द्वारा नियंत्रित हैं। किसी बड़े शहर में विश्वविद्यालय स्थापित करने के लिए भूमि की आवश्यकता नए खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी बाधा की तरह लगती है, जिनके पास बहुत अधिक धन या राजनीतिक संबंध नहीं होते। यह निजी शिक्षा क्षेत्र पर पर्याप्त संसाधनों वाले व्यक्तियों, अक्सर राजनेताओं द्वारा एकाधिकार करने में योगदान देता है।

एक और भी प्रश्न मन में आता है की शिक्षा के क्षेत्र में निजी करण से वास्तविक लाभ किसको है – सरकार को है या छात्रों को है या प्रबंधकों को है ! उच्च शिक्षा की गुणवत्ता दिन-प्रतिदिन कम होती जा रही है। डिग्री महाविद्यालयों के स्ववित्तपोषित शिक्षक अत्यधिक निराश महसूस कर रहे हैं अधिकांश मामलों में हमारे पास सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों में भी उचित योग्य शिक्षक नहीं हैं। शिक्षा मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुल 6,549 फैकल्टी के पद खाली हैं। उनमें से अधिकांश दिल्ली विश्वविद्यालय में हैं, जहां 900 रिक्त पद हैं, इसके बाद इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 622 पद, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 532 पद और अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 498 पद और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 326 रिक्त संकाय पद हैं। विकसित देश में शिक्षा का भविष्य अस्थायी शिक्षकों के सहारे पर निर्भर है जिनको विभिन्न नाम से जाना जाता है । अस्थायी, एडहॉक, संविदा, पार्टटाइमर, अतिथि, मानद, विजिटिंग, आवश्यकता आधारित, एमओयू प्रोफेसर, शोध विद्वान, ऑनलाइन अतिथि संकाय, स्व अध्ययन। विदेश में: प्रतिस्थापन, सत्रीय, सहायक शिक्षक। शिक्षा का विकास सिर्फ कॉलेज खोलने से नहीं होता ! सरकार ने अब तक समय में नए कॉलेज खोलकर एक कीर्तिमान स्थापित किया है लेकिन क्या स्थिति वाकई ऐसी है कि उस पर गर्व किया जाए? क्या केवल कॉलेज विश्वविद्यालय खोल देने से ही उन लक्ष्यों की प्राप्ति हो जाती है जिनके लिए उन्हें खोला जाता है ? काश ऐसा होता जब हम इन उच्च शिक्षण संस्थाओं के यथार्थ से परिचित होने का प्रयास करते हैं तो जो तस्वीर उभरती है वह न केवल निराश करती है बल्कि अपनी नीति निर्माताओं के प्रति नाराजगी भी उठ जाती है! शिक्षण संस्थाओं के लिए आधारभूत ढांचा जिसमें इमारत व अन्य सुविधाएं शामिल है, पर्याप्त शिक्षक एवं सहायक कर्मचारी सक्षम नियंत्रण तंत्र की जरूरत होती है ! हालत यह है जो कॉलेज नए खोले गए हैं उनमें से ज्यादा के पास खुद की जमीन तक नहीं है और किराए के भवनों में चल रहे हैं । बहुत सारे कॉलेज तो प्राइमरी स्कूलों के भवन में चल रहे हैं! अनेक महाविद्यालयों में ना प्रयोगशाला, ना पुस्तकालय और ना विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त कमरे और फर्नीचर हैं । यह एक कटु यथार्थ है । क्या यह शिक्षा साधन सुविधा विहीन कॉलेज व विश्वविद्यालय उस उद्देश्य की पूर्ति करने में पूरी तरह सक्षम है जिनके लिए उन्हें स्थापित किया गया है ? बिना शिक्षक, बिना पुस्तकालय, बिना प्रयोगशाला के कैसी पढ़ाई हो सकती है ! बहुत दुख की बात है की कई प्रदेश में एक ही शिक्षक कई महाविद्यालयों में कार्यरत दिखाया गया है ! निजी संस्थान में शिक्षकों का शोषण होता है। न्यूनतम शिक्षक और छात्रों का अधिकतम नामांकन। सेल्फ फाइनेंस संस्थानों में शिक्षकों की स्थिति काफी दयनीय है। कई राज्यों में स्व-वित्तपोषण संस्थानों के लिए कोई अधिनियम, परिनियंवली नहीं है। निजी विश्वविद्यालयों और स्व-वित्तपोषण संस्थानों में यह प्रावधान है कि शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सभी नियुक्तियाँ यूजीसी मानदंडों: के अनुसार की जाएंगी लेकिन वेतनमान सरकार द्वारा विनियमित की जाएंगा । स्व-वित्तपोषण संस्थानों, मेडिकल और इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में भी शिक्षकों, के वेतन को लेकर लंबे समय से असंतोष व्याप्त रहा है। इन संस्थानों में शिक्षकों को अक्सर सरकारी महाविद्यालयों के शिक्षकों की तुलना में काफी कम वेतन दिया जाता है। सेल्फ फाइनेंस डिग्री महाविद्यालयों में शिक्षकों का मासिक वेतन 5-5 हजार रुपये है (मेडिकल और इंजीन्यरिंग को छोड़ कर)। इन शिक्षकों से ज्यादा एक दिन की दिहाड़ी 600 रुपये तो मजदूर पाता है। अगर औसत निकाला जाए तो अधिकतम वेतन 10 से 12 हजार रुपये तक है। ये स्थिति तब है जबकि विश्विविद्यालय अनुदान आयोग नियमित शिक्षकों के जितना वेतन इन्हें भी देने को कहती है। उच्च शिक्षा मे इतिहास, हिंदी जैसे विषयों को पढ़ाने वाले शिक्षकों का वेतन तो और भी कम है। इन विषयों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को पांच-पांच हजार रुपये तक का वेतन दिया जाता है। इस पर भी साल में सिर्फ 11 महीनों का वेतन मिलता है। यह समस्या कई कारणों से जटिल है ! ये संस्थान सरकार से स्वायत्त होते हैं, जिसके कारण वे अपने कर्मचारियों को वेतन देने के लिए स्वयं जिम्मेदार होते हैं। इन संस्थानों में फीस संरचना मे बहुत अंतर है । भारत में कई निजी विश्वविद्यालय हैं जो लाखों (5-30 लाख तक) में ट्यूशन फीस के साथ स्नातक कार्यक्रम प्रदान करते हैं उदाहरण के लिए मणिपाल एकेडमी ऑफ हायर एजुकेशन, अमृता विश्व विद्यापीठम, अमृता विश्व विद्यापीठम, वीआईटी यूनिवर्सिटी, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, ओपी जिंदल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, अशोका यूनिवर्सिटी , इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस एंड फाइनेंस, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी):, एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी:, लेकिन विभिन्न राज्यों मे स्ववित्त पोषित डिग्री महाविद्यालयों में बीएससी, बीकॉम का शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा सुनिश्चित सिर्फ 5000 - 6000 रुपए वार्षिक है । छात्रों द्वारा ली गई शिक्षण फीस पूरी तरह से शिक्षकों के वेतन पर खर्च नहीं होती है। शिक्षकों की भर्ती के लिए बाजार में प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक होती है, जिसका फायदा उठाकर संस्थान कम वेतन पर शिक्षकों की भर्ती करते हैं। भारत में मेडिकल और इंजीनियरिंग शिक्षा के क्षेत्र में भी स्ववित्तीय पोषित संस्थानों का तेजी से विस्तार हुआ है। ये संस्थान आमतौर पर उच्च फीस लेते हैं और दावा करते हैं कि वे उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करते हैं। हालांकि, इन संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों को भी अक्सर वेतन के मामले में शोषण का सामना करना पड़ता है। यह समस्या न केवल शिक्षकों के लिए चिंता का विषय है बल्कि छात्रों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार के लिए भी खतरा है। समस्या का मूल कारण लागत वसूली का दबाव है । स्ववित्तीय पोषित संस्थानों पर उच्च लागत वसूली का दबाव होता है। वे अपनी बुनियादी सुविधाओं, कर्मचारियों के वेतन और अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए अधिक से अधिक फीस वसूल करते हैं। इस दबाव में वे अक्सर शिक्षकों के वेतन पर कंजूसी करते हैं । यही नहीं बहुत से महाविद्यालयों में अनुमोदित शिक्षकों की जगह किसी और से काम लिया जाता है। शिक्षक-प्राचार्य नियमित तौर पर उपस्थित नहीं रहते और पढ़ाई की गुणवत्ता पर बिलकुल ध्यान नहीं दिया जाता है। इक्का-दुक्का महाविद्यालयों को छोड़कर ज़्यादातर की यही स्थिति है। स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों की आय का एकमात्र जरिया फीस ही है इसलिए इसे बढ़ाने के अलावा उच्च शिक्षा की दशा और दिशा सुधारने का दूसरा कोई विकल्प नहीं है।

कई निजी महाविद्यालयों का तर्क है कि सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में कॉलेज की आय उतनी नहीं हो पाती है। वहीं यूजीसी की योग्यता के शिक्षक नहीं मिल पाते। संस्थान कम वेतन पर शिक्षकों की भर्ती करते हैं। कम वेतन के कारण योग्य शिक्षक इन संस्थानों में काम करने से हिचकिचाते हैं। इससे शिक्षा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। कम वेतन और असुरक्षित कार्य वातावरण के कारण योग्य शिक्षक इन संस्थानों को छोड़कर अन्य जगहों पर रोजगार की तलाश करते हैं। योग्य शिक्षकों की कमी से शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट आती है। छात्रों को कम गुणवत्ता वाली शिक्षा मिलती है और उन्हें उच्च फीस देनी पड़ती है। कम गुणवत्ता वाले शिक्षक, डॉक्टर और इंजीनियरों का उत्पादन होने से समाज को नुकसान होता है। इन संस्थानों में कार्यरत शिक्षकों को अक्सर सरकारी महाविद्यालयों के शिक्षकों की तरह सुरक्षा और अधिकार प्राप्त नहीं होते हैं। वेतन, कार्यकाल और पदोन्नित के मामले में वे संस्थान प्रबंधन के दया पर निर्भर रहते हैं। कई विश्वविद्यालयों ने अपने परिसर के स्ववितपोषित शिक्षकों को एक अच्छा वेतन एवं अन्य सुविधाओं देने की माँग को स्वीकार कर लिया है लेकिन विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों के वेतन में कोई बदलाव नहीं किया गया है । कई संस्थान शिक्षकों पर विभिन्न प्रकार की पाबंदियां लगाते हैं जैसे कि अनुपस्थिति के लिए जुर्माना, लक्ष्य पूरे नहीं करने पर वेतन काटा जाना आदि। इसको लेकर कई बार विभिन्न प्रदेशों मे सरकार तक शिकायतें की गई. लेकिन, कोई बदलाव नहीं आया क्योंकि सूत्रों के अनुसार ज्यादातर शिक्षण संस्थान नेता, मंत्री, विधायक और अधिकारियों के संपर्क मे या उनका इन संस्थानो से सीधे या अप्रता अप्रातक्ष रूप से जुड़े हैं। ऐसे में वह भी इनमें बदलाव नहीं चाहते हैं ।

स्ववित्तीय पोषित डिग्री महाविद्यालय, मेडिकल और इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में शिक्षकों के वेतन की समस्या के समाधान के लिए कई उपाय किए जा सकते हैं । सरकार को इन संस्थानों में शिक्षकों के वेतन को लेकर स्पष्ट दिशानिर्देश जारी करने चाहिए। संस्थानों को अपने वित्तीय विवरणों को सार्वजनिक करना चाहिए ताकि शिक्षक यह जान सकें कि संस्थान कितना मुनाफा कमा रहा है और शिक्षकों के वेतन पर कितना खर्च हो रहा है। संस्थानों को अपनी वित्तीय स्थिति और फीस संरचना के बारे में पूरी तरह से पारदर्शी होना चाहिए। शिक्षकों को कर्मचारी संघों का गठन करके अपनी आवाज को मजबूत बनाना चाहिए। शिक्षकों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए ताकि वे अपनी क्षमताओं को विकसित कर सकें। छात्रों को भी इस मुद्दे के प्रति जागरूक होना चाहिए और शिक्षकों के अधिकारों के लिए आवाज उठानी चाहिए। सरकार, संस्थान, शिक्षक और छात्र सभी को इस समस्या के समाधान के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

– प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय

राशिफल गुरूवार 28 नवम्बर, 2024

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2081, चित्रा नक्षत्र प्रातः 7:36 तक, सौभाग्य योग सायं 4:01 तक, गर करण सायं 7:32 तक, चन्द्रमा आज तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-वृश्चिक, चन्द्रमा-तुला, मंगल-कर्क, बुध-वृश्चिक, गुरू-वृष, शुक्र-धनु, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज प्रदोष व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 8:19 तक, चर 10:56 से 12:15 तक, लाभ-अमृत 12:15 से 2:52 तक, शुभ 4:10 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 7:00, सूर्यास्त 5:29

मेष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह

मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आय में वृद्धि होगी। धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

वृष

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कन्या

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

मकर

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन

व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

घर/परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परिवार में आपसी अनबन हो सकती है। स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

वृश्चिक

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

"बाल विवाह मुक्त भारत" अभियान को राजस्थान महिला कल्याण मण्डल का समर्थन

अजमेर (कासं)। भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद जिला प्रशासन ने राजस्थान महिला कल्याण मण्डल के सहयोग से रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस मौके पर जिला कलेक्ट्रेट अजमेर में हुए समारोह में अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई के सहायक निदेशक संजय सांवलानी ने बाल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत संस्थाओं एवं पदाधिकारियों को बाल विवाह के विरूद्ध शपथ दिलाई, साथ ही संस्था मुख्यालय चाचियावास में संयुक्त निदेशक अनुराग सक्सेना, अतिरिक्त निदेशक तरूण शर्मा, लेखाधिकारी नेमीचन्द वैष्णव, सागर कॉलेज के इन्चार्ज डॉ. भगवान सहाय शर्मा की उपस्थिति में उपनिदेशक नानूलाल प्रजापति ने कॉलेज के छात्र-छात्राओं सहित स्टाफ को बाल विवाह मुक्त अजमेर के लिए शपथ दिलाते हुए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की जानकारी दी । राजस्थान महिला कल्याण मण्डल बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन 'जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन' का सहयोगी संगठन है जो कि राजस्थान के 6 जिलों में बाल विवाह की रोकथाम एवं जागरूकता के लिए पिछले 3 वर्ष से कार्य कर रहा है। भारत सरकार के नई दिल्ली के विज्ञान भवन में 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के उद्घाटन के मौके पर संस्था ने अपने कार्यक्षेत्र के अजमेर, नागौर, बीकानेर, चुरू, झुन्झुनू, तथा डीडवाना-कुचामन जिलों जागरूकता रैलियों का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। संस्था टीम ने जिले के 50 से अधिक गॉवों में स्कूली बच्चों, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) के अलावा बाल विवाह पीड़िताओं ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। यह कार्यक्रम देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत' के आव्हान के समर्थन में किया गया, जिसका उद्घाटन 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी । इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया। इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए संस्था के निदेशक राकेश कुमार कौशिक ने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। अभियान की विभिन्न गतिविधियों को संचालित करने में संस्था टीम के दीपक जोरम, सत्तार मोहम्मद, ज्योति मण्डरावलिया, योगिता गौड़ ने सहयोग किया।

कोटा के प्रत्यक्ष ने सबसे कम उम्र के योग टीचर का विश्व रिकॉर्ड बनाया

कोटा में रहने वाले प्रत्यक्ष ने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज कराया है ।

कोटा, (निसं)। जिस उम्र में बच्चों को योग के नाम भी नहीं आते उस उम्र का एक योग टीचर कोटा में रहता है। वह कई बच्चों और बड़ी उम्र के लोगों को ट्रेनिंग दे रहा है।

इस योग टीचर के नाम अब विश्व रिकॉर्ड भी जुड़ गया है। यह उपलब्धि उन्हें अक्टूबर 2024 में ही मिला है। जिसके बाद प्रत्यक्ष ने विश्व के सबसे छोटे (कम उम्र) के योग टीचर होने का रिकॉर्ड बना लिया है। उन्हें गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने पूरी प्रक्रिया के बाद सर्टिफिकेट दिया है। इस सर्टिफिकेट और रिकॉर्ड के लिए उन्होंने लंबी मेहनत की है। प्रत्यक्ष बोरखेड़ा स्थित देवाशीष सिटी में अपने परिवार के साथ रहते हैं और यह सबकुछ उन्होंने अपनी मां दीक्षा विजय से ही सीखा है। इसके बाद प्रोफेशनल योग क्लास लिए और सिखाने लग गए हैं। प्रत्यक्ष के पिता गौरव विजय का कहना है कि सबसे कम उम्र के योगा टीचर बनने यह रिकॉर्ड उनके बेटे ने 6 साल की उम्र में ही बना लिया जबकि 4 साल की उम्र से वह योग सीखने लग गया था, 5 साल की उम्र में सिखाने भी लग गया था। फिलहाल, प्रत्यक्ष की उम्र 7 साल है। रिकॉर्ड के लिए उन्होंने बीते साल अप्लाई किया था। इससे पहले यह रिकॉर्ड दुबई की एक लड़की के नाम था। वह साढ़े सात साल की थी। प्रत्यक्ष का कहना है कि बच्चों को स्मार्टफोन से दूर रहना चाहिए। वह खुद स्मार्टफोन का उपयोग नहीं करते हैं। अपनी मां और पिता के फोन को नहीं छूते हैं। केवल बात करने के लिए ही फोन लेते हैं। अन्य बच्चों की तरह गेम्स और कार्टून का शौक उन्हें नहीं है। कुछ देर टेलीविजन जरूर देखते हैं। सबसे छोटे योग गुरु का खिताब लेने के बाद उनकी इच्छा है कि वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करें। साथ ही जंक फूड से बच्चों को दूर रहने की सलाह देते हैं।

सार-समाचार

विद्यालयों का निरीक्षण किया

पाटन (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ पाटन व जिला मुख्यालय सीकर के तत्वाधान में आयोजित सघन निरीक्षण संघ मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी व प्रभारी कमिश्नर सत्य प्रकाश टेलर, प्रभारी कमिश्नर गाइड श्रीमती निर्मला देवी के नेतृत्व में स्थानीय संघ के विभिन्न विद्यालयों में सघन निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान कोटामनी, नियुक्ति पत्र, नया रजिस्ट्रेशन इत्यादि की सूचना एकत्रित की गई ।जिला प्रधान बाबूलाल गुर्जर सहायक जिला कमिश्नर ओम प्रकाश चौधरी व सहायक जिला कमिश्नर जयराम गुर्जर ने डाबला, बिहार, बिहारीपुर का सघन निरीक्षण किया। जिला कमिश्नर कमल कुमार लूनीवाल व स्थानीय संघ सचिव महेश कुमार योगी ने रायपुर पाटन, रैयाका बास, घासीपुरा, कोला की नांगल व फागनवास का निरीक्षण किया । प्रकाश चंद मीणा सहायक जिला कमिश्नर व सहायक सचिव सीताराम गुर्जर ने बोपिया,बाबुलाल शारदा ने हसामपुर सहित अनेकों विद्यालयों का निरीक्षण किया। सहायक जिला कमिश्नर, अमर सिंह मीणा व कोषाध्यक्ष- धनंजय जी ने रामपुरा बेगा की नांगल दलपतपुरा आदि विद्यालयों का निरीक्षण किया । हजारी लाल देहरान ने डूंगा की नांगल व सोहनपुर का निरीक्षण किया। यह निरीक्षण अभियान 28 नवंबर तक चलेगा। जिसमें स्काउट गतिविधियों में सक्रियता प्रदान करने व बच्चों का सर्वांगीण विकास हो एवं आगे बढ़े इसके लिए प्रत्येक विद्यालय में जाकर के उनका निरीक्षण किया गया और स्काउट गतिविधियों से जोड़ने के लिए उनको मानसिक रूप से तैयार किया गया।

'राष्ट्रीय सेवा योजना का राष्ट्र निर्माण एवं चरित्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान'

सीकर, (निसं)। राजकीय विज्ञान महाविद्यालय सीकर में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संभाग स्तरीय (सीकर, झुंझुंनू एवं अलवर) की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डी.डी. गुडेसरिया ने की। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि डॉ. ओमप्रकाश बैरवा, आयुक्त कॉलेज शिक्षा, डॉ. अनिल कुमार राय कुलपति, मुख्य वक्ता डॉ. के.के. कुमावत, कार्यशाला कॉर्डिनेटर विशिष्ट अतिथि रहें। द्वितीय समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में रतन कुमार अतिरिक्त जिला कलेक्टर सीकर, डॉ. प्रियंका अमन एसोशियट प्रोफेसर एस.के मेडिकल कॉलेज, सीकर मुख्य वक्ता रहें। मंच संचालन के दायित्व का निर्वहन प्रो.रामदेव सिंह भामू व डॉ. चेतन कुमार जोशी ने किया। सभी वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, समाज से विद्यार्थियों को जोड़ना, व्यक्तित्व का सम्पूर्ण विकास, चरित्र निर्माण, कार्य के प्रति समपर्ण, ईमानदारी, परोपकार के भाव से सेवा भावना जैसे विषयों पर सारगर्भित व्याख्यान देकर प्रतिभागियों का मार्गदर्शन किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार खीचड़, एनसीसी अधिकारी डॉ. सुभाष गोरा के नेतृत्व में एनसीसी केडेट्स ओर स्वयं सेवको का कार्य सराहनीय रहा। कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ. महेन्द्र कुमार ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

डॉ. अम्बेडकर को याद किया

रतनगढ़ (निसं)संविधान दिवस के उपलक्ष पर राजस्थान शिक्षक संघ (अंबेडकर) ब्लॉक रतनगढ़ द्वारा राजकीय चिकित्सालय के सामने स्थित बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के स्टेच्यू पर पुष्पांजलि अर्पित कर दीप प्रज्वलन किया गया और डॉ आंबेडकर के जय जयकारों से परिसर को गुंजायमान कर दिया गया। इस मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष मास्टर शिवाराम मेघवाल ने संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का आ ान किया। जिला पदाधिकारी शिवकुमार गाडगिल ने बताया कि बाबा साहेब थे तब हम है और उनके कृत्यों को भुलाया नही जा सकता। प्रदेश पदाधिकारी राकेश नायक ने संविधान की उद्देशिका का वाचन करवाया और संविधान की रक्षा की शपथ दिलाई। संगठन के ब्लॉक सभाध्यक्ष वीरेंद्र जायसवाल ने पधारे हुए सभी शिक्षक साथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रदेश पदाधिकारी राकेश नायक के साथ जिला पदाधिकारी शिवकुमार गाडगिल, ब्लॉक अध्यक्ष नरेंद्र नायक, ब्लॉक मंत्री अनिल कंवल, ब्लॉक सभाध्यक्ष वीरेंद्र जायसवाल, ब्लॉक कोषाध्यक्ष भंवरलाल सांवा, प्रवक्ता अरुणा जावा, महिला मंत्री रजनी आनंद और मीना बारूपाल, उपसभाध्यक्ष परमेश्वरलाल नवल, पशु चिकित्सक डॉ. हुणताराम मीणा, पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य जेपी भाटी सहित अनेक शिक्षक मौजूद रहे।

165 मरीजों की मोतियाबिंद कर जांच हुई

रतनगढ़ (निसं)। रतनगढ़ माहेश्वरी सभा ट्रूस्ट जालान सेवा ट्रूस्ट , शंकरा आई हॉस्पिटल व जिला अंधता निवारण समिति, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क मोतियाबिंद जांच व नेत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन बुधवार को माहेश्वरी भवन में हुआ। ट्रस्टी व शिविर प्रभारी नरेंद्र झंवर ने बताया कि शिविर में 165 मरीजों की मोतियाबिंद जांच कर 67 मरीजों का चयन नेत्र लैंस प्रत्यारोपण के लिए किया गया। चयनित रोगियों को ऑपरेशन के लिए जयपुर ले जाया गया। वहां उनका ऑपरेशन गुरुवार को आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का किया जाएगा। शिविर शुरू होने से पूर्व भगवान शंकर की प्रतिमा के आगे डॉ.दिव्या खण्डेलवाल, रतनगढ़ शहर की आशा सहयोगिनी बहानों ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। माहेश्वरी महिला मंडल की अध्यक्ष मंजू लढा, सरिता चांडक,मंजू पेड़ीवाल,चन्दा सोनी,एडवोकेट पूर्णिमा लढा ने आगंतुक अतिथियों का अभिनंदन किया। शिविर में शंकरा आई हॉस्पिटल की टीम,माहेश्वरी समाज के महेश जाजू,एडवोकेट रजनीकांत सोनी, महावीर रामगढिया, पूर्णमल कम्मा, वासुदेव चाकलान, गोरीशंकर जालान आदि ने अपनी सेवाएं दी।

सी.एच.सी. में कैंसर की स्क्रीनिंग हुई

सीकर (निसं)।चिकित्सा विभाग की ओर से बुधवार रींगस सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जयपुर से आई मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन की टीम ने रोगियों की कैंसर की स्क्रीनिंग की। साथ ही लोगों को कैंसर से बचाव, लक्षण व उपचार की जानकारी दी। सीएमएचओ डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि एनसीडी कार्यक्रम के तहत जिले में लोगों की कैंसर संबंधी स्क्रीनिंग का कार्य किया जा रहा है, लेकिन निदेशालय स्तर से जयपुर के कैंसर विशेषज्ञों की टीम भी शिविर का आयोजन कर स्क्रीनिंग का कार्य कर रही है, ताकि आमजन लाभान्वित हो। उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अशोक महरिया ने बताया कि मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन का 28 नवम्बर को सीएचसी खाटूश्यामजी, 29 को सीएचसी पलसाना तथा 30 नवम्बर को सीएचसी खण्डेला में शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने शिविरों में कॉमन कैंसर, स्र्वाइक्रल, ब्रस्ट, ओरल व फेफडों के कैंसर की स्क्रीनिंग की जाएगी। संभावित कैंसर रोगियों को एसएमएस अस्पताल जयपुर में आगे की जांच व उपचार के लिए रैफर किया जाएगा।

शिविर में 116 यूनिट रक्त एकत्रित

पाटन (निसं)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत डाबला में स्थित सेठ नाथूराम अग्रवाल महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यमिक स्कूल में टानिया चौधरी पुत्री अजीत चौधरी की चतुर्थ पुण्यतिथि पर टानिया ह्यूमन हेल्थ एंड एजुकेशन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में 116 यूनिट का संग्रहण किया गया। अजीत चौधरी डाबला ने जानकारी देते हुए बताया कि एसएमएस अस्पताल जयपुर से आई हुई टीम ने 48 यूनिट एवं जनहित ब्लड सेंटर अजमेर रोड जयपुर ने 68 यूनिट ब्लड का संग्रहण किया। रक्तदान शिविर प्रार्थना 9 बजे से 3 बजे तक आयोजित रहा, जिसमें आसपास के लोगों ने बढ-चढ कर ब्लड डोनेट किया। इस दौरान नीमकाथाना विधायक सुरेश मोदी, सीबीआई पुलिस अधीक्षक रामावतार यादव, पूर्व प्रधान कांता प्रसाद शर्मा, भाजपा नेता करण सिंह तंवर, पूर्व प्रिंसिपल झाबर मल यादव, जिला परिषद सदस्य राजपाल डोई, प्रवीण जाखड़, डाबला स्कूल के प्रिंसिपल, पंचायत समिति प्रधान सुवालाल सैनी, मनोज बंसिया, डॉक्टर रणजीत महारानियां ,महेश गिराटी, हवा सिंह यादव, कृष्ण खटाना बी ग्रुप नीमकाथाना सहित सैकडों गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

क्षमता संवर्धन कार्यशाला का शुभारंभ

चूरू, (कासं.)। राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उदयपुर के तत्वावधान में जिला शिक्षा व प्रशिक्षण संस्थान की ओर से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व डाइट प्राचार्य गोविन्द सिंह राठौड़ ने कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला में डाइट झुंझुनूं, सीकर, राजसमंद व चूरू के शैक्षणिक स्टॉफ संभागी के रूप में भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविंद सिंह राठौड़ ने कहा कि डाइट स्टाफ की जिम्मेदारी है कि वह अपने जिले के विद्यालयों में नवाचार एवं गतिविधि आधारित शिक्षण प्रदान करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित करे। ताकि विद्यार्थियों को सीखने की उत्सुकता बढ़े। इस अवसर पर शिविर प्रभारी भीष्म प्रकाश सारण, उपाचार्य नरेंद्र उपाध्याय, एसआरजी मामराज ढाका व ओमप्रकाश बारूपाल आदि ने विचार व्यक्त किये। संचालन देवेन्द्र यादव ने किया।

दुकान में आग लगाकर दुकानदार की हत्या के प्रयास के दो आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं) मेहाडा पुलिस ने बुधवार को थाना क्षेत्र के मोडी गांव में दुकान में आग लगाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों ने दुकानदार की हत्या के प्रयास में पैट्रोल डालकर आग लगा दी थी।

थानाधिकारी सरदारमल चौधरी ने बताया कि दो दिन पहले रणवीर सिंह ने रिपोर्ट दी कि उसकी गांव में किराणा की दुकान है। जिस पर कृष्ण नाई ओर मनोज माली आए ओर अवैध रूप से सामान देकर मंथली देने की धमकी दी। जब उसने सामान देने व मंथली देने से मना किया तो दोनों ने पैट्रोल डालकर दुकान में आग लगा दी।

इस दौरान आरोपियों ने दुकानदार रणवीर को भी जलाने का प्रयास किया, जिससे वह झुलस गया। आग लगने से दुकान में रखा सारा सामान जलाकर राख हो गया। घटना के दौरान शोर शराबा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। थाने में मामला दर्ज होने के बाद सीकर एसपी भूवन भूषण यादव ने एक विशेष टीम का गठन कर आग लगाने के आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

मेहाड़ा पुलिस ने दुकान में आग लगाने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्त में लिया।

पुलिस आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी कि पुलिस को सूचना मिली कि दुकान में आग लगाने के आरोपी मेहाडा में छुपे हुए है।

जिस पर पुलिस ने दबिश देकर मोडी निवासी मनोज पुत्र फूलचंद, कृष्ण पुत्र धर्मपाल को गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से गहनता से पूछताछ की जा रही है तथा वारदात में शामिल अन्य आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। इस दौरान पुलिस टीम में थानाधिकारी सरदारमल चौधरी, एचसी हरिराम, कांस्टेबल मयंक सांगवान आदि शामिल थे।

दो खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ

अभय कसाणा

मासूम कुमारी

चूरू, (कासं)। बास ढाकान के शास्त्री पब्लिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के दो कुश्ती खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। संस्था के संचालक सेवानिवृत्त इंस्पेक्टर देवेंद्र चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि 110 किलो के छात्र अभय कसाणा और 40 किलो की छात्रा मासूम कुमारी का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ है। संस्था के प्रधानाचार्य सुग्रीवलाल शर्मा ने बताया कि कुश्ती की राष्ट्रीय प्रतियोगिता दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में आगामी 17 दिसंबर से होगी। निर्देशक मुख्त्यार चौधरी ने बताया कि छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय परिसर में ही खेल अकादमी शुरू की गई है। सतगुरु खेल प्रशिक्षण संस्थान के कोच शेर सिंह ने बताया कि यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

इस दौरान हरलाल बुरड़क, सतवीर ढाका, जयप्रकाश गढ़वाल लोहसना छोटा, जोगेंद्र सिंह महलाणा, मांगीलाल गुर्जर, संदीप कुमार, दिलीप कुमार, श्रीमती सुमन देवी, विद्या देवी, संजूलता देवी, ललिता कुमारी, सोनू कुमार, लीलाधर ढाका आदि मौजूद थे।

अर्द्धनग्न होकर आमरण अनशन शुरू किया

चूरू, (कासं.)। चूरू नगरपरिषद प्रशासन की हठधर्मिता की वजह से निवर्तमान पार्षद अशोक पंवार तथा प्रीत चांवरिया अर्धनग्न होकर आमरण अनशन शुरू किया है। यहां मेहतर समाज एकता मंच के संयोजक राकेश पंवार ने बताया कि राजस्थान सरकार सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में सफाई अनुभव प्रमाण पत्र की अनिवार्यता के संबंध में चूरू नगर परिषद आयुक्त के द्वारा पीएफ तथा अन्य वेध दस्तावेज उपलब्ध करवाने के बावजूद भी वाल्मीकि समाज के अनुभव प्रमाण पत्र नहीं जारी कर रहे हैं।

आज उसी के विरोध स्वरूप वर्तमान मनोनीत पार्षद अशोक पंवार तथा प्रीत चांवरिया के द्वारा आमरण अनशन शुरू किया गया है जो तब तक जारी रहेगा जब तक वाजिब मांगें पूरी नहीं की जायेगी। आज सफाई कर्मचारी भर्ती की अंतिम दिनांक होने के बावजूद भी सैकड़ों लोगों के अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए हैं। आयुक्त के द्वारा आवेदन कर्ता की फाइलों को कुछ ना कुछ कमियां निकाल कर रोका जा रहा है। सफाई कामगार वाल्मीकि समाज सफाई भर्ती 2024 में सम्मिलित किस आधार पर होगा, क्योंकि उनका अनुभव प्रमाण पत्र आज तक जारी नहीं हुआ है। आयुक्त की हठधर्मिता के कारण सैकड़ों वाल्मीकि समाज के आवेदनकर्ता वंचित रहेंगे। इस दौरान धरने पर पुरुषोत्तमलाल, आकाश चंदेलिया, नेमीचंद चांवरिया, श्यामलाल हटवाल, शांतिलाल चंदेलिया, सुशील पंवार, मुरली हटवाल, विजय कुमार, बलदेव पवार, मनीष चांवरिया, धनाराम, गजानंद खेड़ीवाल, सांवरमल गहनोलिया, एडवोकेट सुरेश कल्ला, एडवोकेट सुनील झारिया, आसिफ खान, विजेंद्र रेगर, सीताराम खटीक, बजरंग बाजार, घनश्याम अलवरिया, विनोद खटीक, अनीश खान, तौफीक खान, अजय कांगड़ा, ज्योति देवी, सिनू देवी, बिन्नू देवी, सुनीता देवी, रेखा देवी आदि मौजूद थे।

आबकारी, यातायात, खनिज, पंजीयन एवं मुद्रांक, वाणिज्य कर विभाग के अधिकारियों की बैठक ली

सीकर (निसं)। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने बुधवार को जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में जिला कलेक्टर ने आबकारी, यातायात, खनिज, पंजीयन एवं मुद्रांक, वाणिज्य कर विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित राजस्व लक्ष्यों में शत् -प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त करना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला कलेक्टर शर्मा ने कहा कि आबकारी विभाग ने 525.48 लक्ष्यों के विरूद्ध 241.92, यातायात 251.64 के विरूद्ध 136.93, खनिज 59.57 के विरूद्ध 25.01, पंजीयन एवं मुद्रांक 218.37 के विरूद्ध 106.25, वाणिज्य कर 180.21 के विरूद्ध 80.46 ही राजस्व लक्ष्य अर्जित किए है जो काफी कम है। उन्होंने पंजीयन एवं मुद्रांक तथा यातायात विभाग को निर्देश दिए कि लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्तियों के लिए विशेष प्रयास करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने आबकारी विभाग को बंदोबस्त से शेष रही दुकानों का बंदोबस्त करने, जब्त वाहनों की निलामी के संबंध में प्रभावी कार्यवाही किए जाने, जिले में हरियाणा से आने वाली अवैध शराब पर अंकुश के लिए सघन जांच अभियान चलाये जाने तथा प्रादेशिक परिवहन अधिकारी को एक बारीय कर के रूप में 160 करोड़ रूपये की वसूली जिसका पंजीयन डीलर द्वारा किया जाता है जमा होगी।

वहां के डीलरों को नियमानुसार कर वसूली के लिए पाबंद करना सुनिश्चित करें और आंवटित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए बकाया कर वसूली की कार्य योजना बनाई जाए।

उन्होंने कहा कि पवर्तन कार्यवाही के द्वारा बकाया कर राजस्व प्राप्ति, लाईसेंस फीस एवं अन्य फीस के रूप में राशि प्राप्ति के विशेष प्रयास किए जाए।

जिला कलेक्टर शर्मा ने खनिज विभाग को शेष खनन पट्टों की निलामी शीघ्र शुरू किए जाने तथा लगभग 10 हैक्टेयर क्षेत्र का चिन्हिकरण कर विभाग को भिजवाने के साथ ही राजस्व, यातायात, पुलिस एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम बनाकर सप्ताह में 2 बार औचक निरीक्षण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक को निर्देशित किया कि विभागीय लक्ष्य के अनुरूप राजस्व प्राप्ति के लिए डीएलसी दरों का निर्धारण वर्तमान बाजार भाव को ध्यान में रखते हुए शहरों के आसपास बस रही अवैध कॉलोनियों का स्थानीय निकायों के साथ समन्वय स्थापित कर अधिकाधिक पंजीयन करवाने के साथ उप पंजीयन को वार्षिक व माहवार लक्ष्य आवंटन कर बकाया वसूली प्रकरणों की शत् -प्रतिशत वसूली के लिए एमनेस्टी योजना के अन्तर्गत संबंधित पक्षकारों को प्रेरित कर राजस्व अर्जित करें तथा उप पंजीयन कार्यालय का प्रभावी निरीक्षण कर मुद्रांक की कमी के प्रकरणों में वसूली की कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

जिला कलेक्टर ने वाणिज्य कर विभाग को निर्देश दिए कि पंजीकृत करदाताओं से निर्धारित समयावधि में रिटर्न दाखिल करवाया जाना सुनिश्चित करें, करदाताओं से राजस्व वसूली के लिए संबंधित राजस्व, नगरीय, क्षेत्रीय अधिकारियों से बकायादार की संपति की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही केन्द्रीय वाणिज्यक कर विभाग से समन्वय स्थापित कर जांच की कार्यवाही करवाया जाना सुनिश्चित करें।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर प्रशासन रतन कुमार, उप महानिरीक्षक पंजीयन एवं मुद्रांक सीकर नीरज मीणा, सी.ओ. सीटी शाहिन सी, जिला आबकारी अधिकारी सुमेर सिंह मीणा, वाणिज्यक कर अधिकारी प्रतिभा चौधरी, सहायक राजस्व लेखाधिकारी हरीश जाखड़, डीटीओं ताराचंद बंजारा, खनिज अभियन्ता छगन लाल सैन बैठक में उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड मिनी जंबूरी का आयोजन आज से

- स्काउट गाइड विधाओं की झलक बिखेरेंगे

झुंझुनूं, (निसं)। राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वाधान में जिला स्तरीय स्काउट गाइड प्रतियोगिता रैली (मिनी जंबूरी) का आयोजन 28 नवंबर से दो दिसंबर तक स्काउट गाइड व जेपी जानूं स्कूल खेल मैदान में किया जा रहा है।

सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि मिनी जंबूरी की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एडीएम डॉ. अजय कुमार आर्य ने जंबूरी स्थल का दौरा किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए तथा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मिनी जंबूरी में झुंझुनूं जिले के 140 स्कूलों के 1500 से अधिक स्काउट गाइड स्काउट गाइड सहभागिता करेंगे तथा स्काउट गाइड के विभिन्न कौशल विधाओं, प्रदर्शनी, मार्च पास्ट, ड्रिल, लोक कला, लोक नृत्य, विचित्र वेशभूषा, साहसिक प्रदर्शन, नगर भ्रमण, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ रैली सहित विभिन्न विधाओं का जीवंत प्रदर्शन करेंगे।

रैली के दौरान स्काउट्स गाइड्स को देश के लिए सुयोग्य नागरिक बनने की प्रेरणा देते हुए उन्हें विभिन्न प्रकार के साहसिक कार्य जैसे कमांडो ब्रिज, मंकी ब्रिज, टायर टनल, टायर गन, शूटिंग, तीरंदाजी, क्रोलिंग, टायर चिमनी, पेड़ पर चाय बनाने जैसी साहसिक गतिविधियों भी करवाई जाएगी।

महापुरुषों के नाम पर बसे नगर जिला मिनी जंबूरी में अलग-अलग ब्लॉक वार स्काउट गाइड को रखा जाएगा। जो कि विभिन्न महापुरुषों के नाम पर उनके नगर बसाए जा रहे हैं। जिसमें सुभाषचंद्र बोस, जेपी जानूं, पीरूसिंह, झुझारसिंह, महात्मा गांधी, रानी लक्ष्मीबाई, मीराबाई चानू आदि 12 नगर बसाए गए हैं।

सीओ स्काउट महेश कलावत ने बताया कि इस पांच दिवसीय भव्य आयोजन के दौरान विभिन्न जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सर्वोच्च प्रदर्शन करने वाले ब्लॉक को डिस्ट्रिक चीफ कमिश्नर शील्ड से नवाजा जाएगा।

पुरूष नसबंदी पखवाड़ा-2024 के तहत आज से

- 'परिवार नियोजन में बढ़ेगी पुरूषों की भागीदारी'

सीकर (निसं)। चिकित्सा विभाग की परिवार कल्याण सेवाओं में प्रगति तथा उच्च प्रजनन दर को 2.0 प्राप्त करने के बाद अभी भी महिलाएं परिवार नियोजन की जिम्मेदारी प्रमुखता से उठाती है। परिवार नियोजन में पुरूषों की भागीदारी को बढ़ावा देने और नसबंदी के तरीकों जैसे पुरूष नसबंदी व कण्डोम के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए विभाग की ओर से पुरूष नसबंदी पखवाड़ा मनाया जा रहा हैं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि पखवाडे के तहत स्वस्थ मॉ, स्वस्थ बच्चा, जब पति का हो परिवार नियोजन में योगदान अच्छा स्लोगन पर आधारित गतिविधियां की जा रही है।

उन्होंने बताया कि 28 नवम्बर से चार दिसम्बर तक पखवाड़े का द्वितीय चरण को सेवा वितरण सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। इसके तहत स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा योग्य दम्पतियों से संपर्क कर उनको पुरूष नसबंदी कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ हर्षल चौधरी ने बताया कि पखवाडे के तहत चिकित्सा संस्थानों पर पुरूष लाभार्थियों को गुणवत्तापूर्ण नसबंदी सेवाएं प्रदान के साथ जनसंख्या स्थिरीकरण में पुरूषों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए पखवाड़े के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। पखवाडे के तहत 21 से 27 नवम्बर तक मोबिलाइजेशन सप्ताह मनाया गया।

मोबिलाइजेशन सप्ताह में स्वास्थ्य कर्मियों, आशा सहयोगिनियों, आंगनबाडी कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र में योग्य दम्पतियों से संपर्क कर उनको पुरूषों की परिवार नियोजन में सहभागिता, परिवार नियोजन के उपलब्ध साधनों की जानकारी, सीमित परिवार के लाभ, विवाह की सही आयु (लडके की 21 वर्ष एवं लड़की की 18 वर्ष), विवाह के बाद कम से कम दो वर्ष बाद पहला बच्चा, पहले और दूसरे बच्चे में कम से कम तीन साल का अंतर रखने, प्रसवोत्तर परिवार कल्याण सेवाओं की उपलब्धता, गर्भवती पश्चात परिवार सेवाओं की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गुरूवार 28 नवम्बर से चार दिसम्बर तक पखवाड़े के द्वितीय चरण को सेवा सप्ताह के रूप में मनाया जाएगा। इसके लिए जिले के दो दिसम्बर को एचडीएच फतेहपुर, तीन दिसम्बर को सीएचसी रींगस, चार दिसम्बर को जिला अस्पताल लक्ष्मणगढ एवं सीएचसी खण्डेला में नसबंदी शिविरों का आयोजन किया जाएगा और पुरूषों को उपलब्ध परिवार नियोजन के साधनों की जानकारी दी जाएगी।

जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

झुंझुनूं, (निसं)। नगरपरिषद चुनाव से पूर्व नगरपरिषद क्षेत्र में 17 पैराफेरी गांव जोड़ने के विरोध में भाजपा नगर मंडल के पदाधिकारियों एव पार्षदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने नगर मंडल अध्यक्ष कमलकांत शर्मा एवं डॉ. कमलचंद सैनी की अगुवाई में जिला कलेक्टर रामावतार मीणा को ज्ञापन सौंपकर शहरी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों को नहीं जोड़ने का सुझाव दिया। ज्ञापन में बताया गया है कि जुड़ने वाले पैराफेरी गांव नयासर, भूरासर, हमीरी खुर्द, ब्राह्मणों की ढाणी, दुर्जनपुरा, सीतसर, आबूसर, खिदरसर, खांगा का बास, वारिसपुरा, बाडलवास, दीपलवास, भूरिवास, उदावास, देरवाला व रघुनाथपुरा सघन आबादी क्षेत्र में नहीं होने से नगरपरिषद को भारी नुकसान है। नगरपरिषद में रेवेन्यू साधन नहीं है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नगरपरिषद पहले से ही 30 करोड से अधिक नुकसान में है। शहरी क्षेत्रों में मिलने वाली सभी सुविधाएं ग्रामीण क्षेत्र को पहले से मिल रही है। जबकि नगरपरिषद में जुडने से ग्रामीण क्षेत्रों में मिलने वाली नरेगा सहित अतिरिक्त योजनाओं व मूलभूत सुविधाओं का लाभ समाप्त हो जाएगा। जुड़ने वाले उन ग्रामीण क्षेत्रों का विकास अवरुद्ध होने से वे अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से पिछड़ जाएंगे। ज्ञापन में प्रतिनिधि मंडल ने नगरपरिषद क्षेत्रफल को ना बढ़ाकर वर्तमान में उपस्थित वार्डों को जनसंख्या के अनुपात घनत्व में समान मतदाताओं के अनुपात में परिसीमन करने की बात रखी।

विद्यार्थियों को टाई बेल्ट वितरित

सादुलपुर, (निसं)। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय हांसियावास में सीनियर टीचर राजकण की प्रेरणा से ढिगारला निवासी कृष्ण कुमार अग्रवाल ने सभी विद्यार्थियों को टाई बेल्ट प्रदान किये। इसके अलावा उन्होंने अपार आईडी बनने के बाद सभी विद्यार्थियों को परिचय पत्र उपलब्ध करवाने के लिए भी कहा है।

बुधवार दोपहर दो बजे समीर पूनिया ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कृष्ण कुमार अग्रवाल ने शिक्षा के महत्व को समझते हुए और विद्यार्थियों के प्रति स्नेह दिखाते हुए अपनी खुशी से यह सहयोग प्रदान किया है। तथा कहा कि कृष्ण कुमार अग्रवाल खुद ग्रामीण अंचल से हैं और वर्तमान में दिल्ली में अपना निजी कारोबार है। इस अवसर पर संस्था प्रधान अनिल कुमार ने उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर मनीता कुमारी, अशोक चौधरी, विनोद सोनी, हरपाल सहरावत, ओम सहारण एवं वरिष्ठ सहायक मंदीप सहारण ने भी कृष्ण कुमार अग्रवाल का आभार जताया और विद्यालय में सहभागिता के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर अध्यापिका सुमन, नरेंद्रकुमार, शाहिद खान व राहुल आदि भी मौजूद रहे।

नौ माह से लम्बित बेरोजगारी भत्ते के 12.53 करोड़ रुपए स्वीकृत करवाए जाने की मांग

- पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को पत्र लिखा
- फिल्म निर्माता बोले कि कला एवं संस्कृति मंत्री के रूप में दिया कुमारी ने आज तक राजस्थानी सिनेमा हेतु एक शब्द भी नहीं बोला है

चूरू, (कासं.)। सोचने वाली बात है कि राजस्थान में भाजपा सरकार कर क्या रही है।

अब देखें राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी को पत्र लिखकर चूरू जिले के बेरोजगार युवाओं के पिछले नौ माह से लम्बित बेरोजगारी भत्ते के 12.53 करोड़ रुपए स्वीकृत करवाए जाने की मांग की है। कुल मिलाकर इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह सरकार और मंत्री कितनी सतर्कता से काम कर रहे हैं।

राठौड़ ने पत्र में लिखा है कि चूरू जिले के 8174 बेरोजगारों के आवेदन स्वीकृत हैं। वे बेरोजगार युवा सरकारी विभागों में प्रतिदिन 4 घंटे इंटर्नशिप करने की शर्त को भी पूरा कर रहे हैं। इसके बावजूद भी इन्हें विगत 9 माह से बेरोजगारी भत्ता प्राप्त नहीं हुआ है।

इस कारण बेरोजगार युवाओं को आर्थिक व मानसिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा है। अब देखना यह है कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की ओर से राजेन्द्र राठौड़ के पत्र पर क्या एक्शन लिया जाता है।

हालांकि कई बेरोजगारों को उम्मीद नहीं है कि उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की ओर से राजेन्द्र राठौड़ के पत्र पर कोई ध्यान दिया जावेगा। एक परेशान बेरोजगार ने राजेन्द्र राठौड़ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पण सुणती कोनी लागै।

दूसरी ओर कला एवं संस्कृति विभाग भी उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के पास है। दुर्भाग्य की बात है कि कला एवं संस्कृति मंत्री के रूप में दिया कुमारी ने आज तक राजस्थानी सिनेमा हेतु एक शब्द भी नहीं बोला है। राजस्थानी कला एवं सिनेमा का विकास करना तो बहुत दूर की बात है। इस संबंध में फिल्म निर्माताओं का कहना है कि दिया कुमारी ने तो राजस्थानी सिनेमा को हाशिए से बाहर धकेलने वाले कांग्रेस सरकार में कला एवं संस्कृति मंत्री रहे डॉ. बीडी कल्ला को भी भला कहलवा दिया है। कल्ला अपने किए का फल प्राप्त कर चुके हैं। कांग्रेस सरकार द्वारा वंचित रखी गई राजस्थानी फिल्मों को समय रहते अनुदान राशि जारी नहीं की तो कल्ला की तरह ही दिया कुमारी को भी फल प्राप्त होगा। यह वंचित रहे फिल्म निर्माताओं की आत्मा से निकली हुई आवाज है, जो पार जाएगी।

बेरोजगार युवा हों, वंचित फिल्म निर्माता हों या अन्य योजना में पात्र होते हुए भी लाभ नहीं मिलने वाले लोग हों, आखिर सरकार इनकी ओर ध्यान क्यों नहीं दे रही है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की भावनाओं के साथ सरासर अन्याय नहीं है तो और क्या है।

विद्यार्थियों की अपार आईडी जनरेट करने की समीक्षा की

चूरू, (कासं)। विद्यार्थियों की अपार आईडी जनरेट करने की समीक्षा बैठक का आयोजन पंचायत समिति सभागार में किया गया। बैठक की अध्यक्षता कर रहे मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी गोविन्द सिंह राठौड़ ने बैठक में उपस्थित चूरू ब्लॉक के सभी निजी विद्यालयों के संस्था प्रधान और यू डाइस प्रभारियों को 30 नवंबर तक सभी विद्यालयों के विद्यार्थियों की अपार आईडी जनरेट करने के निर्देश दिए। समग्र शिक्षा चूरू के अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक संतोष महर्षि ने अपार आईडी के महत्व को बताते हुए कहा कि सभी राजकीय व निजी विद्यालयों में अध्यनरत विद्यार्थियों की संपूर्ण शैक्षणिक उपलब्धि को एक साथ रखने के उद्देश्य से वन नेशन वन स्टूडेंट आईडी के मद्देनजर अपार का कार्य प्रारंभ किया गया, इसके लिए प्रत्येक विद्यार्थी की 12 अंकों की एक यूनिक अपार आईडी यू डाइस पोर्टल के माध्यम से जेनरेट किया जाना है जो कि विद्यार्थी के जीवनपर्यंत यूनिक शैक्षणिक पहचान के रूप में उपयोग में ली जाएगी।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय SDO साहब राजगढ
मैनका बनाम अंग्रेज वगै.
वाद बाबत दावा

वाद संख्या 178/2024 सन्
बनाम मुनेश पत्नी सुरेश कुमार जाति जाट निवासी वास किरताण तहसील राजगढ़ जिला चूरू ने आपके विरुद्ध नकल सलंग्न है के लिए वाद पंजियत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 06 माह 12 सन 2024 को दिन में 10 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिए गए हो और जो इस वाद सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल / मुरजाई का दावा / प्रतिदावा आधारित है। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या सुनवाई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप मे निर्भर कर रहे हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लेखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूचि में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता. 27 माह 11 सन 2024 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-उपखण्ड अधिकारी राजगढ (चूरू)

जवाई बांध के पानी पर जालोर का हक तय करने को लेकर किसानों ने रास्ते जाम किए

विधायक के घर का रास्ता बंद कर विरोध प्रदर्शन किया

जालोर, (कासं) । जालोर जिला मुख्यालय पर भारतीय किसान संघ के बैनर तले कलैक्ट्रैट के समक्ष जारी महापड़ाव के दसवें दिन बुधवार को किसानों ने विभिन्न संगठनों के सहयोग से चक्का जाम आंदोलन शुरु किया। किसानों ने जालोर में प्रवेश करने वाले सभी रास्तो में टेक्टर खड़े कर मार्ग अवरुद्ध कर जाम लगा दिया । व्यापारियों ने भी किसानों का समर्थन देते हुए बुधवार को पूरे दिन अपने प्रतिष्ठान बंद रखे । इससे बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

सड़कों पर टायर आदि जलकर विरोध प्रदर्शन किया, वही जालोर विधायक व मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग के घर का रास्ता बंद कर उनके घर के समक्ष भी किसानों ने अपना रोष प्रकट किया । दिनभर किसान नेताओं ने महापड़ाव स्थल पर सम्बोधित करते हुए जवाई बांध के पानी पर जालोर का हक तय करने को लेकर पूरजोर मांग उठाई ।

जालोर में जवाई बांध के पानी पर जालोर के लिए एक तिहाई हक तय करने की मांग को लेकर किसानों के महापड़ाव ने दसवें दिन बुधवार को उग्र रुप ले लिया। सरकार द्वारा किसानों के महापड़ाव के बाद भी सकारात्मक हल नही निकालने से किसानों के सब्र का बांध बुधवार को टूटा और जालोर के करीब तीन सौ गांवों के हजारों की संख्या में किसान अपने अपने ट्रैक्टर लेकर जिला मुख्यालय पहुंच गये । किसानों ने सड़कों पर उतर जालोर शहर में प्रवेश करने वाले समस्त मार्ग पर ट्रैक्टर खड़े कर मार्ग को बंद कर दिया । जिसके चलते जालोर में आवागमन पूर्णत बंद हो गया तथा किसानों ने हरिदेव जोशी सर्किल, हॉस्पीटल चौराहा, कलैक्ट्रेट के समक्ष टायर व लड़कियां जलाकर मार्ग पर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने जालोर से निकलने वाले जोधपुर बाडमेर नेशनल हाईव 325 का रास्ता बंद कर दिया तथा रोडवेज बसों को भी रोक दिया ।

जवाई बांध के पानी पर जालोर के हक को लेकर चल रहा आंदोलन दसवें दिन भी जारी रहा।

- **किसानों ने जालोर में प्रवेश करने वाले सभी रास्तों में ट्रैक्टर खड़े कर मार्ग अवरुद्ध कर दिया**

भारतीय किसान संघ के अध्यक्ष रतनसिंह ने महापडाव स्थल पर सम्बोधित करते हुए कहा कि जवाई बांध के पानी पर जालोर के लिए हक तय करने को लेकर मांग लम्बे समय तक चल रही है । हमारे स्थानीय नेताओं की कमजोर पैरवी के चलते जालोर के लिए जवाई बांध के पानी का हक तय अभी तक नही हुआ । जिसके चलते हमेशा किसानों को सड़कों पर उतरना पड़ा ।

25 लाख का गबन करने वाला कर्मचारी चढ़ा पुलिस के हत्थे

अजमेर, (कासं)। पालरा स्थित गोदाम में काम करने वाले एक युवक ने 25 लाख रुपए का गबन किया है। युवक दस साल से यहा पर काम कर रहा था। गोदाम मालिक ने जब स्टॉक की जांच की तो मामला उजागर हुआ। उन्होंने आदर्शनगर थाने में आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया है। उसे बुधवार को कोर्ट में पेश कर रिमांड लिया जाएगा।

थाने के हैड कांस्टेबल श्रीकिशन ने बताया कि धोला भाटा निवासी आशीष वर्मा पालरा स्थित गोदाम में पिछले दस साल से काम कर रहा था। गोदाम मालिक अखिलेश जैन ने पुलिस को बताया कि आशीष दस साल से उसके यहां पर काम कर रहा था। इस दौरान उसने धीरे-धीरे 25 लाख रुपये का गबन कर लिया। गोदाम का स्टॉक कम पाए जाने पर जांच के दौरान सामने आया कि आशीष ने बड़ी चालाकी से गोदाम वित्तीय रिकॉर्ड में हेरफेर करके यह लाखों रुपए का आर्थिक नुकसान पहुंचाया है। जैसे ही आरोपी कार्यवाही की भनक लगी तो उसने काम पर आना बंद कर दिया। मामला सामने आने के बाद जैन की शिकायत पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए आरोपी आशीष को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी युवक से पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस गबन में आशिष के साथ और कौन-कौन लोग शामिल हैं।

हादसे में एक जने की मौत

कोटा, (निसं)। कोटा-बारां हाईवे नॉर्दन बाईपास पर झालीपुरा के समीप एक ट्रक का टायर फटने से घायल हुये दुकानदार को उपचार के लिये एमबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया जिसकी उपचार के दौरान मौत हो गयी। मृतक कोटा के छावनी निवासी अब्दुल रहीम (45) है। जानकारी के अनुसार अब्दुल रहीम की झालीपुरा के पास टायर की दुकान है। बुधवार सुबह एक ट्रक दुकान से सामने आकर खड़ा हुआ और ड्राईवर स्वयं ही हवा भरने लगा जिससे ज्यादा हवा भरने से टायर में अचानक धमाका हो गया। जिसकी चपेट में आने से अब्दुल रहीम घायल हो गया। जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड
(राज्य सरकार का उपक्रम), प्लॉट नं. 2, CoERRA भवन, (चतुर्थ एवं पंचम तल), अरण्य भवन के सामने, झालाना संस्थानिक क्षेत्र, जयपुर-302004, फोन नं. 0141-2744239, फैक्स नं. 2744237, E-Mail : gma.rsbcl@rajasthan.gov.in, CIN : U15511RJ2005SGC020336
क्रमांक :- एफ1( )/RSBCL/प्रशासन/2024-25/7086 दिनांक :- 26/11/2024
ई-बिड सूचना - 15
निगम में कार्य आधार पर कम्प्यूटर सिस्टम मय प्रशिक्षित कार्मिक (मशीन विद मैन) एवं मानव संसाधन (च.श्रे. कर्मचारी) उपलब्ध कराने हेतु इच्छुक सेवा प्रदाता/फर्म/कंपनी से ऑनलाईन बिड आमंत्रित की जाती है। इस सम्बन्ध में विस्तृत विवरण एवं बिड प्रपत्र वेबसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in, https://excise.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। इच्छुक बिडदाता अपनी बिड दिनांक 29.11.2024 से 09.12.2024 सायं 6.00 बजे तक https://eproc.rajasthan.gov.in ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते है। UBN No. : BCL2425SLOB0001
राज.संवाद/सी/24/8348 कार्यकारी निदेशक

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर
क्रमांक :- राजकाज - 12029450 दिनांक :- 26/11/2024
ई-निविदा सूचना संख्या:- जोन दक्षिण /14/2024-25
जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एंव राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारो से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, www.jodhpurjda.org, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।
NIB Code :- JOD2425A0128,
UBN No. :- JOD2425WSOB00271
राज.संवाद/सी/24/8351 अधिशाषी अभियंता (दक्षिण)

बसपा नेता न्यांगली को गोली मारने का फरार आरोपी गिरफ्तार

- **साधु बनकर ठिकाने बदलकर आरोपी रह रहा था जोधपुर**
- **राजगढ़ थाना पुलिस ने न्यायालय में पेश कर आरोपी को भेजा जेल में**

सादुलपुर, (निसं)।बसपा नेता वीरेंद्र सिंह पर फायरिंग करने के मामले में साधु बनकर अलग-अलग ठिकाने बदल कर पुलिस से छुपता हुआ 10 सालों से फरार स्थाई वारंटी को राजगढ थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया है। बुधवार शाम तीन बजे दी जानकारी में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझडिया ने बताया कि महा निरीक्षक पुलिस सीकर रेंज की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी व अवैध आग्नेयास्त्रों के विरुद्ध कार्रवाई के चलते स्थानीय पुलिस अधिकारियों के सुपरविजन में गठित टीम ने दस साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने बताया कि पुलिस लगातार साक्ष्य इकट्ठा कर 10० सालों से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए प्रयास कर रही थी।

उन्होंने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी जोधपुर क्षेत्र में साधु बनकर घूम रहा है, जिस पर टीम जोधपुर पहुंची एवं आसपास क्षेत्र में आम सूचना संकलन करते हुए थाना क्षेत्र के सरदारपुरा में पहुंची। जहां वांछित आरोपी रमेश पुत्र धर्माराम जाट निवासी गावड पुलिस थाना सदर हिसार जिला हिसार हरियाणा को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां न्यायाधीश ने आरोपी को जेल भिजवा दिया है। उन्होंने बताया कि आरोपी बडा शातिर है, जो दस साल से साधु का भेष बनाकर अलग-अलग ठिकाने पर रहते हुए फरार चल रहा था। आरोपी को गिरफ्तार करने में कांस्टेबल महेंद्र कुमार व अजय कुमार कास्टेबल की विशेष भूमिका रही। उन्होंने बताया कि बसपा नेता वीरेंद्र न्यांगली निवासी न्यांगली पीएएस राजगढ की हत्या करने के इरादे से गोली मार दी थी। तथा मौके से आरोपी फरार हो गया था। उन्होंने बताया कि अभियान जारी रहेगा।

11 युवकों को किया गिरफ्तार

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ थाना पुलिस ने गैंगस्टरों को फॉलो करने वाले तथा आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के चलते 11 युवकों के खिलाफ कार्रवाई की है। बुधवार शाम तीन बजे दी जानकारी में थाना अधिकारी पुष्पेंद्र झाझडिया ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव की ओर से चलाए जा रहे विशेष अभियान गैंगस्टरों को फॉलो करने वाले आदतन अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई के दौरान स्थानीय अधिकारियों के सुपरविजन में चार अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया तथा पुलिस टीमों ने थाना क्षेत्र में अपराधियों के घर व संभावित ठिकानों पर दबिश देकर बुधवार को 11 युवकों को गिरफ्तार करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है। उक्त कार्रवाई के अंतर्गत राहुल, तौफीक पठान, समीर, जहीर खान, मोहम्मद सफीक, दीपेंद्र, अल्ताफ, कैलाश, रुस्तम और रहमान को हिरासत में लिया गया है। इनके खिलाफ 107 बीएनसस के अंतर्गत कार्रवाई की गई है।

अजमेर दरगाह के हिंदू मंदिर होने का दावा कोर्ट ने किया मंजूर

20 दिसंबर को होगी मामले की सुनवाई

अजमेर, (कासं)। अजमेर स्थित ख्वाजा साहब की दरगाह मे संकट मोचन महादेव मंदिर होने का दावा करने वाली हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता की ओर से 23 सितम्बर 2024 को अजमेर के सिविल न्यायालय मे किए गए दायर वाद पर आज कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मामले को सुनने योग्य मानते हुए अल्प संख्यक मंत्रालय, ए एस आई व दरगाह कमेटी को अपना पक्ष रखने के लिए नोटिस जारी करने के निर्देश जारी करते हुए इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 20 दिसम्बर 2024 तय की है।

याचिकाकर्ता हिन्दू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने बताया कि 23 सितंबर को अजमेर कोर्ट में वाद दायर किया था। याचिका में दरगाह कमेटी व अल्पसंख्यक मंत्रालय एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग को पार्टी बनाया गया है। विश्वविख्यात ख्वाजा मोईनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह परिसर को हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता द्वारा भगवान श्री संकट मोचन महादेव मंदिर बताने का दावा न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्र व) अजमेर नगर पश्चिम की अदालत में पेश किया गया है। दिल्ली निवासी हिंदू राष्ट्र सेना के अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के अधिवक्ता ईश्वर सिंह और योगेश सुरोलिया ने दरगाह कमेटी के कथित अनाधिकृत कब्जा हटाने संबंधी वाद दो महीने पहले दायर किया था। इस दावे को लेकर कोर्ट में सुनवाई हुई।

वादी ने अपने तर्कों के आधार पर बताया कि इतिहासविद हरविलास शारदा की पुस्तक में दरगाह में मंदिर होने का खुलासा किया गया था। उन्होंने कहा कि जहां भगवान शिव का मंदिर होता है, वहां पर झरना एवं कुआं होता है। दरगाह में भी झालरा और कुआं है, जिससे उनका दावा और मजबूत हो जाता है। अधिवक्ताओं ने बताया कि भगवान महादेव प्रथम पक्षकार हैं और द्वितीय पक्षकार विष्णु गुप्ता हैं। अयोध्या विवाद में भी इसी तरह का दावा प्रस्तुत किया गया था और भगवान को नाबालिग मानते हुए उनके भक्त को द्वितीय पक्षकार बनाया गया था। इसी आधार पर विष्णु गुप्ता इस मामले में द्वितीय पक्षकार हैं। कोर्ट ने विष्णु गुप्ता के दावे को मंजूर कर लिया। दिल्ली से आए एडवोकेट रामस्वरूप बिश्नोई ने बताया कि 38 पेज का वाद पेश किया गया। इसमें कहा गया है कि ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह में शिव मंदिर है। दरगाह की बनावट और शिव मंदिर के प्रमाण के संबंध में भी सबूत पेश किए गए हैं।

कोर्ट परिसर में मौजूद हिंदू पक्षकार विष्णु गुप्ता।

यह है मामला :- वादी विष्णु गुप्ता द्वारा सितंबर माह मे एसीजेएम कोर्ट में अजमेर की दरगाह में मंदिर होने का दावा पेश किया था, लेकिन क्षेत्राधिकार के मामले में न्यायाधीश ने संबंधित कोर्ट में वाद दायर करने के आदेश दिए थे। वादी द्वारा अंग्रेजी में दावा पेश करने के मामले में हिंदी में दावा पेश करने के लिए कहा गया था। गुप्ता ने 4 अक्टूबर को अजमेर की जिला एवं सत्र न्यायालय में वाद ट्रांसफर के लिए अर्जी पेश की थी। 5 नवंबर को गुप्ता को वाद वापस लेने के लिए धमकी मिली, इसके बाद उन्होंने अजमेर के किशनगंज थाने में मुकदमा दर्ज करवाया जिसकी जांच लंबित है। 25 नवंबर को गुप्ता ने न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्र व) अजमेर नगर पश्चिम की अदालत में वाद पेश किया जहां तीन दिन लगातार सुनवाई हुई और बुधवार को कोर्ट ने दावा मंजूर कर लिया। अदालत में दिए तर्क: वादी के अधिवक्ता ने बताया कि 38 पेज के दायर वाद में 38 बिंदुओं में तर्क दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि आर्कियोलॉजी डिपार्टमेंट से सर्वे किया जा सकता है।

ज्ञानवापी की तरह 1991 पूजा स्थल अधिनियम कानून यहां लागू नहीं होगा। अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्यवाही: अदालत में दावा मंजूर होने के बाद अजमेर का खुफिया विभाग सक्रिय हो गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार गुप्तचर विभाग दरगाह सहित परिधि क्षेत्र में निगरानी बनाए हुए हैं। जिला पुलिस की साइबर सेल सोशल साइट्स पर विशेष नजर रखे हुए हैं, अफवाह फैलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी।

कार्यालय नगर पालिका अकलेरा जिला झालावाड (राज.)
क्रमांक :- न.पा.अ./2024/1601 दिनांक :- 20/11/2024
ई-निविदा सूचना सं. 02/2024-25
इस कार्यालय की निविदा सूचना संख्या :– न.पा.अ./2024/1588–1590 दिनांक 18.11.2024 के द्वारा कुल 9 कार्य की अनुमानित लागत 187.00 लाख रू. की पंजीकृत संवेदको से ऑन लाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in and http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. DLB2425SLOB12050, DLB2425SLOB12051, DLB2425SLOB12052, DLB2425SLOB12053, DLB2425SLOB12054, DLB2425SLOB12055, DLB2425SLOB12056, DLB2425SLOB12057, DLB2425SLOB12058
अध्यक्ष नगर पालिका अकलेरा — अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका अकलेरा
राज.संवाद/सी/24/8273

EXECUTIVE ENGINEER PWD DN-DAUSA
File No. 4816-25 Date 20/11/24
Notice Inviting Bid No-27/2024-25
Bids for Construction work under PWD Division Dausa of Nit No. 27 Year 2024-25 of Procurement are invited from interested bidders upto 11.00 AM (time) 05.12.2024 (date). Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://www.eproc.rajasthan.gov.in. "http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state; and "http://www.pwd.rajasthan.gov.in" departmental website. The approximate value of the procurement is Rs 185.95 Lacs
1. UBN No. PWD2425WSOB 10189
2. UBN No. PWD2425WSOB 10190
Executive Engineer PWD Division-Dausa
DIPR/C/11739/2024

कार्यालय प्रमुख चिकित्सा अधिकारी, जिला चिकित्सालय, जालोर
क्रमांक-पीएमओ/2024/2220 दिनांक-21.11.2024
ई-निविदा सूचना
जिला चिकित्सालय जालोर के अधिन संचालित एमसीएच सेन्टर जालोर के लिए लेप्रोस्कॉपी व हिस्टेरोस्कॉपी मशीन आपूर्ति के लिये राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 में विहित नियमों एवं वित्त विभाग द्वारा समय समय पर जारी प्रावधानों के अन्तर्गत नियमानुसार पंजीकृत फर्मो से E-Proc. पोर्टल पर वित्तीय बोली आमंत्रित की जाती है जिसकी अनुमानित लागत 25.31 लाख है, निविदा सूचना www.sppp.rajasthan.gov.in/eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।
UBN NO. MHS2425GLOB03976, NIB NO. MHS2425A2744
प्रमुख चिकित्साधिकारी जालोर
DIPR/C/11743/2024

सिटी पैलेस में धूणी दर्शन के बाद पूर्व राजपरिवार में छिड़ा विवाद खत्म

विश्वराज सिंह ने सुबह किये एकलिंगजी के दर्शन, शाम को पहुंचे धूणी दर्शन

उदयपुर, (कासं)। मेवाड राजघराने की परंपराओं और आस्थाओं के बीच पिछले कुछ दिनों से चल रहा विवाद बुधवार को समाप्त हो गया। उदयपुर के पूर्व राजघराने के बतौर मुखिया विश्वराज सिंह ने बुधवार को एकलिंगजी भगवान के दर्शन करके आस्था और परंपरा की एक और कडी जोडी, और शाम को सिटी पैलेस में धूणी के दर्शन कर परंपरा को पूरा किया। परंपरानुसार राजतिलक की रस्म के बाद विश्वराज सिंह मेवाड शाम करीब 6.15 बजे सिटी पैलेस में धूणी दर्शन के लिए पहुंचे। इस घटनाक्रम को लेकर राजघराने के समर्थकों ने खुशी का इजहार किया और क्षेत्रीय उत्साह के साथ आतिशबाजी की।

विश्वराज सिंह मेवाड ने कैलाश पुरी में किए एकलिंगजी के दर्शन।

विश्वराज सिंह मेवाड के साथ सलूंबर के देवव्रत सिंह रावत,रणधीर सिंह भींडर,बडी सादडी राज राणा समेत 5 लोग धूणी दर्शन के लिए गए हैं। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी उनके साथ हैं। सिटी पैलेस जाने वाले रास्ते पर पुलिस फोर्स तैनात है। बैरिकेडिंग भी की गई है। जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल के नेतृत्व में जारी वार्ता के बाद बुधवार शाम को पांच लोगों के साथ विश्वराज सिंह मेवाड को धूणी के दर्शन कराए जाने पर सहमति बनी। इसके बाद दूधतलाई स्थित प्रवेश द्वार से विश्वराज सिंह और उनके समर्थकों ने सिटी पैलेस में प्रवेश कियाए जहां आस्था और परंपरा की मिसाल पेश की गई। यह घटना न केवल मेवाड राजघराने के आस्था और परंपरा को एक बार फिर स्थापित करती है बल्कि यह भी साबित करती है कि जब धार्मिक आस्थाएं और परिवार की परंपराएँ एक साथ खडी होती हैं तो विवादों के बावजूद समाधान का रास्ता निकल ही आता है। इससे पहले विश्वराज सिंह ने राजतिलक की रस्म के 48 घंटे बाद बुधवार सुबह मेवाड के शासक देवता एकलिंगजी के दर्शन किए। इसके बाद हुई शोक भंग की रस्म में उन्हें रंगीन पगडी पहनाई गई।

- **पांच सदस्यों को ही मिली धूणी दर्शन की अनुमति**

विश्वराज सिंह के निवास पर परिवार के शोक भंग की रस्म को निभाई गई।इससे पहले बुधवार सुबह भी सिटी पैलेस के गेट बंद रहे। किसी भी विवाद से निपटने के लिए सिटी पैलेस के बाहर, समोर बाग के बाहर पुलिस के कडे सुरक्षा इंतजाम किए गए। सिटी पैलेस के आसपास तो धारा 163 (पहले 144) लागू है। वहीं, मंगलवार को इस पूरे विवाद पर आरोप प्रत्यारोप का दौर चला। विश्वराज सिंह मेवाड और लक्ष्यराज सिंह ने एक-दूसरे को सोमवार को हुई हिंसक झडप के जिम्मेदार बताया। दोनों ने ही सरकार और जिला प्रशासन पर भी आरोप लगाए। लक्ष्यराज ने कहा. सरकार मंा बैठे एक व्यक्ति के इशारे पर पूरा विवाद हो रहा है। इधर मेवाड राजपरिवार के वंशजों स्वर्गीय महाराणा महेन्द्र सिंह मेवाड के पुत्र विश्वराज सिंह मेवाड और अरविंद सिंह मेवाड के पुत्र लक्ष्यराज सिंह मेवाड के बीच सिटी पैलेस में धूणी दर्शन को लेकर चल रहे विवाद पर मंगलवार रात को लक्ष्यराज सिंह मेवाड पहली बार मीडिया से मुखातिब हुए। लक्ष्यराज सिंह मेवाड ने कहा वे हमारे घरों में जबरन घुसने के लिए सरकार से दबाव बनवा रहे हैं। मैं उदयपुर में कानून ढ़ूंढ रहा हूं कि कहां है। लक्ष्यराज ने स्पष्ट किया कि किसी की कोई मांग है तो उसके लिए कानूनी रास्ता अपनाएं, कोर्ट का दरवाजा खटखटाएं। गुंडागर्दी से किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकलेगा। हालांकि लक्ष्यराज पत्रकारों के सवालों का जवाब दिए बगैर बस अपनी बात कहकर चले गए। जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अरविंद पोसवाल ने शहर के सिटी पैलेस के आसपास के क्षेत्र में लोक शांति कायम रखने की दृष्टि से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के प्रावधानों को लागू किया है। जारी आदेश में बताया गया है कि मेवाड के पूर्व राजपरिवारों के सदस्यों के बीच धूणी दर्शन को लेकर उपजे विवाद के चलते भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जगदीश चौक से 500 मीटर के परिक्षेत्र में एवं रंग निवास पर्यटन पुलिस थाना तक जो कि पुलिस थाना घण्टाघर एवं पुलिस थाना सूरजपोल की सीमाओं के अन्दर आता है, में विविध प्रतिबंध प्रभावी करने के लिए आदेश जारी किए हैं।

उक्त सीमाओं में पांच या इससे अधिक व्यक्ति एक स्थान पर एकत्रित नहीं होंगे। इन्टरनेट तथा सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, ट्वीटर, व्हाट्सअप,युट्यूब के माध्यम से किसी प्रकार का धार्मिक उन्माद,जातिगत द्वेष या दुष्प्रचार नहीं करेगा। यह निषेधाज्ञा 26 नवंबर से आगामी आदेश तक लागू रहेगी। कोई भी व्यक्ति उदयपुर शहर के जगदीश चौक से 500 मीटर के परिक्षेत्र में एवं रंगनिवास पर्यटन पुलिस थाना तक जोकि पुलिस थाना घण्टाघर एवं पुलिस थाना सूरजपोल की सीमाओं के अन्दर आता है, उक्त सीमाओं में किसी भी तरह का विस्फोटक पदार्थ, घातक रासायनिक पदार्थए आग्नेय अस्त्र.शस्त्र जैसे रिवाल्वर, पिस्तौल,बंदूक,राईफल्स व अन्य धारदार हथियार जैसे तलवार, गंडासा, फरसा, चाकू, भाला, कृपाण, बर्फी, गुप्ती, कटार,धारिया,आदि तथा विधि द्वारा प्रतिबंधित हथियार और मोटे घातक हथियार लाठी आदि सार्वजनिक स्थानों पर धारण कर न तो घूमेगा,न ही प्रदर्शन करेगा और न ही साथ लेकर चलेगा।

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कोटा (राज.)
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, दादाबाड़ी परिसर, सरकारी आवास ए-1, कोटा (राज.)
फोन-0744-2461550, E-mail: eemhkota@ymail.com, ee-mh-kota@gov.in
क्रमांक-849 **निविदा सूचना संख्या- 17/2024-2025** दिनांक-21.11.2024
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत राज्य विभिन्न चिकित्सालयों पर रू. 1091.00 लाख के 20 सिविल कार्य हेतु उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विवरण DIPR की वेबसाईट पर www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेबसाईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

Sr.No.	UBN NO.	Sr.No.	UBN NO.	Sr.No.	UBN NO.
1.	NRH2425WSOB01525	8.	NRH2425WSOB01532	15.	NRH2425WSOB01539
2.	NRH2425WSOB01526	9.	NRH2425WSOB01533	16.	NRH2425WSOB01540
3.	NRH2425WSOB01527	10.	NRH2425WSOB01534	17.	NRH2425WSOB01541
4.	NRH2425WSOB01528	11.	NRH2425WSOB01535	18.	NRH2425WSOB01542
5.	NRH2425WSOB01529	12.	NRH2425WSOB01536	19.	NRH2425WSOB01543
6.	NRH2425WSOB01530	13.	NRH2425WSOB01537	20.	NRH2425WSOB01544
7.	NRH2425WSOB01531	14.	NRH2425WSOB01538		

DIPR/C/11713/2024 अधिशाषी अभियन्ता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, खण्ड-कोटा

कार्यालय नगरपरिषद,जालोर (राज0)
हॉस्पीटल चौराहा, रेल्वे स्टेशन रोड़, जालोर-343001
क्रमांक/नपजा/भण्डार/ई-टेण्डर/2024/4810 दिनांक: 21.11.2024
:: ई-निविदा सूचना संख्या 03/2024-25 ::
नगरपरिषद, जालोर द्वारा निम्नलिखित कार्य/सामग्री की आपूर्ति हेतु माल एवं सेवाओं के उपापन के लिए दर संविदा वित्तिय वर्ष 2024-25 दिनांक (31.03.2026) के लिए (रेट कान्टेक्ट) हेतु राजस्थान लोक सेवा उपापन पारदर्शिता नियम 2023 के अन्तर्गत विभिन्न फर्मो, ठेकेदारों, अधिकृत डिलरों, पंजीकृत/प्राधिकृत फर्मो/आपूर्तिकार्ताओं/डिलरों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डर प्रक्रिया के अन्तर्गत निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा की संपूर्ण विवरण/शर्ते ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी तथा डाउनलोड की जा सकती है-
01. NIB CODE- DLB2425A3965
आयुक्त नगरपरिषद, जालोर
राज.संवाद/सी/24/8358

नगर विकास न्यास, पाली
जिला कलेक्ट्रेट परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com
क्रमांक :- न्या.पा./विज्ञापन/2024/531 दिनांक :- 25/11/2024
ई-निविदा सूचना संख्या-23/2024-25
नगर विकास न्यास, पाली की और न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सेवा प्रदाता के माध्यम से कार्मिक लगाने हेतु ऑन-लाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है।

कार्य	निविदा राशि	यू.बी.एन नम्बर (sppp.rajasthan.gov.in)
सेवा प्रदाता के माध्यम से कार्मिक लगाने का कार्य।	15.00 लाख रू.	ITP2425SLRC00040

अधिशाषी अभियन्ता, नगर विकास न्यास, पाली
राज.संवाद/सी/24/8356

''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में प्रदेश की क्षमता प्रदर्शित होगी

■ एक्सपो में राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे, राजस्थान, महिला उद्यमियों, स्टार्टअप और चुनिंदा देशों के होंगे विशेष पैवेलियन

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयोजित हो रहे 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 में राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो का भी आयोजन किया जाएगा और इसमें राजस्थान और देश भर से 100 से अधिक कंपनियां और व्यापारिक समूह भाग लेंगे। इस ग्लोबल एक्सपो में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में राज्य की क्षमता प्रदर्शित की जाएगी और देश के औद्योगिक परिदृश्य में राजस्थान की अहम भूमिका को दिखाया जाएगा। इस एक्सपो में कई पैवेलियन भी लगाए जाएंगे, जिनमें प्रमुख रूप से राजस्थान का स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन और कुछ चुनिंदा देशों, स्टार्टअप्स और महिला उद्यमियों के लिए लगाए जाने वाले पैवेलियन होगा।

राजस्थान के स्टेट-ऑफ-दी-आर्ट पैवेलियन में राज्य के बारे में विशिष्ट जानकारियां दी जाएंगी। इसके तहत राज्य की अर्थव्यवस्था, समृद्ध विरासत, सांस्कृतिक धरोहरों, प्रमुख और नये या उभरते हुए व्यवसायिक क्षेत्रों के बारे में जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा, इसमें मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई विभिन्न योजनाओं और पहलों को भी प्रदर्शित किया जाएगा और ग्रामीण परिदृश्य को बेहतर बनाने और शहरी सुविधाओं को पुनर्जीवित करने में उनके प्रभाव के बारे में बताया जाएगा। इसके अलावा, इसमें उभरती हुई प्रौद्योगिकियों, स्मार्ट सार्वजनिक वितरण और विभिन्न ई-गवर्नेंस पहलों को भी इंटरैक्टिव पैनलों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

इसके अलावा, स्टार्ट-अप पैवेलियन में राज्य में मौजूद स्टार्ट-अप्स को प्रदर्शित किया जाएगा, जिसमें राज्य की प्रमुख महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्ट-अप्स भी शामिल हैं। इसी तरह, महिला उद्यिमयों के पैवेलियन में महिलाओं के नेतृत्व में सफल व्यवसायों को प्रदर्शित किया जाएगा, जिन्होंने सरकार द्वारा अपनाई गई नीतियों और पहलों के तहत बड़ी ऊंचाइयों को हासिल किया है। इस पैवेलियन के जरिए ये महिला उद्यमी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में भाग लेने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के सामने अपने व्यवसायों की जानकारी दे सकेंगी ताकि उनकी उद्यमशीलता दिखे और सराही जाए।

इसके बारे में बताते हुए राजस्थान सरकार के रीको लिमिटेड के प्रबंध निदेशक इंद्रजीत सिंह ने कहा, राजस्थान ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो उद्यिमता की राजस्थानी भावना और पारंपरिक क्षमताओं के संग-संग राजस्थान को एक आधुनिक औद्योगिक शक्ति के रूप में प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर है।

10,000 वर्ग मीटर के क्षेत्र में फैली इस प्रदर्शनी (एक्सपो) में राजस्थान में व्यावसायिक उपस्थिति या रुचि रखने वाले कई भारतीय और विदेशी व्यापार समूह शामिल होंगे। एक्सपो में अपने पैवेलियन लगाने वाले उल्लेखनीय भारतीय व्यापार समूहों में असाही इंडिया ग्लास, जिसने हाल ही में चित्तौड़गढ में एक प्रमुख फ्लोट ग्लास प्लांट स्थापित किया है, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, जेसीबी, टाटा पावर, टोरेंट ग्रुप, महिंद्रा सिटी, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, जेके सीमेंट, जेके टायर वगैरह शामिल हैं।

इसके अलावा, इस ग्लोबल बिज़नेस एक्सपो में डेनमार्क और जापान सहित कुछ चुनिंदा देश भी अपने देश के बारे में पैवेलियन लगाएंगे और आने वाले दिनों में इसमें कई और देश भी जुड़ सकते हैं। साथ ही, बड़ी संख्या में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम भी इस एक्सपो में अपना पैवेलियन लगा रहे हैं और इनमें एचपीसीएल, गेल जैसी केंद्र सरकार के स्वामित्व वाली सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां और राजस्थान सरकार के स्वामित्व वाली अन्य सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां शामिल हैं।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के वक्ताओं की पहली सूची की घोषणा

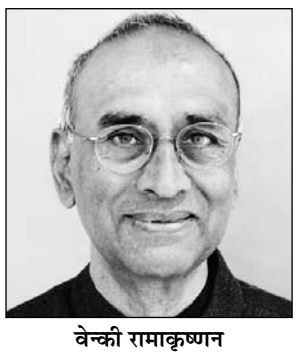

वेन्की रामाकृष्णन

अन्ना फंडर

टीना ब्राऊन

जयपुर। भारत के जाने-माने फेस्टिवल क्यूरेटर एवं प्रोडक्शन हाउस टीमवर्क आर्ट्स ने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के बहुप्रतीक्षित 18वें एडिशन के वक्ताओं की पहली सूची जारी कर दी है। साहित्य की दुनिया के इस प्रतिष्ठित समारोह का आयोजन आगामी 30 जनवरी से 3 फरवरी के दौरान, जयपुर स्थित होटल क्लार्क्स आमेर में किया जाएगा। दुनियाभर में 'धरती पर आयोजित होने वाले सबसे बड़े साहित्योत्सव' के तौर पर प्रतिष्ठित इस फेस्टिवल के मंच पर एक बार फिर लेखकों, विचारकों और पाठकों की महफिलें जुटेंगी जो साहित्य के हालातों और विभिन्न संस्कृतियों के लोगों के साथ जुड़ाव कायम करने की इसकी अनूठी क्षमता के बारे में मिल-जुलकर विचार-मंथन करेंगे।

दुनियाभर में पुस्तकों और विचारों के इस सबसे बड़े उत्सव के 2025 एडिशन के जरिए एक बार फिर दूरियों को घटाने, सहानुभूति जगाने और हमारे साझा मानवीय अनुभवों का उत्सव मनाने के लिए कहानियों की ताकत को दोहराया जाएगा। पर्यावरण अनुकूल व्यवहार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के चलते, 2025 के संस्करण में पर्यावरण के प्रति सजगता पर प्रमुखता से जोर रहेगा। उत्सव के दौरान वाद-विवाद, चर्चाएं और अभूतपूर्व प्रस्तुतियों का दौर जारी रहेगा। 2025 एडिशन में सांस्कृतिक समृद्धियों, दिग्गज साहित्यिक कृतियों और पर्यावरण अनुकूल भविष्य पर जोर दिया जाएगा, जो कुल-मिलाकर इस फेस्टिवल को अभूतपूर्व बनाएगा।

JAIPUR LITERATURE FESTIVAL

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के मूल में भाषायी विविधता है, और यही वजह है कि साहित्य का यह मेला विभिन्न भाषाओं को मंच प्रदान करता है। इस साल के सत्रों में हिंदी, बांग्ला, राजस्थानी, कन्नड़, तमिल, तेलुगू, ओड़िया, संस्कृति, असमी, मलयालम, मराठी, पंजाबी और उर्दू समेत अनेक भाषाओं में कृतियों और चर्चाओं को परोसा जाएगा और इस प्रकार यह मेला समावेशिता के साथ-साथ भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का परिचायक होगा।

18वें एडिशन में अलग-अलग क्षेत्रों के 300 से अधिक वक्ताओं को शामिल किया गया है, जो प्रतिभागियों को वैश्विक एवं भारतीय साहित्यिक हस्तियों से जुड़ने का मौका देगा। वक्ताओं की पहली सूची में शामिल हैं आंद्रे एचिमन, अनिरुद्ध कनिसेट्टी, अन्ना फंडर, अश्वनी कुमार, कावेरी माधवन, क्लॉडिया डी राम, डेविड निकॉल्स, फियोना कारनारवन, इरा मुखौटी, आइरेनोसेन ओकोजी, जेनी एरपनबेक, जॉन वैलेंट, कलोल भट्टाचार्जी, मैत्री विक्रमसिंघे, मानव कौल, मिरियम मार्गोलिस, नसीम निकोलस तालेब, नाथन थ्राल, प्रयाग अकबर, प्रियंका मट्टू, स्टीफन ग्रीनब्लाट, टीना ब्राउन, वी वी गणेशनंदन, वेंकी रामाकृष्णन, और यरोस्लावा त्रोफिमोफ सरीखी साहित्यिक दुनिया की प्रतिभाएं जो उत्सव के दौरान विचारों से भरे साहित्यिक चर्चाओं का भरोसा दिलाती हैं।

जानी मानी लेखक और फेस्टिवल की सह-निदेशक नमिता गोखले का कहना है कि जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल हमेशा से ही कहानियों, नए विचारों और संस्कृतियों का संगम रहा है। अब जबकि हम 18वें एडिशन की तैयारी में जुटे हैं, तो हम वास्तव में, प्रेरित करने, चुनौती देने और एकजुट करने की साहित्य की ताकत का जश्न मना रहे हैं। इस साल, हम लेखकों, कवियों और विचारकों की ऐसी अविश्वसनीय पंक्तियों का स्वागत करने जा रहे हैं जो दर्शकों के साथ कभी न भुलाए जा सकने वाले संवाद-सत्रों का नेतृत्व करेंगे।

विनम्र रहे, निष्पक्षता से कार्य करें : देवनानी

■ राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों की विधानसभाध्यक्ष से मुलाकात

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा है कि विनम्र रहकर निष्पक्षता से कार्य करें। ईमानदारी से सोच-समझकर कर निर्णय लें ताकि किसी के प्रति अन्याय न हो। युवा संकल्प लेंगे तो राष्ट्र विश्व पटल पर अवश्य अग्रणी रहेगा। युवा राष्ट्र के भविष्य की आशा की किरण है। देवनानी से बुधवार को यहां राजस्थान विधान सभा में राजस्थान प्रशासनिक सेवा में नव चयनित 75 प्रशिक्षु अधिकारियों ने शिष्टाचार मुलाकात की। देवनानी ने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को राज्य प्रशासनिक सेवा में चयन के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी।

देवनानी ने कहा कि युवा राष्ट्र का भविष्य है। बहुत मेहनत के बाद राज्य सेवा में चयन होता है। राज्य सेवा प्रतिष्ठित सेवा है। राज्य सेवा के कार्यों को दूरदर्शिता के साथ करें। उन्होंने कहा कि उद्देश्यपूर्ण जीवन से ही हम स्वयं के जीवन, परिवार, समाज और राष्ट्र को नई दिशा दे सकते है। युवाओं के जीवन का उद्देश्य राष्ट्र के उद्देश्य के अनुरूप ही होना चाहिए। कर्तव्यों को सक्रियता से निभाएं।

प्रशिक्षु अधिकारियों ने विधान सभा के राजनैतिक आख्यान संग्रहालय में नव-निर्मित संविधान दीर्घा का अवलोकन किया। इस मौके पर राजस्थान विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के. शर्मा, वित्तीय सलाहकार अपूर्व जोशी और उप सचिव संजीव कुमार शर्मा ने अधिकारियों को राजस्थान विधानसभा की गतिविधियों के बारे में बताया। इस मौके पर हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान के डॉ. गुल फिरदोस और विनोद कुमारी भी मौजूद थी।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने बुधवार को विधानसभा में नन्हीं मुस्कान पोस्टर का विमोचन किया। देवनानी को डॉ. उमेश दत्त ने नन्हीं मुस्कान कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि दौसा में एक दिसम्बर को शहर के बच्चों का फ्री चैकअप किया जायेगा। देवनानी ने चिकित्सकों से कहा कि सशक्त राष्ट्र के लिए बच्चों का स्वस्थ होना आवश्यक है। बच्चों को स्वस्थ रखने के लिए निरन्तर कार्य करें। इस मौके पर विधान सभा के विशिष्ट सचिव भारत भूषण शर्मा, विशिष्ट सहायक के.के शर्मा, डॉ. उमेश दत्त शर्मा, डॉ. पंकज जुत्थी और डॉ. पियूष त्रिवेदी मौजूद थे।

'पशुपालकों के लिए कारगर साबित हो रही है राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना'

■ राज्यसभा सांसद मदन राठौड़ के तारांकित सवाल के जवाब में पशुपालन एंव डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह ने जवाब में दी जानकारी

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मदन राठौड़ ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से देशभर के पशुपालकों की आय बढ़ाने और दुग्ध उत्पादन को बढावा देने के उद्देश्य से शुरू की कई राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना कारगर साबित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल के दौरान पशुपालन विभाग की ओर से दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया। इसका परिणाम यह हुआ कि पिछले 10 वर्षों में दूध उत्पादन में 63.56 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वर्ष 2014-15 में जहां 146.3 मिलियन मीट्रिक टन दूध उत्पादन किया जा रहा था, वो वर्ष 2023-24 में 239.3 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुंच गया। वहीं देशभर में पशुओं की देशी नस्ल सुधार के लिए आईवीएफ तकनीक का इस्तेमाल करते हुए 32 बछडे और बछडियों को जन्म दिया गया।

राठौड़ ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के लक्ष्य प्राप्ति और देशभर में इस योजना से लाभान्वित किसानों को लेकर राज्यसभा में तारांकित सवाल लगाया। इसके जवाब में मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री राजीव रंजन सिंह जवाब दिया कि योजना से देशभर में 4 करोड़ 58 लाख 14 हजार 284 किसान लाभान्वित हुए है। इसमें राजस्थान के 32 लाख 47 हजार 550 किसान राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के माध्यम से लाभान्वित हुए। इतना ही नहीं, देशभर में पशुओं की नस्ल सुधार के लिए 38 हजार से अधिक मैत्रियों को लगाया गया। इसमें राजस्थान में 771 मैत्री कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन के तौर पर कार्य कर रहे है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन योजना के तहत देशी नस्लों के सुधार की दिशा में भी सराहनीय कार्य किया गया है। इसमें राजस्थान की साहीवाल, थारपारकर और राठी नस्ल के पशुओं की संतति परीक्षण और नस्ल चयन कार्यक्रम शुरू किया गया। वहीं राष्ट्रव्यापी कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम के दौरान पिछले तीन सालों में राजस्थान के 32.47 लाख किसान लाभान्वित हुए और 55.99 लाख पशुओं में कृत्रिम गर्भाधान किया गया। इतना ही नहीं, राजस्थान में देशी पशुओं की नस्ल सुधार के लिए 7 नस्ल वृद्धि फार्म स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए केंद्री की ओर से स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। वहीं दूसरी ओर 70 व्यक्तियों को सामुदायिक संसाधन व्यक्ति ए-हेल्प का प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है।

जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 1489 स्मार्ट मीटर लगाए

जयपुर । मेजर जनरल आरएस गोदारा जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 61 सब एरिया ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 27 नवंबर को मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज़ (एमईएस) द्वारा स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाने की परियोजना का उद्घाटन किया। भारत सरकार के स्मार्ट मीटर राष्ट्रीय कार्यक्रम की पहल में योगदान करते हुए, डिजिटल इंडिया की दिशा में आगे बढ़ते हुए जयपुर मिलिट्री स्टेशन में 1489 स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए। भारत सरकार का लक्ष्य स्मार्ट मीटर नेशनल प्रोग्राम के तहत 25 करोड़ स्मार्ट इलेक्ट्रिक मीटर लगाना है।

पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा के लिए कंट्रोल रूम

जयपुर। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा 1 दिसंबर से 3 दिसंबर 2024 तक पशु परिचर सीधी भर्ती परीक्षा-2024 का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा का आयोजन जयपुर शहर के 130 केन्द्रों पर होगा। छह पारियों में (प्रथम पारी प्रात: 9 बजे से दोपहर 12 बजे एवं द्वितीय पारी दोपहर 2:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक) आयोजित होने वाली परीक्षा में कुल 2 लाख 60 हजार 163 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

अतिरिक्त जिला कलक्टर (पूर्व) देवेन्द्र कुमार जैन ने बताया कि परीक्षा के सुचारू एवं सफल संचालन के लिये कलक्ट्रेट के कमरा नंबर 116 में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की गई है जिसका संचालन 1 दिसंबर से 3 दिसंबर 2024 तक किया जाएगा। नियंत्रण कक्ष 29 नवंबर एवं 30 नवंबर 2024 तक प्रात: 10 बजे से सांय 6 बजे तक कार्य करेगा। वहीं, 01 दिसंबर से 03 दिसंबर 2024 को को प्रात: 6 बजे से परीक्षा समाप्ति उपरान्त नियंत्रण कक्ष से संबंधित समस्त कार्य पूर्ण होने तक कार्य करेगा। परीक्षा के लिए कुल छह पारियों में 414 उप समन्वयक एवं 69 उडनदस्तों का तैनाती की गई है। उन्होंने बताया कि जयपुर स्थित परीक्षा केन्द्रों के लिए नियंत्रण कक्ष का दूरभाष नम्बर 0141-2206699 रहेगा।

57 बीघा कृषि भूमि पर बसाई जा रही पांच कॉलोनियां ध्वस्त

■ जे.डी.ए. ने बगरू में 7 बीघा सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया

जयपुर । जयपुर विकास प्राधिकरण के प्रवर्तन दस्ते ने करीब 57 बीघा कृषि भूमि पर काटी जा रही पांच अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया। इसके अलावा बगरू में भी आम रास्ते की 7 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाया।

उप महानिरीक्षक पुलिस कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि जोन-13 स्थित दौलतपुरा रोड पर सेवापुरा डंपिंग यार्ड के पास करीब 27 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने की तैयारी चल रही थी। काश्तकारों ने कृषि भूमि को समतल करके यहां रातोंरात डामर की 7 सड़कें, बाउंड्रीवाल समेत कई निर्माण कर लिए थे, जिन्हें बुधवार को जे.सी.बी. मशीन की मदद से ध्वस्त किया।

इसी प्रकार खोरा श्यामदास जाने वाले रास्ते पर स्थित ग्राम मोठू का वास में भी 6 बीघा निजी खातेदारी की कृषि भूमि पर 'श्याम वटिका विस्तार' के नाम से अवैध कॉलोनी बसाने की कोशिश की जा रही थी। ऐसी ही अवैध कॉलोनी ग्राम चौमूं में होली दरवाजे के पास 1.5 बीघा जमीन पर काटी गई थी। इसके अलावा बगरू में भी करीब 20 कृषि भूमि पर 'जगन्नाथ सिटी' के नाम से चोरी छिपे कॉलोनी काटकर यहां सीमेंट ब्लॉक्स की सड़क, प्लॉट्स की बाउंड्रीवाल व अन्य निर्माण कर लिए थे। इसके नजदीक ही 2 बीघा कृषि भूमि पर 'जयश्री श्याम' के नाम से कॉलोनी बसाने की तैयारी थी।

काश्तकारों ने कृषि भूमि का भू-रूपांतरण करवाये बिना और जेडीए से इजाजत लिए बगैर ही यह अवैध कॉलोनियां बसाने की कोशिश की थी। इससे राज्य सरकार और जेडीए को करोड़ों रु. के राजस्व की हानि हो रही थी। बुधवार को पांचों अवैध कॉलोनियों पर जेडीए का बुलडोजर गरजा और सभी निर्माण ध्वस्त कर दिए गए।

मांस की पांच अवैध दुकानें सीज

जयपुर । नगर निगम हैरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने मीट की अवैध दुकानों पर कार्रवाई करते हुए पांच दुकानों को सीज कर दिया। कार्रवाई के संबंध में पशु प्रबंधन शाखा उपायुक्त अनीता मित्तल ने बताया कि शाखा को लगातार बिना लाइसेंस और खुले में मांस बेचने की शिकायतें आ रही थी। जिस पर शाखा के पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मयंक लाम्बा ने रामगंज, घोड़ा निकास रोड, हांडीपुरा, नाहरी का नाका इलाके में चल रही मीट की दुकानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान दुकानों पर अनियमितताएं पाई गई। इस पर टीम ने कार्रवाई करते हुए 5 दुकानों को सीज कर दिया और करीब 250 किलो अवैध मीट को जब्त कर नष्ट करा दिया है। वहीं खुले में मांस बेचने पर पांच दुकानों से जुर्माना भी वसूल किया। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ मयंक लाम्बा ने बताया कि निगम आयुक्त अरुण कुमार हसीजा के निर्देश पर निगम क्षेत्र में लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। शाखा रात में की अवैध मीट बेचने और बूचडखानों पर कार्रवाई करेगी। कार्रवाई में सतर्कता शाखा का भी सहयोग रहा।

नगर निगम हैरिटेज की पशु प्रबंधन शाखा ने बुधवार को परकोटा क्षेत्र में संचालित मांस की अवैध दुकानों पर कार्रवाई की।

कल्चरल डायरीज : गायन, वादन व नृत्य का साक्षी बनेगा जयपुर

■ उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर शुरू की गई कल्चरल डायरीज के तहत दो दिवसीय सांस्कृतिक संध्या 29-30 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर होगी आयोजित

जयपुर। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की अभिनव पहल व दिशा-निर्देशों के तहत पर्यटन विभाग द्वारा शुरू की गई सांस्कृतिक संध्या कल्चरल डायरीज शृंखला के तहत आगामी शुक्रवार व शनिवार 29 व 30 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएगी। इन प्रस्तुतियों के दौरान जयपुरवासियों सहित विदेशी व देसी पर्यटकों को गायन, वादन व नृत्य का शानदार संगम देखने को मिलेगा।

29 नवम्बर को अल्बर्ट हॉल पर किशनगढ़ के कलाकारों द्वारा चरी व घूमर नृत्यों के साथ ही अलवर के कलाकारों द्वारा भपंग वादन की प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी साथ ही खातु सपेरा विशेष आकर्षण का केन्द्र रहेगा। उनके समूह का कालबेलिया नृत्य जिसमें तीन पीढियां एक साथ नृत्य की प्रस्तुति देंगी। शनिवार 30 नवम्बर को जयपुर के इंडी फोक ग्रुप युग्म बैंड की प्रस्तुति के साथ लोक वाद्य यंत्र रावण हत्था वादन प्रस्तुत किया जाएगा।

उल्लेखनीय है उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी की पहल पर लोक कलाकारों को मंच प्रदान करते हुए उन्हें सम्बल प्रदान करने के लिए पर्यटन विभाग द्वारा कल्चर डायरीज नाम से पाक्षिक सांस्कृतिक संध्या की शुरूआत की गई है, इस पाक्षिक सांस्कृतिक शृंखला की पहली दो दिवसीय प्रस्तुतियां नवम्बर के दूसरे पखवाड़े में अल्बर्ट हॉल पर आयोजित हो चुकी है।

तीन पी.टी.आई. और एक व्याख्याता को एस.ओ.जी. ने गिरफ्तार किया

इन चारों आरोपियों ने डमी कैंडिडेट की मदद से परीक्षा पास की थी

जयपुर (कासं)। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एस.ओ.जी.) ने कार्रवाई करते हुए बुधवार को तीन पीटीआई और एक व्याख्याता को गिरफ्तार किया हैं। इन के खिलाफ एसओजी को हैल्पलाइन पर शिकायत मिली थी कि चारों ने डमी कैंडिडेट की मदद से परीक्षा पास की थी। इनके द्वारा पेश की गई बीपीएड की डिग्री भी फर्जी निकली। इस पर एसओजी ने तीनों के दस्तावेजों की जांच की,जांच में पुष्टि होने पर चारों को बुधवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया हैं।

एस.ओ.जी. सूत्रों ने बताया कि एसओजी जयपुर के व्हाटसएप हेल्पलाईन पर शिकायत मिली थी कि राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर द्वारा आयोजित शारीरिक शिक्षक सीधी भर्ती 2022 में कुछ लोग गलत चीजों का इस्तेमाल कर परीक्षा में पास हुए और नौकरी ली। जिस पर एसओजी ने स्वरूपा राम निवासी गुढामलानी जिला बाडमेर हाल शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय जाखड़ों की ढाणी, भीमलत धोरीमन्ना जिला बाडमेर, भारमल राम निवासी गांव धानता पुलिस थाना सांचोर जिला सांचोर हाल शारीरिक शिक्षक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, कुडा, रानीवाडा, जिला सांचोर, लादूराम निवासी दांतीवास तहसील भीनमाल जिला जालौर हाल राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, वनानी भीलों की ढाणी, गुढामालानी, बाडमेर की जांच की।

जांच में प्रमाणित हो गया कि इन लोगों ने अपनी जगह परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाया। तीनों आरोपियों ने उस दौरान आवेदन पत्रों में अन्य विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री भर कर अन्य विश्वविद्यालय की बीपीएड डिग्री और अंक तालिका के दस्तावेज सत्यापन के समय पेश कर पीटीआई की नौकरी प्राप्त की। एसओजी ने जब इन डिग्री और डमी अभ्यर्थी के पेपर में बैठने की जांच की तो यह पुष्टि हो गई। जिस पर इन तीनों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर इनकी गिरफ्तारी की गई। आरोपी स्वरूपा राम को जिला पुलिस अधीक्षक जालौर ज्ञानचन्द यादव एवं आरोपी लादूराम एवं भारमल को जिला पुलिस अधीक्षक बाडमेर नरेंद्र मीणा के निर्देशन में टीम ने डिटेन कर एसओजी के सुपुर्द किया। जिस पर एसओजी ने दोनो को कोर्ट में पेश कर 7 दिन का रिमांड लिया हैं।

वहीं राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर ने वरिष्ठ अध्यापक (माध्यमिक शिक्षा) द्वितीय श्रेणी प्रतियोगी परीक्षा वर्ष 2022 के सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा 24 दिसंबर 2022 को आयोजित की थी। उस में सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा पेपर लीक होने के कारण निरस्त कर दी गई थी एवं इस विषय की परीक्षा 29 जनवरी 2023 को दोबारा 10.30 एएम से 12.30 पीएम तक आयोजित की गई थी।

29 जनवरी 2023 को सामान्य ज्ञान एवं शैक्षिक मनोविज्ञान विषय की परीक्षा आरोपी राजेन्द्र कुमार के स्थान पर कमल विश्नोई निवासी राजीव नगर पुर, जिला सांचौर ने डमी परीक्षार्थी के रूप में दी थी। कमल बिश्नोई वर्तमान में उच्च माध्यमिक विद्यालय अरणाय (जालोर) में व्याख्याता (जीव विज्ञान) के पद पर था। एसओजी ने कमल विश्नोई को गिरफ्तार किया हैं। उसे भी रिमांड पर लिया गया हैं।

■ आरोपियों द्वारा पेश की गई बी.पी.एड. की डिग्री भी फर्जी निकली। एसओजी ने दस्तावेजों की जांच के बाद इन्हें गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया

झोटवाड़ा में खुलेंगे पांच नए आंगनबाड़ी केन्द्र

जयपुर। कैबिनेट मंत्री और झोटवाड़ा से भाजपा विधायक कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के सार्थक प्रयासों से झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में 5 नए आंगनबाड़ी केन्द्र स्थापित किए जाएंगे। जिससे महिलाओं को रोजगार मिलेगा। कम उम्र के बच्चों, गर्भवती-धात्री महिलाओं को पोषाहार के साथ टीकाकरण व पढ़ाई की सुविधा घर के पास ही केन्द्र पर मिलेगी। ये नए आंगनबाड़ी केन्द्र इन्द्रा कॉलोनी (बिंदायका) वार्ड नं. 49, घनश्याम विहार, वार्ड नं. 51, जनकपुरी, वार्ड नं. 63, बलाइयों का मोहल्ला, जोरपुरा सुंदरियावास, लोछुवो की ढाणी, आला का वास, जोरपुरा सुंदरियावास में खुलेंगे। झोटवाड़ा की जनता ने इस सराहनीय पहल हेतु कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ का आभार जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में बच्चों को बेहतर शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। आंगनबाड़ी केन्द्र न केवल बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा प्रदान करते हैं, बल्कि महिलाओं को सशक्त बनाने और उनकी स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सहायक होते हैं।

सिन्धु दर्शन यात्रा के लिए मिलेगी 15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

■ विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया था मुख्यमंत्री से आग्रह

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आग्रह पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सिन्धी समाज को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली लेह-लद्दाख सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को 15 हजार रुपए प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सिन्धु दर्शन यात्रा में चार दिन तक लेह-लद्दाख में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होते हैं तथा यह यात्रा 18 जून से शुरू होकर 30 जून को समाप्त होती है।

सिन्धी समाज के तीर्थयात्री हर साल 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा 18 जून से जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है तथा 30 जून को इसका अधिकारिक समापन होता है। देवनानी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को ज्ञापन देकर आग्रह किया था कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को भी अन्य तीर्थ यात्राओं की तरह आर्थिक सहायता दी जाए। इस पर निर्णय करते हुए राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों के लिए 15 हजार रूपए प्रति यात्री की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

गौरतलब है कि वर्ष 1997 में भारत रत्न एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने सिन्धु दर्शन यात्रा की शुरूआत की थी। प्रतिवर्ष यह यात्रा 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में आयोजित की जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सिंधी धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। वेद, शास्त्र एवं धार्मिक मान्यताओं में सिन्धु नदी का बड़ा महत्व है। लगभग सभी ग्रन्थों में सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रगान में भी सिन्धु नदी का उल्लेख है। सिन्धी समाज में भी इष्ट देव श्री झूलेलाल के अवतार का जल से संबंध है। ऐसे में यह यात्रा सिन्धी धर्मावलम्बियों के लिए बड़ी पवित्र मानी जाती है। प्रतिवर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से सिन्धी धर्मावलम्बी इस पवित्र यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है एवं लगभग 12 दिन चलती है। यात्रा में लेह-लद्दाख में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते है।

पिकअप पलटी, 14 महिलाओं सहित 26 जने घायल

हादसे के बाद मौके पर घायलों की चीख-पुकार मच गई

भीलवाड़ा। पड़ोसी जिले शाहपुरा के पारोली थाना इलाके में बुधवार सुबह टायर फटने के बाद एक पिकअप पलट गई।

हादसे में 14 महिलाओं सहित 26 लोग घायल हो गये। मौके पर घायलों की चीख-पुकार मच गई। आस-पास मौजूद लोगों व पारोली पुलिस ने घायलों को पारोली अस्पताल ले जाया गया, जहां से करीब दस घायलों को भीलवाड़ा के महात्मा गांधी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया गया। जहां उपचार के दौरान एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पारोली पुलिस ने बताया कि माली समाज के एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई थी। बुधवार सुबह अंतिम संस्कार होने से मृतक के रिश्तेदार रेण गांव से पिकअप में सवार होकर पारोली के लिए रवाना हुए। यह पिकअप पारोली क्षेत्र में भूणाजी का झोंपड़ा चौराहे के पास पहुंची थी कि अचानक चलती पिकअप का पिछला टायर फट गया, जिससे यह पिकअप सड़क पर पलट गई और 20 से 25 फीट तक सड़क पर घसीटते गई। इसके चलते पिकअप में सवार लोग सड़क पर गिरने के बाद पिकअप से

पिकअप पलटने से घायल लोगों का अस्पताल में उपचार किया गया।

- पारोली पुलिस ने बताया कि माली समाज के एक बुजुर्ग व्यक्ति की मौत हो गई
- पिकअप का पिछला टायर फटने से पिकअप सड़क पर पलट गई

टकराकर घायल हो गये। करीब 26 लोग चोटिल हो गये। इनमें 14 महिलायें शामिल हैं। आस-पास मौजूद लोगों के साथ ही सूचना पर पहुंची पारोली पुलिस ने घायलों को पारोली अस्पताल पहुंचाया, जहां 10 घायलों को गंभीर चोट लगने से उन्हें भीलवाा के महात्मा गांधी अस्पताल के लिए रैफर कर दिया, जबकि शेष का वहीं उपचार किया जा रहा है।

एमजी अस्पताल में एक बुजुर्ग भुवाना (60) पुत्र देवीलाल माली की मौत हो गई। हादसे में घायल मोहन (60) पुत्र मांगू माली, लादू (30) पुत्र भुवाना माली, लादू (68) पुत्र पेमा माली, किशन (14) पुत्र भंवर माली, गोपाल (40) पुत्र चुना माली, मांगू (45) पुत्र छीतर माली, कमली (55) पत्नी बद्रीलाल माली, कोयली (45) पत्नी हीरा माली, मानी (11) पुत्री भैंरू माली, कमली (40) पत्नी शंकर माली, छोटू (25) पुत्र चूना माली, उदी (45) पत्नी भैंरू माली, कांता पत्नी कालू माली, आशा (25) पत्नी लाला माली, महेंद्र (28) पुत्र रामेश्वर माली, काली माली (40), कैलाश (30) पुत्र डूंगर माली, फौरी (25) पत्नी छोटू माली, गुलाबी (40) पत्नी उदालाल माली, गोपाली (30) पत्नी राजू माली, रामकन्या (50) पत्नी भैंरू माली, उदय लाल (55) पुत्र गुलाब माली, बद्री (50) पुत्री श्रीराम माली, गीता (22) पत्नी खाना माली, सायरी (40) पत्नी बद्री माली का हॉस्पिटल में उपचार जारी है।

फर्जी जिला स्पेशल टीम के खिलाफ कार्रवाई

ब्यावर, (निसं) जिला पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह आई.पी.एस. के निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भूपेन्द्र शर्मा व वृत्ताधिकारी राजेश कसाना के निकटतम सुपरविजन में सदर थानाधिकारी गंगाराम खावा मय टीम द्वारा जिला स्पेशल टीम के फर्जी सदस्य बन आमजनो को धमकाने एवं लुटपाट करने के प्रयास करने वाले दो आरोपीयो परमेश्वरसिंह पुत्र नारायणसिंह जाति रावत उम्र 25 साल निवासी ग्राम झाला की चौकी कायाभीला पुलिस थाना बर एवं संदीप डिडवानियां उर्फ संन्जु जाति रैगर उम्र

- फर्जी जिला स्पेशल टीम के सदस्य बन आम जनो को धमकाने एवं लुटपाट के प्रयास में दो आरोपी गिरफ्तार

लूटपाट करने के दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया।

22 साल निवासी सुभाषनगर पुलिस थाना रामगंज अजमेर को गिरफ्तार करते हुए घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो कैम्पर भी जब्त किया है।

गौरतलब है की 25 नवंबर को आजाद काठात की वायरल खबर के संबंध में तलब करने पर एक लिखित रिपोर्ट पेश की गई की 23./24.नवंबर को प्रभु की बगीया में शादी समारोह से निकल कर रात को मेरी स्कूटी से घर आ रहा था तब कारगिल काठात पेट्रोल पम्प से पहले हाईवे पर एक सफेद कलर की महिन्द्रा कैम्पर से एक आदमी नीचे आया और कहा की हम स्पेशल पुलिस टीम से है। तु यहाँ क्या कर रहा है और मारपीट कर कैम्पर गाडी मे डालना चाहा और मेरी स्कुटी छिनकर ले जाने का प्रयास किया जिस पर मै चिल्लाया तो आरोपी कैम्पर गाडी मे बैठकर वहा से भाग गये। उक्त घटना को गम्भीरता से लेते हुऐ जिला स्पेशल टीम व पुलिस थाना सदर द्वारा सूचना संकलन व मुखबीर से जानकारी लेते हुए दो संदिग्ध को डिटेन कर पुलिस टीम द्वारा गहनता से पुछताछ की गई। दोनों ने ही जिला स्पेशल टीम के फर्जी सदस्य बन आमजनो को धमकाने एवं लुटपाट करने के प्रयास की वारदात को स्वीकार करने पर गिरफ्तार कर लिया गया और घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो कैम्पर को जब्त करने में सफलता मिली। गंगाराम खावा सदर थानाधिकारी गंगाराम खावा की पुलिस टीम में रामजस सहायक उप निरीक्षक, जितेन्द्र सिह हैडकानि, महेन्द्र कुमार, राजु कानि, भवानी सिह कानि, रिछपाल आदि थे।

अनियंत्रित होकर बाइक घुसी ट्रोले में, दोनों की मौत

बाइक और मोबाइल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए

गंगापुर सिटी। जयपुर हाईवे पर बुधवार सुबह बाइक आगे चल रहे ट्रोले में जा घुसी। हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना पर 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को गंगापुर सिटी गवर्नमेंट हॉस्पिटल पहुंचाया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों के आने के बाद पोस्टमॉर्टम कराकर पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

जानकारी के अनुसार बाढ गहनौली निवासी मोनू वैष्णव (22) पुत्र पुरुषोत्तम और मनमोहन वैष्णव (20) पुत्र मुरारी लाल दोनों बाइक से गंगापुर सिटी पानी की मोटर का सामान लेने के लिए आ रहे थे। इस दौरान गंगापुर सिटी-जयपुर रोड पर बाढ कला गांव के पास सुबह करीब 9:30 बजे बाइक बेकाबू हो गई और आगे चल रहे ट्राली से जा टकराई। जिसके कारण दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं बाइक और मोबाइल बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गए। मौके पर मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस 108 ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद घटना का पता चलने पर सदर थाना पुलिस गवर्नमेंट अस्पताल पहुंची।

सदर थाने के एएसआई दाताराम ने बताया कि घटना के बारे में परिजनों को सूचना दी गई और परिजनों के आने के बाद दोनों का पोस्टमॉर्टम कराकर सब परिजनों के सौंप दिया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की सजा, 47 हजार का अर्थदण्ड

कोटा, (निसं)। नाबालिग से दुष्कर्म के 22 माह पुराने मामले में पॉक्सो कोर्ट क्रम-3 ने आरोपी नर्सिंग स्टूडेंट को दोषी मानते हुये 20 साल की सजा सुनाई साथ ही 47 हजार के अर्थदण्ड से दण्डित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक ललित कुमार शर्मा ने बताया है कि 16 वर्षीय पीड़िता से मोबाईल पर फेसबुक के जरिये आरोपी युवक ने दोस्ती बढ़ाई और जनवरी 2023 में युवक ने अपने किराये के कमरे में बुलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया और अश्लील विडियों बना लिया। विशिष्ट लोक अभियोजक ने बताया कि आरोपी और पीड़िता एक ही गांव के थे जिसका फायदा उठाकर आरोपी ने उससे संबंध बनाये थे। मामले का पता चलने पर नाबालिग के पिता ने 11 अप्रैल 2023 को महावीर नगर थाने में इसकी शिकायत दी थी शिकायत के आधार पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की और आरोपी नर्सिंग स्टूडेंट को गिरफ्तार किया था। मामले में कोर्ट में 19 गवाह व 42 दस्तावेज प्रस्तुत किये गये।

कैमिकल युक्त जहरीला पानी रोकने लुधियाना कूच करेंगे

तीन दिसम्बर को सैकड़ों लोग बसों से सुबह 6 बजे साधुवाली लिंक चैनल पहुंचेंगे वहां से एकजुट होकर लुधियाना की ओर कूच करेंगे

गजसिंहपुर, (कासं)। ज़हर से मुक्ति आंदोलन के तत्वावधान में सिंहसभा गुरूद्वारा में किसान, मजदूर व व्यापारी संगठनों की बैठक संयुक्त बैठक हुई। जहरीले व कैमिकल युक्त पानी की रोकथाम के लिए 3 दिसम्बर को लुधियाना जाने का निर्णय लिया गया। सैकड़ों लोग बसों के माध्यम से सुबह 6 बजे साधुवाली लिंक चैनल पहुंचेंगे वहां से एकजुट होकर लुधियाना की ओर कूच करेंगे।

आंदोलन के संयोजक मनिन्द्र सिंह मान ने कहा पंजाब सरकार ने जहरीले पानी के उपचार के लिए करोड़ों रूपये की लागत से एसटीपी संयंत्र लगाए है लेकिन इसका कोई असर नहीं हुआ है। ऐसे ज़हरीले पानी को किसी भी तरह से ट्रीट नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा हमारी मांग स्पष्ट है कि सतलुज में बुड्ढा नाला से प्रवाहित प्रदूषित जल को ट्रीट करके भी नहीं डाला जाना चाहिए। वहीं उन औद्योगिक इकाईयों को बंद करना चाहिए जो सतलुज नदी को प्रदूषित कर रही है।

रविन्द्र तरखान ने कहा कि आजादी के 78 साल बाद भी पंजाब और राजस्थान के करीब 3 करोड़ लोगों पीने का शुद्ध पानी मुहैया कराने में सरकारों की नाकामी रही है व नदियों को प्रदूषित होता देख रही है। उन्होंने कहा सतलुज पर आश्रित पूरा क्षेत्र कैंसर, काला पीलिया और असाध्य रोगों व केन्द्र बन रहा है। इस मौके पर किसान नेता गुरचरण सिंह मौड़, राकेश शर्मा, नगर पालिका चेयरमैन चमकौर सिंह रामगढिया, मेघराज खत्री, मजदूर नेता कश्मीरी लाल, हंसराज गोदारा, व्यापारी राम बजाज व नगर पालिका के कुछ पार्षद भी बैठक में शामिल थे।

सिन्धु दर्शन यात्रा के लिए मिलेगी 15 हजार रूपए की आर्थिक सहायता

सिन्धी समाज के लिए राज्य सरकार का तोहफा

अजमेर, (कासं)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के आठाह पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने सिन्धी समाज को बड़ा तोहफा दिया है। राज्य सरकार ने सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली लेह-लद्दाख सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों को 15 हजार रूपए प्रति व्यक्ति आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सिन्धु दर्शन यात्रा में चार दिन तक लेह-लद्दाख में धार्मिक व सांस्कृतिक आयोजन होते हैं तथा यह यात्रा 18 जून से शुरू होकर 30 जून को समाप्त होती है।

सिन्धी समाज के तीर्थयात्री हर साल 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में सिन्धु दर्शन यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा 18 जून से जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है तथा 30 जून को इसका अधिकारिक समापन होता है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पिछले दिनों मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा को ज्ञापन देकर आठाह किया था कि सिन्धु दर्शन तीर्थ यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों को भी अन्य तीर्थ यात्राओं की तरह आर्थिक सहायता दी जाए। इस पर निर्णय करते हुए राज्य सरकार ने तीर्थ यात्रियों के लिए 15 हजार रूपए प्रति यात्री की आर्थिक सहायता की घोषणा की है।

गौरतलब है कि वर्ष 1997 में भारत रत्न एवं पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी ने सिन्धु दर्शन यात्रा की शुरूआत की थी। प्रतिवर्ष यह यात्रा 23 से 26 जून तक लेह-लद्दाख में आयोजित की जाती है। इसमें बड़ी संख्या में सिंधी धर्मावलम्बी भाग लेते हैं। वेद, शास्त्र एवं धार्मिक मान्यताओं में सिन्धु नदी का बड़ा महत्व है। लगभग सभी ठान्थों में सिन्धु नदी का उल्लेख मिलता है। इसके साथ ही भारतीय राष्ट्रगान में भी सिन्धु नदी का उल्लेख है। सिन्धी समाज में भी ईष्ट देव श्री झूलेलाल जी के अवतार का जल से संबंध है।से में यह यात्रा सिन्धी धर्मावलम्बियों के लिए बड़ी पवित्र मानी जाती है। प्रतिवर्ष देश के लगभग 25 राज्यों से सिन्धी धर्मावलम्बी इस पवित्र यात्रा पर जाते हैं। यह यात्रा जम्मू एवं कुरूक्षेत्र से प्रारम्भ होती है एवं लगभग 12 दिन चलती है। यात्रा में लेह-लद्दाख में विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन होते हैं।

- विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया था मुख्यमंत्री से आग्रह
- सिन्धी समाज की सबसे बड़ी और पवित्र यात्रा मानी जाती है सिन्धु दर्शन यात्रा
- लेह-लद्दाख में चार दिन होते हैं आयोजन, 12 दिन चलती है यात्रा

नाथद्वारा में भारत का पहला क्रिकेट स्टेडियम होटल खुलेगा

उदयपुर, (कासं)। भारत का पहला शानदार क्रिकेट स्टेडियम होटल (एमपीएमएससी) राजस्थान के पवित्र शहर नाथद्वारा में 2025 में खुलने जा रहा है। मिराज ग्रुप की तरफ से बनाये जानेवाला यह होटल रेडिसन होटल समूह द्वारा संचालित किया जाएगा। यह भारत का सबसे बडा क्रिकेट स्टेडियम होटल है, जिसमें शानदार आवास के साथ लाइव क्रिकेट देखने की सुविधा है। इसमें 234 आलीशान कमरे होंगे। उनमें से 75 प्रतिशत कमरों में से क्रिकेट मैदान का अनोखा नजारा दिखेगा। यहां ठहरने वाले मेहमान अपने कमरे में बैठकर आराम से क्रिकेट का आनंद ले सकते हैं। यह होटल विलासिता और डिजाइन का सही मिश्रण है। आतिथ्य सत्कार और क्रिकेट के प्रति जुनून, दोनों मामले में यह एक नया मानक स्थापित करता है। इस खेल परिसर में रहकर मदन पालीवाल की दूरदर्शिता और रेडिसन के उत्कृष्ट आतिथ्य का अनुभव लेने के लिए तैयार हो जाइए।

देवमाली में रोप वे बनने की आस जगी, श्रद्धालुओं को राहत

मसूदा, (निसं)। उपखण्ड क्षेत्र के बेस्ट टूरिज्म विलेज देवमाली में रोप वे बनने की आस जगी है। देवमाली में राज्य की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के आगमन पर क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने देवमाली में रोप वे निर्माण करवाने की मांग की थी जिससे देवधाम देवमाली में आने वाले श्रद्धालुओ को सुविधा मिल सके।

- देवमाली में राज्य की उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी के आगमन पर क्षेत्रीय विधायक वीरेंद्र सिंह कानावत ने देवमाली में रोप वे निर्माण करवाने की मांग की थी

इस देते जिलाधीश ब्यावर के निर्देश पर उपखण्ड अधिकारी ने विकास अधिकारी, पंचायत समिति मसूदा को पत्र प्रेषित कर ठााम देवमाली में भगवान श्री देवनारायण मन्दिर में पहुँच मार्ग हेतु रोप-वे निर्माण कराया जाने हेतु सरपंच, ठााम पंचायत देवमाली से समन्वय स्थापित करते हुए स्थल चिह्नित कर, ठााम पंचायत अनापत्ति प्रमाण सहित रिपोर्ट अतिशीघ्र भिजवाये जाने के निर्देश जारी किए जाने पर विकास अधिकारी संदेश पाराशर ने देवमाली सरपंच एवम ठााम विकास अधिकारी को भेज कर ठााम देवमाली में भगवान श्री देवनारायण मन्दिर में पहुंच मार्ग हेतु रोप-वे निर्माण कराया जाना हेतु पंचायत समिति 'मसूदा तकनिकी अधिकारी से समन्वय स्थापित करते हुए स्थल निरीक्षण चिन्हित कर ठााम पंचायत अनापत्ति प्रमाण पत्र सहित रिपोर्ट कार्यालय को भिजवाये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिलाधीश के देवमाली में रोप वे के लिए स्थान के चिन्हीकरण के बाद देवमाली में रोप वे बनने की आस जगी है।

सोने की चेन लूट का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। महावीर नगर पुलिस ने कार्यवाही करते हुये महिला के गले से सोने की चेन लूटने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। महावीर नगर थानाधिकारी महेन्द्र कुमार मारू ने बताया कि 26 अक्टूबर को फरियादी टीचर कॉलोनी निवासी अविराज विजय ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि मोटरसाईकिल पर दो युवक आये और कोटिल्य सामुदायिक भवन के समीप मेरी मां के गले से सोने की चेन लूटकर फरार हो गये। थानाधिकारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिये टीम का गठन किया गया था। पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर मामले में कार्यवाही करते हुये तालाब गांव अनंतपुरा निवासी मोहम्मद शहजाद (20) को गिरफ्तार किया।

9वीं से 12वीं की परीक्षा 17 दिसंबर से

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग से जुड़े राजस्थान के सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में क्लास 9 से 12 तक अर्द्धवार्षिक परीक्षा 17 दिसम्बर से शुरू होगी जो 27 दिसम्बर तक चलेगी। राज्य में पहली बार एक साथ हो रहे हाफ ईयरली एग्जाम का टाइम टेबल जारी करते हुए शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि इस बार सर्दी की छुट्टियां 25 दिसम्बर से शुरू नहीं होंगी। सभी स्कूल में प्रैक्टिकल एग्जाम 12 से 16 दिसम्बर के बीच आयोजित किए जायेंगे। अब तक समान परीक्षा जिला स्तर पर होती थी, जिसके लिए जिले के किसी एक स्कूल को जिम्मा सौंपा जाता था। पेपर भी जिला स्तर पर तैयार होते थे और प्रकाशित होते थे। लेकिन अब पूरे राज्य में एक ही पेपर से एग्जाम होगा। ऐसे में पेपर प्रिंटिंग का काम भी एक ही फर्म के माध्यम से किया जायेगा।

माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि प्रश्न पत्रों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्राइवेट स्कूल में पेपर नहीं रखे जायेंगे। ये पेपर सरकारी स्कूल में रहेंगे, जहां से सभी प्राइवेट स्कूल को निर्धारित समय पर प्राप्त करने होंगे। अगर सरकारी स्कूल में भी सुरक्षा पर संदेह है तो संबंधित पुलिस थाने में पेपर रखे जा सकते हैं। हाफ ईयरली एग्जाम के लिए हर स्टूडेंट से 20 रूपए फीस ली जायेगी। इसके अलावा ईयरली एग्जाम के लिए भी फीस साथ में ली जा सकेगी। संयुक्त निदेशक ये फीस पूर्व में गठित समान परीक्षा संचालन समिति के माध्यम से एकत्रित करके पंजीयक शिक्षा विभागीय परीक्षा के खाते में जमा करवायेंगे।

- प्रैक्टिकल एग्जाम 12 से 16 दिसम्बर के बीच आयोजित होंगे

सजा सुनते ही अभियुक्त कोर्ट से भागा

उदयपुर, (कासं)। दुष्कर्म मामले में दोष सिद्ध होने पर सजा सुनाने के बाद अभियुक्त कोर्ट कठघरे से फरार हो गया। पुलिस के अनुसार पीडित भगवत सिंह पुत्र हेरम सिंह राठौड निवासी लखावली सुखेर हॉल रीडर पोस्कों कोर्ट नं. 2 उदयपुर ने आरोपी लक्ष्मण पुत्र मोहनलाल निवासी सिंघटवाड़ा तालाब फला जावरमाइन्स के खिलाफ कोर्ट कठघरे से फरार होने का प्रकरण भुपालपुरा पुलिस थाने में दर्ज करवाया।

- कोर्ट ने 26 नवंबर को सजा सुनाई थी

जिसमें पीड़ित ने बताया कि आरोपी को अपहरण एवं दुष्कर्म मामले में तथा लैगिंग अपराधों बालकों सरंक्षण अधिनियम 2012 में दोष सिद्ध होने पर कोर्ट ने 26 नवंबर को सजा सुनाई थी। इस दौरान आरोपी कोर्ट के कठघरे में खड़ा था। सजा सुनाने के बाद अपने अधिवक्ता पुष्करलाल मैनारिया से लक्ष्मण बातचीत कर रहा था कि अचानक वह कठघरे से दौड़ कर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

झुंझुनूं में फर्जी पोस्टमार्टम के बाद अब फर्जी एफआईआर

बाल कल्याण समिति ने करवा दिया पोक्सो का फर्जी मुकदमा, नाबालिग ने किया खुलासा

झुंझुनूं, (निसं)। चूरू के महिला पुलिस थाने में पिछले महीने एक नाबालिग द्वारा झुंझुनूं के एक पत्रकार, एक बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारी, एनजीओ संचालक समेत छह जनों के खिलाफ दर्ज करवाई गई एफआईआर को लेकर नया बवाल खड़ा हो गया है।

दरअसल सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट ने इस कथित झुंझुनूं निवासी पोक्सो पीड़िता को मां को सुपुर्द किए जाने के आदेश दिए थे। जिसके बाद पीडिता ने अपनी आप बीती बताते हुए कहा था कि उससे बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक सदस्य शर्मिला पूनियां खाली कागजों पर साइन करवाकर ले गई और उसने किसी प्रकार का कोई भी मुकदमा दर्ज नहीं करवाया। इससे पहले कथित पोक्सो पीड़िता की मां करीब डेढ़ महीने तक बाल कल्याण समिति और अधिकारियों के चक्कर लगाती रही। वह लगातार अपनी बेटी की सुपुर्दगी के लिए गुहार लगाती रही। लेकिन बाल कल्याण समिति ने मां को उसकी बेटी सुपुर्द नहीं की। जिसके बाद हाईकोर्ट की डबल बैंच ने मां को तत्काल बेटी को मां को सुपुर्द करने के आदेश दिए। हाईकोर्ट में युवा अधिवक्ता नितिन चौमाल व अधिवक्ता कविश दुबे ने पैरवी की। इधर, मामले बिगडा तो बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक सदस्य शर्मिला पूनियां ने एफआईआर दर्ज करवाने के मामले में अपना पल्ला झाडते हुए कहा कि उन्होंने कोई एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। एसपी ने एफआईआर दर्ज करवाई है।

आधार कार्ड में उलझी समिति, एसआईआर रिपोर्ट पर कुछ नहीं किया :- इस मामले में बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की भूमिका इसलिए भी संदिग्ध हो जाती है कि बाल कल्याण समिति की अध्यक्ष कमला व सदस्य सभी एक ही बात दोहरा रहे है कि नाबालिग की मां आधार कार्ड या फिर अपनी पहचान का कोई दस्तावेज नहीं पेश कर रही थी। जबकि स्वयं समिति ने विभागीय अधिकारियों से एसआईआर रिपोर्ट तैयार करवाई। जिसमें ना केवल मां के, बल्कि पडौसियों तक से बातचीत कर रिपोर्ट तैयार की गई। जो सकारात्मक थी। बावजूद इसके बाल कल्याण समिति ने नाबालिग का संरक्षण

- फंसे तो बोले- हमने नहीं एसपी ने करवाया

उसकी मां को नहीं दिया।

चूरू एसपी और झुंझुनूं कलेक्टर को लेकर कही बात :- बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक सदस्य शर्मिला पूनियां ने राजस्थान पत्रिका से बातचीत में कहा कि उन्होंने कोई एफआईआर दर्ज नहीं करवाई। एसपी चूरू के द्वारा महिला थाने में एफआईआर दर्ज करवाई गई है। इधर, नाबालिग की मां के प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए एक आदेश में बाल कल्याण समिति ने लिखा है कि चूरू एसपी ने झुंझुनूं कलेक्टर के आदेश पर एफआईआर दर्ज करवाई है। इस सवाल पर शर्मिला पूनियां ने कहा कि कलेक्टर झूठ भी बोल सकते है। हमारे पास कलेक्टर के आदेश है।

पिछले साल भी करवाई थी एफआईआर :- बाल कल्याण समिति झुंझुनूं का कार्यभार संभालने से पहले बाल कल्याण समिति चूरू ने ऐसी की ऐसी एक एफआईआर जुलाई 2023 में भी इन्हीं कथित आरोपियों के खिलाफ करवाई थी। जो पुलिस जांच में झूठी मिली थी। बावजूद इसके अब झुंझुनूं का कार्यभार संभालने के दो दिन में ही इन्हीं अध्यक्ष व सदस्यों ने एक और एफआईआर दर्ज करवा दी। जिसे लेकर अब परिवादी नाबालिगा ने ही सवाल खडे कर दिए है। इस मामले को लेकर जब बाल कल्याण समिति झुंझुनूं की कार्यवाहक अध्यक्ष कमला देवी से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि हमने जो भी किया है। वो नियमों के अनुसार। कानून के हिसाब से सही किया है सारा काम। बच्ची के हित में ही किया है। वो हमारी बच्ची थी। जो किया है नो वो बच्ची के हित में किया है। यह कहते हुए फोन काट दिया। इसके बाद हमारे संवाददाता द्वारा बार-बार कमला देवी को कॉल किया गया। लेकिन उन्होंने फोन रिसिव नहीं किया।

सदस्य हरफूल ने विभाग की एसआईआर पर उठाए सवाल :- इस मामले में बाल कल्याण समिति झुंझुनूं के सदस्य हरफूल सिंह ने बाल अधिकारिता विभाग की एसआईआर रिपोर्ट पर ही सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हमने जो कार्रवाई की। वो हमारे दिमाग से नियमानुसार किया है। ना तो हमारा मकसद था कि बच्ची को परेशान करें। उन्होंने कहा कि जब नाबालिग की मां आई थी। तो उसके पास ना तो आधार कार्ड था और ना ही राशन कार्ड। जब उनसे मांगा तो उन्होंने कहा कि कुछ नहीं है हमारे पास। बच्ची ने अब क्या कहा है। उस पर मैं नहीं जाना चाहता।

बातचीत में हरफूल सिंह ने बाल अधिकारिता विभाग के अधिकारियों द्वारा तैयार की गई एसआईआर रिपोर्ट पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि रिपोर्ट में ना तो आधार कार्ड आया और ना ही राशन कार्ड। लगातार सवालों से फंसते हुए मनीराम ने अंत में यही कहा कि मैं फाइल देखकर ही बताउंगा। इससे ज्यादा कुछ नहीं बता सकता। धन्यवाद। रामावतार मीणा, कलेक्टर, झुंझुनूं ने बताया कि मेरे पास एक पत्र आया था। जो मैंने उसी वक्त वापिस लौटा दिया था। ना ही मैंने कोई आदेश दिए थे और ना ही निर्देश। बाल कल्याण समिति झुंझुनूं ने अपने आदेश में ऐसा लिखा है। इसकी मुझे कोई जानकारी नहीं है। इसकी जांच करवाएंगे।

यह चौंकाने वाला नहीं है क्योंकि ट्रायल का यह मामला पिछले एक साल से चल रहा है। मैंने पहले भी कहा है कि मैंने नाडा को नमूना देने से इनकार नहीं किया है। - **बजरंग पूनिया**

भारतीय पहलवान, नाडा द्वारा निलंबित किये जाने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कहा कि उनका ध्यान एक समय में एक बाजी पर केंद्रित है और उन्हें उम्मीद है कि वह शतरंज विश्व चैम्पियनशिप में जल्द ही मजबूत वापसी करेंगे। चेन्नई के इस 18 साल के खिलाड़ी का लक्ष्य डिंग लिरेन को पछाड़कर शतरंज में सबसे कम उम्र का विश्व चैंपियन बनना है। गुकेश ने यहां काले मोहरों से खेलते हुए चीन के खिलाड़ी खिलाफ दूसरी बाजी ड्रा कराकर वापसी की। इससे पहले सोमवार को लिरेन ने सफेद मोहरों से खेल रहे भारतीय खिलाड़ी की गलती का फायदा उठाकर शुरुआती मुकाबले को अपने नाम किया था।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट के इतिहास का पहला टेस्ट इंग्लैंड व ऑस्ट्रेलिया के मध्य 1877 में मेलबोर्न में खेला गया। इसे ऑस्ट्रेलिया ने 45 रन से जीता।

राजस्थान राज्य सीनियर आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक प्रतियोगिता में जोधपुर का महिला व पुरुष वर्ग में वर्चस्व

जयपुर, 27 नवम्बर। राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक संघ के तत्वाधान में बड़ी स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर 3 दिवसीय चल रही सीनियर स्टेट आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप का समापन समारोह

बुधवार को हुआ, समापन समारोह उदयपुर जिला जिम्नास्टिक संघ के अध्यक्ष हिम्मत सिंह चौहान साहब में बताया कि समारोह में मुख्य अतिथि प्रशांत अग्रवाल (नारायण सेवा संस्थान अध्यक्ष) व मुख्य अतिथि नितुल चंडालिया व अतुल चंडालिया, दिलीप सिंह चौहान (तैराकी अंतर्राष्ट्रीय कोच), राजेंद्र नलवाया, चैन सिंह राठौड़ (राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक संघ अध्यक्ष), परमेश्वर (राजस्थान राज्य जिम्नास्टिक संघ के सचिव) व पूर्व महासचिव कान सिंह राठौड़ थे। जिला जिम्नास्टिक संघ जोधपुर के सचिव डॉ शक्ति सिंह रावलोत ने बताया कि इस प्रतियोगिता की अध्यक्षता प्रशांत अग्रवाल ने की व खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। व इस प्रतियोगिता का परिणाम की टीम चैंपियनशिप महिला वर्ग में जोधपुर, नागौर, अजमेर क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे। एवं पुरुष वर्ग में जोधपुर, भीलवाड़ा, उदयपुर क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे।तथा व्यक्तिगत स्पर्धा में दिशा (जोधपुर) ईशा (जोधपुर) दीपा (जोधपुर) क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय रहे।

पिंक स्टार डॉक्टर्स बैडमिंटन लीग सीजन-6

रावत आई हॉस्पिटल एवं जयपुर न्यूक्लियर इमेजिंग क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 27 नवंबर। लीग आयोजन सचिव डॉ हनुमान खोजा ने बताया कि आज खेले गए टीम इवेंट मुकाबलों में बॉयज कैटेगरी में लिपि लेजेंड्स ने आइकॉन हॉस्पिटल को 4-1 से हराया। आँच हॉस्पिटल ने खंडेलवाल हार्ट इंस्टीट्यूट पर 3-2 से विजय प्राप्त की। केडिया होटशॉट्स ने जयपुर यूरोलॉजी पर 4-1 से विजय प्राप्त की। दूसरी टाई में केडिया हॉस्पिटल शर्मा डायग्नोस्टिक से 2-0 से आगे है और 3 मैच अभी बाकी हैं। शॉल्डर एंड नी सर्जरी शर्मा डायग्नोस्टिक से 2-1 से आगे है और 2 मैच बाकी हैं। लीग कॉर्डिनेटर डॉ सुधांशु शर्मा ने बताया कि वरिष्ठ वर्ग में निया डायग्नोस्टिक ने एच् सी जी हिटर्स को 4-3 से हराया और कैंसर केअर पर 3-2 से जीत हासिल की पर क्वार्टर फाइनल में जगह नहीं बना पाई। लीग कॉर्डिनेटर डॉ दिलीप गुप्ता ने बताया कि कैंसर केअर क्रशरस ने कदम टेक को 5-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पिंक विनायक हॉस्पिटल ने डॉ जैन प्रूडेंट पर 4-0 से बढ़त हासिल की और एक मैच अभी बाकी है। नारायणा हॉस्पिटल ने जैन प्रूडेंट पर 2-0 से बढ़त बनाई और 2 मैच अभी बाकी हैं। यूरो शूटर्स ने मेडिस्पा रॉयल्स को 4-3 से हराया।

एसजे क्रिकेट एकेडमी की आसान जीत

जयपुर, 27 नवंबर। बनीपार्क क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 51वीं राज्य स्तरीय शर्मा-माथुर क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी ग्राउण्ड जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में मोहित गुप्ता 22 रन पर 5 विकेट, शुभम खण्डेलवाल 9 रन पर 3 विकेट तथा दिनेश मीणा 12 रन पर 2 विकेट की घातक गेंदबाजी की बदौलत एस जे पब्लिक स्कूल क्रिकेट एकेडमी ने व राईजिंग क्रिकेट क्लब को 5 विकेट से हराकर अगले राउण्ड में प्रवेश किया।

बुमराह फिर से बने टेस्ट के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

दुबई 27 नवंबर। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आठ विकेट लेकर शानदार प्रदर्शन करने वाले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह 883 रेटिंग के साथ फिर से टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गये है। इस मैच से पहले बुमराह टेस्ट रैंकिंग में तीसरे स्थान पर थे उन्हें दो स्थानों का फायदा हुआ है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के कगिसो रबाडा को एक स्थान पीछे धकेल कर शीर्ष स्थान हासिल किया है। नंबर दो पर चल रहे ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड अब नंबर तीन स्थान पर आ गये हैं।

इससे पहले बुमराह इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज के दौरान पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे। अक्तूबर में बंगलादेश के खिलाफ सीरीज के दौरान उन्होंने फिर से यह स्थान को हासिल किया, हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपेक्षाकृत प्रदर्शन नहीं होने के कारण वह तीसरे स्थान पर चले गए थे। पर्थ टेस्ट में ही पांच विकेट लेने वाले भारत के मोहम्मद सिराज को भी तीन स्थान का फायदा हुआ है और वह टेस्ट रैंकिंग में 25वें स्थान आ गये हैं। शीर्ष 10 में बुमराह के अलावा भारत के दो और गेंदबाज आर अश्विन (चौथा स्थान) और रवींद्र जाडेजा (सातवां स्थान) भी शामिल हैं।

वहीं बल्लेबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के जो रूट अभी भी शीर्ष पर बने हुए हैं। वहीं भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल पर्थ टेस्ट में शानदार शतक लगाकर दूसरे स्थान पर बने हुये है। दूसरी पारी में 161 रन बनाने वाले जयसवाल के अब करियर बेस्ट 825 रेटिंग अंक हो गए हैं और वह रूट से अब केवल 78 रेटिंग अंक पीछे है।

पर्थ टेस्ट में 30वां शतक लगाने वाले विराट कोहली को भी फायदा हुआ है और वह नौ स्थान ऊपर चढ़कर 13वें स्थान पर आ गए हैं। ट्रैविस हेड ने 89 रन बनाकर शीर्ष 10 में वापसी की है और वह 10वें स्थान पर हैं। पर्थ टेस्ट से बाहर रहने वाले रवींद्र जडेजा और आर अश्विन अभी भी टेस्ट के शीर्ष दो ऑलराउंडर बने हुए हैं।

आईपीएल फाउंडर ललित मोदी ने किए बड़े खुलासे

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन. श्रीनिवासन पर फिर लगाए फिक्सिंग के आरोप

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। आईपीएल के फाउंडर ललित मोदी एक बार फिर से चर्चा में हैं। उन्होंने आईपीएल फ्रैंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन पर फिक्सिंग के संगीन आरोप लगाए हैं। श्रीनिवासन बीसीसीआई के पूर्व चेयरमैन भी रह चुके हैं और उनके ललित मोदी के साथ मतभेद जग जाहिर हैं। अब एक पॉडकास्ट पर चर्चा करते हुए ललित मोदी ने सीएसके के मालिक पर अंपायर फिक्सिंग के आरोप लगाए हैं।

इस वायरल पॉडकास्ट पर ललित मोदी ने बताया कि एन श्रीनिवासन चेन्नई सुपर किंग्स के मैचों में अंपायरों की अदला-बदली किया करते थे। उन्होंने कहा कि, उन्होंने अंपायरों को बदलने का काम भई किया वो चेन्नई के मैचों में सीएसके के अंपायरों को काम दिया करते थे। ये मुझे अच्छा नहीं लगता था क्योंकि वो खुलेआम फिक्सिंग कर रहे थे।

मैंने जब उनके खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश की तो वो मेरे खिलाफ चले गए। ललित मोदी ने एंड्रयू फ्लिंटॉफ पर हुई विवाद पर भी बड़ा बयान दिया है। दरअसल, चेन्नई के मालिक एन श्रीनिवासन पर आरोप लगाए जाते हैं कि उन्होंने आईपीएल 2009 के ऑक्शन में एंड्रयू फ्लिंटॉफ को खरीदने के लिए नीलामी को फिक्स कर दिया था।

ललित ने फिर से उस विषय को उछालते हुए बताया कि श्रीनिवासन की जिद थी कि वो फ्लिंटॉफ को खरीदना चाहते थे और हर एक फ्रेंचाइजी को उनके द्वारा की गई फिक्सिंग के बारे में जानकारी थी। ललित मोदी ने आगे कहा कि हां हमने ऑक्शन में फिक्सिंग की थी। हर एक फ्रेंचाइजी को इसकी जानकारी थी। हमने सबसे पहले कहा था कि फ्लिंटॉफ पर बोली ना लगाएं क्योंकि श्रीनिवासन उन्हें अपनी टीम में शामिल करना चाहते थे वो राह में कांटा बनना चाह रहे थे क्योंकि उनका मानना था कि आईपीएल का प्रयोग सफल नहीं होगा।

वर्षा बाधित टेस्ट में श्रीलंका ने द. अफ्रीका के 4 विकेट लेकर मैच पर बनाई पकड़

डरबन, 27 नवंबर। वर्षा बाधित पहले टेस्ट मैच में बुधवार को श्रीलंकाई गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 80 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका चार बल्लेबाजों को पवेलियन भेज कर मैच पर अपना पकड़ बना ली हैं। आज यहां श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 14 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये।

प्रो. कबड्डी लीग सीजन-11 के प्लेऑफ और फाइनल होंगे पुणे में

पुणे, 27 नवंबर। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने कहा है कि प्रो कबड्डी लीग सीजन-11 के प्लेऑफ और फाइनल मुकाबले 26 दिसंबर से 29 दिसंबर तक पुणे के बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले जायेंगे। लीग चरण में शीर्ष दो टीमें सीधे सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जबकि तीसरे, चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमें 26 दिसंबर को एलिमिनेटर चरण में आमने-सामने होंगी। तीसरे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर-1 में छठे स्थान पर रहने वाली टीम से भिड़ेगी और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम एलिमिनेटर-2 में पांचवें स्थान पर रहने वाली टीम से मुकाबला करेगी।

जयपुर में शॉटगन इंडिया ओपन प्रतियोगिता शुरू

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए क्वालीफाई करने का अवसर

जयपुर, 27 जनवरी। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इंडिया ओपन शॉटगन प्रतियोगिता 27 नवंबर को जयपुर में शुरू हुई और 2 दिसंबर 2024 तक चलेगी। यह प्रतिष्ठित आयोजन राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेने के इच्छुक एथलीटों के लिए एक महत्वपूर्ण क्वालीफायर के रूप में काम करेगा, जिसमें देश भर के 329 निशानेबाज हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों की दो श्रेणियां हैं: राष्ट्रीय नियम (एनआर) श्रेणी उन एथलीटों के लिए है जिन्होंने अभी तक राष्ट्रीय स्तर के लिए क्वालीफाई नहीं किया है, और अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) श्रेणी उन लोगों के लिए है जिन्होंने पहले ही राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में अपना स्थान बना लिया है। यह श्रेणी अत्यधिक प्रतिस्पर्धी माहौल सुनिश्चित करती है, जो उभरती प्रतिभाओं को अनुभवी पेशेवरों के साथ अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करती है। 329 प्रतिभागियों में से 221 ने एनआर श्रेणी में पंजीकरण कराया है, जबकि शेष 108 आईएसएसएफ श्रेणी में हैं। भाग लेने वाले उल्लेखनीय एथलीटों में पूर्व ओलंपियन किनान चेनाई के साथ-साथ प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज भवानीश मेंदीरत्ता, जोरावर सिंह संधू, मनीषा कीर, दर्शना राठौर, आशिमा अहलावत, प्रीति रजक, कार्तिकी सिंह शेखावत और राजकुंवर इंगले शामिल हैं।इन

पाक में हिंसा के कारण श्रीलंकाई टीम ने बीच में छोड़ा दौरा

चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पर उठे सवाल

नई दिल्ली, 27 नवम्बर। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में लगातार हिंसा बढ़ने से श्रीलंका की ए टीम ने अपना पाकिस्तान का दौरान बीच में छोड़ दिया और अपने वतन लौट गई है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवाल को पुष्टि की है कि श्रीलंका क्रिकेट के साथ सलाह मशविरे के बाद उसने पाकिस्तान शाहीन और श्रीलंका ए के बीच होने वाले आखिरी दो 50 ओवर के मैच को स्थगित कर दिया है।

वहीं अब आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। पीसीबी भले ही चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी को लेकर आश्वस्त नजर आ रहा है लेकिन उम्मीद बेहद कम है। भारत ने अपनी टीम को पाकिस्तान भेजने से इनकार कर दिया है। वहीं पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल के लिए भी तैयार नहीं है। पाकिस्तान के मौजूदा हालात भी इस ओर इशारा कर रहे हैं कि इस देश से चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी छिन सकती है। ये पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में हिंसा हो रही है, बल्कि कुछ दिन पहले महिलाओं की राष्ट्रीय चैंपियनशिप रद्द हो गई थी। टीम होटल में आग लगने के कारण ये पैसला किया गया था।

राजस्थान ने सिक्किम को 207 रनों से हराया

धृति माथुर की शतकीय पारीव सरिता का नाबाद अर्द्धशतक

जयपुर, 27 जनवरी। पुणे में खेली जा रही बीसीसीआई द्वारा आयोजित राष्ट्रिय अंडर 15 एक दिवसीय ट्रॉफी के मैच में राजस्थान ने सिक्किम को 207 रनो के विशाल अंतसे हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान की सलामी बल्लेबाज धृति माथुर की शानदार शतकीय पारी व सरिता के अर्धशतक की सहायता से राजस्थान ने3 विकेट के नुकसान पर 250 रनोका स्कोर बनाया। टीम के लिए धृति माथुर नाबाद 68 गेंदों पर 101 रनो की पारी खेली जिसमे 17चोक्के शामिल हैं व सरिता ने 71 गेंदों पर 73 रनो की पारी खेली जिसमे 11 चोक्के शामिलहैं। टीम की दीक्षा चौधरी नाबाद 23 व गौरवीखंगारोत23 रनो का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए सिक्किम टीम राजस्थान की गेंदबाज के सामने मात्र 43 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी।

महिला वर्ग ने अपने प्रारंभिक मुकाबले जीतकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया

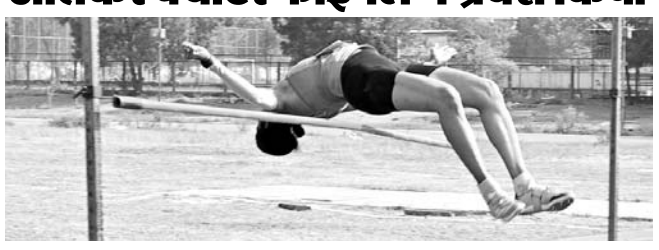

जयपुर, 27 नवम्बर। भारतीय जीवन बीमा निगम की खेल कूद प्रतियोगिता मे आज विभिन्न स्पर्धाओं के प्रारम्भिक मुकाबले शुरू हुए। शतंरज मे पांच चक्र की समाप्ति के बाद पुरूष वर्ग मे ठौड मास्टर श्रीराम झा, नार्थ सेंट्रल जोन के इन्टरनेशनल मास्टर दिनेश शर्मा, गजेन्द्र सिह और ब्रजेश कुमार अग्रवाल संयुक्त रूप से बढत बनाये हुए है। चारो ने चार अंक अर्जित किये। महिला वर्ग मे स्वाति धाटे, किरण मोहन्ती 4.5 अंक के साथ बढत बनाये हुए है। पुरुष वर्ग मे नार्थ सैट्रल जोन के ब्रजेश कुमार ने ग्रांड मास्टर श्रीराम झा को व गजेन्द्र सिह ने इन्टरनेशनल मास्टर दिनेश कुमार शर्मा को बराबरी पर रोक कर प्रतियोगिता का पहला उल्ट फेर दर्ज किया।

एथलेटिक्स के मुकाबलो मे ट्रीपल जम्प पुरूष वर्ग मे धीरज व शोबिन प्रथम व द्वितीय रहे वही महिला वर्ग मे जोयलिन लोबो व हर्षिनी कुमार प्रथम द्वितीय रही।गोला फैक मे नार्थ सैन्ट्रल जोन के अमित कुमार ने 13.12 मीटर व चन्द्र भूषण ने 12.95 मीटर फैक कर प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। महिला वर्ग गोला फैक मे वासुमति ने 11.86 मीटर व अनन्य गुप्ता के 11.08 मीटर फैक कर खिताब अपने नाम किया। 800 मीटर दौड पुरुष वर्ग मे प्रमोद सिह पाटनी प्रथम रहे वही महिला वर्ग मे अनुमारिया जोश आशा रानी पांडा क्रमश प्रथम व द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 200 मीटर पुरूष वर्ग मे धर्मवीर व दत्ता जोश प्रथम व द्वितीय रहे वही महिला वर्ग मे नीतू व प्रेरणा प्रथम व द्वितीय रही। दस हजार मीटर मे कालीदास हिरवे प्रथम व संदीप कुमार द्वितीय रहे।

टेबिल टेनिस प्रतियोगिता मे प्रथम वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ियों ने अपने अपने द्वितीय चरण के मुकाबले जीत कर अगले चरण मे प्रवेश किया। जीतने वाली महिला खिलाडी प्राजक्ता रिपाले, चंद्राणी डे और रिपुदम, सुषमा मोगरे, रिचा पटवर्धन, मुरम ई मात्रे, आर गीत और मेघा परांजपे रही वही पुरुष वर्ग मे शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी जनमे सौगातो सरकार, रवि जोशी, आर राजेश, पराग अग्रवाल, विनय बेसवाडे, जबरजीत सिह, रोहित चक्रवर्ती ने अगले चरण मे प्रवेश किया। बैडमिन्टन पुरुष वर्ग मे सिद्धार्थ जाखड, किरण मकोडे, जयसन जेवियन, नागा विनायक, प्रेम सिह अतुल पाठक, के किशोर कुमार और अनिल श्रीवास्तव ने अपने प्रतिद्वंद्वीयो को हराकर क्वार्टर फाइनल मे जगह बनाई वही महिला वर्ग मे लीला धापरे, दीक्षा झालके कदम, के श्रीदेवी, अंजू, वर्दा दीक्षित व श्रद्धा श्रीवास्तव ने भी अपने अपने प्रारम्भिक मुकाबले जीत कर क्वार्टर फाइनल मे प्रवेश कर चुकी।

मेरा निलंबन भाजपा सरकार की राजनीतिक साजिश : पूनिया

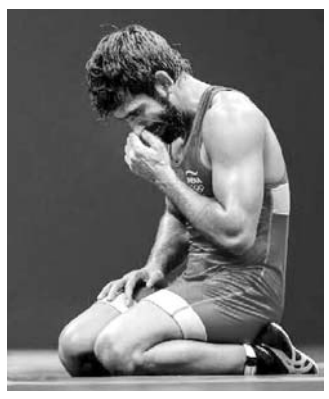

नई दिल्ली, 27 नवंबर। पहलवान बजरंग पूनिया ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी द्वारा उन पर लगाए गए चार साल के प्रतिबंध की कड़ी निंदा करते हुए इसे भारतीय जनता पार्टी सरकार की राजनीतिक साजिश और व्यक्तिगत प्रतिशोध करार दिया है।

बुधवार को दिये गये एक बयान में पूनिया ने दावा किया कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई महिला पहलवानों के आंदोलन का समर्थन करने में उनकी मुखर भूमिका का प्रतिशोध है।टोक्यों ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाले पूनिया ने सोशल मीडिया मंच पर भाजपा सरकार और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) पर उनके करियर को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया।

उन्होंने लिखा, यह चार साल का प्रतिबंध मेरे खिलाफ व्यक्तिगत दुश्मनी और राजनीतिक साजिश का नतीजा है। उन्होंने कहा, यह महिला पहलवानों के समर्थन में हमारे द्वारा चलाए गए आंदोलन का सीधा नतीजा है, जिसमें हमने उनके साथ हुए अन्याय और शोषण के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा, जब नाडा की टीम मेरे पास परीक्षण के लिए आई, तो उनके पास जो डोप किट थी।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राजस्थान ने हैदराबाद को हराया

कार्तिक शर्मा की शानदार आतिशी अर्द्धशतकीय पारी

जयपुर, 27 नवंबर। राजस्थान के युवा प्रतिभावान बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के शानदार अर्धशतकीय पारी की सहायता से राजस्थान ने आज राजकोट में बीसीसीआई की सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी के खेले गए मैच में हैदराबाद को 24 रनो से हराया।

राजस्थान पारी 287 / 8 (20 ओवर) टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान टीम ने कार्तिक शर्मा के अर्धशतक व दीपक हुड्डा, जुबेर अली की बढ़िया बल्लेबाजी की सहायता से निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 287 रनो का स्कोर बनाया।

कार्तिक शर्मा ने दीपक हुड्डा के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों पर 97 रनो की साझेदरी करते हुए टीम को मजबूत स्तिथि में पहुँचाया। कार्तिक शर्मा ने 27 गेंदों पर 5 छक्के व 4 चौक्कोंकी सहायता से 214.81 की स्ट्राइक रेट के साथ 58 रनो की आतिशी अर्धशतकीयपारी खेली।

टीम के लिए कार्तिक शर्मा 58, दीपक हुड्डा 46, जुबैर खान 31, अभिजीत तोमर 18 व दीपक चाहर 14 रनो का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए हैदराबाद टीम राजस्थान के गेंदबाजों की सधी हुई गेंदबाजी के सामने निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 163 रन ही बना सकी। राजस्थान के गेंदबाज मानव सुथार 10 / 2, अनिकेत चौधरी 23 / 2, दीपक हुड्डा 25 / 1, दीपक चाहर 35 / 1 व कमलेश नागरकोठी 45 / 1 विकेट प्राप्त करते हुए टीम को 24 रनो से शानदार जीत दिलाई।

स्कूल नेशनल वुशू प्रतियोगिता में राजस्थान वुशू टीम ने जीते 2 स्वर्ण समेत 10 पदक

जयपुर, 27 नवंबर। स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में 21 से 26 नवम्बर 2024 तक जम्मू में आयोजित हुई 68वी राष्ट्रीय विद्यालयी वुशू (बालक/बालिका 17 वर्ष आयु वर्ग) प्रतियोगिता में राजस्थान स्कूल वुशू टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुये 2 स्वर्ण, 4 रजत तथा 4 कांस्य पदक कुल 10 पदक प्राप्त कर राजस्थान प्रदेश का नाम रोशन किया। हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ के अनुसार राष्ट्रीय विद्यालयी वूशु प्रतियोगिता के पदक विजेता खिलाडियों का विवरण निम्न प्रकार है:-

स्वर्ण पदक - आशु 48, कुसुम सुथार 48, रजत पदक - रुद्राक्ष 60, सुनील 65, रिया 60, शगुन 65, कांस्य पदक - मानवेंद्र 70, सहदेव सिंह 80, हिमानी 45, संगीता 56, टीम प्रशिक्षक गजेंद्र पुरी गोस्वामी, सोहन राम चौधरी

टीम मैनेजर सुरेश चौधरी, ममता वर्मा तथा टीम के साथ निदेशालय बीकानेर के प्रतिनिधि एवं चीफ डे मिशन विनोद कुमार दल प्रबंधक विशाल कुमार पारीक साथ में थे। खिलाडियों के पदक जीतने पर हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशू संघ व अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, विनोद सिंह शेखावत, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, राजेश कुमार टेलर वुशू कोच व सभी पदाधिकारियों ने बधाई प्रदान की।

बांग्लादेश की महिला टीम ने आयरलैंड को 154 रनों से हराया

ढाका, 27 नवंबर। शर्मिन अख्तर (96) और फरगाना हक (61) की शानदार बल्लेबाजी के बाद सुलताना खातून (तीन विकेट), मारुफा अख्तर और नाहिदा अख्तर (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत बंगलादेश की महिला टीम ने बुधवार को एकदिवसीय मुकाबले में आयरलैंड की महिला टीम को 154 रनों से हरा दिया है। 253 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की शुरुआत खराब रही और उसने 10 के स्कोर पर अपने दो विकेट गवां दिये। उसके बाद ओर्ला प्रेंडरगैस्ट और सारा फोर्ब्स ने पारी को संभालने का प्रयास किया। नाहिदा अख्तर ने ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (19) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। सारा फोर्ब्स (25) रन बनाकर आउट हुई। लौरा डेलानी ने (22) रन बनाये। आयरलैंड टीम के आठ खिलाड़ी दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। बंगलादेश के गेंदबाजों के आगे आयरलैंड की पूरी टीम 28.5 ओवर में 98 रन पर ढेर हो गई।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा से नई दिल्ली में शिष्टाचार भेंट की। राजस्थान में स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास, चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार एवं जन स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तृत चर्चा की तथा मार्गदर्शन लिया। राजस्थान के उपचुनावों में शानदार जीत के बाद मुख्यमंत्री की भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष से यह पहली मुलाकात थी।

लखीमपुर खीरी कांडः आरोपी मिश्रा से गवाहों को धमकाने पर जवाब मांगा

नयी दिल्ली, 27 नवंबर। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में 2021 के हिंसा मामले के आरोपियों में शामिल पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को, गवाहों को धमकाने के आरोप पर चार सप्ताह में अपना जवाब देने का बुधवार को निर्देश दिया।

न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। शिकायतकर्ताओं में से एक का पक्ष रख रहे वकील ने पीठ के समक्ष दलील दी कि उन्होंने मिश्रा द्वारा गवाहों को धमकाने का दावा करते हुए याचिका दायर की थी। इस पर पीठ ने आरोपी आशीष के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे से चार सप्ताह के भीतर हलफनामा दाखिल करने को कहा। दवे ने हालांकि, आरोपों से इन्कार किया और कहा कि यह एक 'अंतहीन प्रक्रिया' है। उन्होंने जोर देकर कहा कि तस्वीरों में उनका मुवक्किल नहीं है।

पीठ पर दवे की इन दलीलों का असर नहीं हुआ। पीठ ने उनसे हलफनामा दाखिल कर अपना रुख स्पष्ट करने को कहा।

दौसा विधायक बैरवा ने कार्यकर्ताओं के साथ पायलट का आभार जताया

राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने कहा, दौसा सीट पर पूरे देश की नज़र थी

दौसा विधानसभा के नवनिर्वाचित विधायक दीनदयाल बैरवा ने अपने परिजनों एवं क्षेत्रवासियों के साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट से उनके घर पर मुलाकात की व आभार प्रकट किया।

जयपुर, 27 नवम्बर। दौसा से नव-निर्वाचित विधायक दीनदयाल बैरवा के नेतृत्व में आज सैकड़ों कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने जयपुर में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट का आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया।

- **नवनिर्वाचित विधायक दीन दयाल बैरवा दौसा से सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं व जिला पदाधिकारियों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सचिन पायलट के सिविल लाइन्स स्थित आवास पर जीत के लिए आभार जताने व धन्यवाद देने आये।**

उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित करते हुए पायलट ने कहा कि इन उपचुनावों पर, खास कर दौसा विधानसभा क्षेत्र पर पूरे देश की नज़र थी। यहां से पार्टी को जो कामयाबी मिली है उसका श्रेय आप सभी को जाता है। उन्होंने कहा कि दौसा के सांसद मुरारीलाल मीणा, जिलाध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्षों, मण्डल अध्यक्षों सहित सभी पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने एकजुटता के साथ कार्य किया। दौसा के प्रत्येक समाज, वर्ग के लोगों ने कांग्रेस पार्टी का साथ देकर इस चुनौती पूर्ण समय में एकजुटता का परिचय दिया और सरकार, प्रशासन के दबाव में नहीं आकर कांग्रेस प्रत्याशी को अपना समर्थन एवं आशीर्वाद दिया, जिसके लिए मैं दौसा की जनता का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

इस अवसर पर नव-निर्वाचित विधायक बैरवा ने पायलट का आभार व्यक्त करते हुए सभी वर्ग के लोगों को साथ लेकर कार्य करने तथा दौसा के विकास एवं जनहित के मुद्दों के लिए जो भी संघर्ष करना पडेगा एकजुटता के साथ करने का विश्वास दिलाया। इस अवसर पर बैरवा ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित ए.आई.सी.सी. एवं प्रदेश के सभी नेताओं का भी आभार व्यक्त किया।

विद्यार्थियों को नशे से बचाने के लिए कदम उठायें

जयपुर, 27 नवंबर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने विद्यार्थियों में नशे की सप्लाई को लेकर प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही प्राधिकरण ने जिला स्तरीय गठित विशेष इकाईयों को दिशा- निर्देश जारी किए हैं।

प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरिओम अत्री ने कहा है कि विशेष इकाइयाँ अपने क्षेत्र में नशे के आदी बालकों की पहचान करें और उन्हें नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराएं और मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों के साथ मिलकर नियमित संवेदनशील कार्यक्रमों का संचालन करें। सदस्य सचिव ने निर्देश दिए हैं कि आमजन व बालकों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जागरूक करने के लिए

- **राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने जिला स्तरीय विशेष इकाइयों को इस विषय में सक्रिय कदम उठाने के निर्देश दिये।**

विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके अलावा दवा विक्रेताओं को जागरूक किया जाए कि वे बिना डॉक्टर की पर्ची के कोई दवा नहीं दें। सदस्य सचिव ने इकाइयों को कहा है कि नशा मुक्ति केन्द्रों में आधारभूत सुविधाओं को लेकर निरीक्षण किया जाए और इसमें पाई गई कमियों को दूर किया जाए। इसके अलावा यदि इस संबंध में राज्य सरकार की ओर से जारी किसी नियम की अवहेलना होती है तो पुलिस प्रशासन से समन्वय कर उचित आपराधिक कार्रवाई की जाए।

गौरतलब है कि हाल ही में मीडिया रिपोर्ट्स प्रकाशित हुई थीं, जिसमें बताया गया था कि कोटा में एकाग्रता बढ़ाने की गोली के बहाने विद्यार्थियों को ड्रग्स उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी तरह सीकर में पांच सौ रुपए में स्मैक बिक रही है। जोधपुर में भी कोचिंग संस्थानों के पास एमडी ड्रग्स बेचने का खुलासा किया गया था।

विपक्ष ने वक्फ विधेयक संसदीय समिति का कार्यकाल बढ़वाया

समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को विपक्ष के सामने झुकना पड़ा, बिल लटकने की संभावना बढ़ी

- **भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि समिति को दूसरे लोगों व 6 राज्य सरकारों की बात सुननी बाकी है, इसलिये स्पीकर से कार्यकाल बढ़ाने के लिये अनुरोध करेंगे।**

नई दिल्ली, 27 नवंबर। वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक की जांच कर रही संसदीय समिति में बुधवार को बवाल मच गया। विपक्षी सदस्यों ने कार्यवाही को मजाक बताते हुए मीटिंग का बहिष्कार किया। हालांकि, बाद में वे वापस लौट आए। समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने कार्यकाल बढ़ाने की बात कही है। विपक्ष का कहना है कि विधेयक पर पूरी तरह से विचार करने के लिए और समय चाहिए। जेपीसी का कार्यकाल बढ़ने के बाद, यह भी तय है कि वक्फ बिल इस संसद सत्र में पेश नहीं हो पाएगा। यह और लंबे समय तक के लिए लटक सकता है।

संसद की एक कमेटी वक़्फ़ कानून में बदलाव पर विचार कर रही है। इस कमेटी के चेयरमैन जगदंबिका पाल हैं। बुधवार को मीटिंग में विपक्षी सदस्यों ने हंगामा किया और बहिष्कार किया। उनका आरोप था कि मीटिंग जल्दबाज़ी में की जा रही है। विपक्ष कमेटी का कार्यकाल बढ़ाना चाहता है ताकि क़ानून पर ठीक से विचार हो सके। चेयरमैन ने कार्यकाल बढ़ाने पर सहमति जताई है।

भाजपा सांसद और वक़्फ़ जे.पी.सी. चेयरपर्सन जगदंबिका पाल ने मीटिंग के बाद कहा कि हमें अभी भी दूसरे लोगों और छह राज्यों के अधिकारियों की बात सुननी है। इन राज्यों में वक़्फ़ और राज्य सरकारों के बीच विवाद हैं। 123 प्रॉपर्टी पर भारत सरकार, शहरी मंत्रालय और वक़्फ़ बोर्ड के बीच विवाद है। हमें लगता है कि कार्यकाल बढ़ाने की ज़रूरत है।

कमेटी मेंबर और भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने बताया कि कमेटी लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला से रिपोर्ट जमा करने की समय सीमा 2025 के बजट सत्र के आखिरी दिन तक बढ़ाने का अनुरोध करेगी।

अपराजिता सारंगी ने आगे कहा कि हमारे पास अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की सुनवाई थी और वक्फ संशोधन विधेयक 2024 में प्रस्तावित विभिन्न संशोधनों पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। हंगामा मूल रूप से रिपोर्ट जमा करने के संबंध में उनके अनुरोध से उत्पन्न हुआ। इस बारे में काफी बहस हुई। सत्तारूढ़ दल के सदस्यों ने भी महसूस किया कि कुछ समय का विस्तार होना चाहिए। मुझे लगता है कि कुछ समय निश्चित रूप से आवश्यक है।

प्रिंसिपल व दो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बलात्कार), 49 (उकसाना), और 351(2) (आपराधिक धमकी), साथ ही धारा 6 (गंभीर यौन हमला) और 17 (उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों पर पॉस्को एक्ट के तहत भी कार्रवाई की गई है।

इंडिया गठबंधन के...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

समायोजन नहीं करेंगे, लेकिन जिन राज्यों में हम कमजोर हैं, वहाँ क्षेत्रीय पार्टियों को हमारे साथ समायोजन करना चाहिये।' अहंकार, स्वयं को हकदार मान लेना तथा क्षेत्रीय दलों को क्षुद्र मानना सर्वनाश का रास्ता है।"

पिछले सप्ताह, महाराष्ट्र में कांग्रेस-शिव सेना (यू.बी.टी.)- एन.सी.पी. (एस.पी.) गठबंधन की करारी हार के बाद, टी.एम.सी. ने अपनी तलवार लहराना शुरू कर दिया तथा पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी ने ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन की मुखिया नामजद किये जाने की माँग की। कल्याण बनर्जी ने सोमवार को कहा, "पिछले तीन चार साल से उन्होंने (कांग्रेस) क्या किया है? इंडिया गठबंधन का नेता कौन है? विपक्ष के चेहरे के रूप में, किसी को भी नेता नहीं चुना गया है। अब यह करना ही होगा। कांग्रेस असफल हो गई है, यह तो प्रमाणित हो चुका है। कांग्रेस नेताओं ने हरियाणा में कोशिश की, लेकिन वे विफल रहे। महाराष्ट्र में वे असफल हो गये हैं। केवल यही नहीं, कांग्रेस हारी है, इसका मतलब, इंडिया गठबंधन में शामिल हम सब हार गये हैं। हमने कांग्रेस पर भरोसा जताया, लेकिन वह परिणाम हासिल नहीं कर सकी।"

उन्होंने आगे कहा, "देखिये, उपचुनाव हुये। हर व्यक्ति ने ममता बनर्जी की आलोचना की, लेकिन हम बंगाल की सभी 6 सीटें जीत गए। यही नहीं, हम एक लाख वोटों के अन्तर से जीते। जनता ने ममता बनर्जी पर भरोसा जताया। बंगाल तथा पूरे भारत की जनता ममता बनर्जी से प्रेम करती है। क्यों? उनके संघर्षशील चरित्र के कारण।"

कौन बनेगा ....

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पार्टी) को 41 और शिवसेना (शिंदे) को 57 सीटें मिली हैं। वर्तमान राज्य सरकार का कार्यकाल 26 नवम्बर को खत्म हो गया है और अभी तक मुख्यमंत्री पद का निर्णय नहीं हुआ है। भाजपा नेता और निवर्तमान सरकार के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने आज कहा कि इस मामले में तीनों दलों के नेताओं के विचार -विमर्श के बाद फैसला किया जाएगा।

झांसी कॉलेज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चार सदस्यी जांच कमेटी का गठन गया था। जांच रिपोर्ट के आधार पर कॉलेज के कार्यवाहक प्रधानाचार्य डॉ. नरेंद्र सिंह सेंगर को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा विभाग के महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है साथ ही मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सचिन माहुर को चार्जशीट दी गई है। वहीं, कॉलेज के अवर अभियन्ता (विद्युत) संजीत कुमार, एनआईसीयू वार्ड की नर्सिंग सिस्टर इंचार्ज संध्या राय एवं मेडिकल कॉलेज की प्रमुख अधीक्षक डॉ. सुनीता राठौड़ को तत्काल निलम्बित कर दिया गया है।

गौरतलब है कि पिछली 15 नवम्बर को झांसी मेडिकल कॉलेज के एनआईसीयू वार्ड में आग लगने से 10 नवजात बच्चों की मृत्यु हो गई थी जबकि बाद में गंभीर रुप से झुलसे आठ और नवजात बच्चों की मृत्यु होने से मरने वाले बच्चों संख्या बढ़ कर 18 हो गयी थी।

'कोटा बार के चुनाव 13 दिसम्बर को ही हों'

राजस्थान हाईकोर्ट ने दो साल के कार्यकाल के आधार पर अगले साल चुनाव की याचिका खारिज की थी

- **याचिका में कहा गया था, कि कोटा अभिभाषक संघ ने अपने संविधान में संशोधन कर कार्यकारिणी का कार्यकाल एक वर्ष से बढ़ा कर दो वर्ष कर दिया, अतः उसे अगले साल चुनाव कराने की अनुमति दी जाये।**

जयपुर, 27 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कोटा अभिभाषक संघ के चुनाव आगामी 13 दिसंबर को नहीं कराने के खिलाफ दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि अभिभाषक संघ ने गत 29 जून को अपने संविधान में संशोधन कर कार्यकारिणी के कार्यकाल को एक साल से बढ़ाकर दो साल कर दिया था और इस संशोधन को याचिका में चुनौती नहीं दी गई है।

जस्टिस अनूप ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश कृपा शंकर व अन्य की ओर से दायर याचिका को खारिज करते हुए दिए।

याचिका में अदालत को बताया गया कि अभिभाषक संघ के संविधान के अनुसार संघ की कार्यकारिणी के वार्षिक चुनाव होंगे। वहीं, हाईकोर्ट ने 24 अगस्त, 2023 को आदेश जारी कर प्रदेश की हर बार एसोसिएशन के चुनाव दिसंबर माह के दूसरे शुक्रवार को करने के निर्देश दे रखे हैं। याचिका में बताया गया कि कोटा अभिभाषक संघ के वार्षिक चुनाव गत वर्ष दिसंबर माह में हुए थे। ऐसे में संघ के संविधान और अदालती आदेश की पालना में इस साल अन्य बार एसोसिएशनों की तरह कोटा अभिभाषक संघ को अपने चुनाव 13 दिसंबर को कराने थे। इसके बावजूद संघ ने गत 29 जून को आम बैठक में निर्णय लेना बताकर मौजूदा कार्यकारिणी का कार्यकाल बढ़ा लिया। यह कार्यकाल बढ़ाने का आधार वकीलों के कल्याण और कोर्ट बिल्डिंग के लिए भूमि आवंटन बताया गया। याचिका में कहा गया कि इस आम बैठक में ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया था और कार्यकारिणी का कार्यकाल बढ़ाने का निर्णय संविधान के खिलाफ है।

याचिकाकर्ता की ओर से बार काउन्सिल ऑफ राजस्थान (बी.सी.आर.) को पत्र लिखकर अभिभाषक संघ की मनमानी करने की शिकायत की गई, लेकिन काउन्सिल ने उस पर कोई कार्रवाई नहीं की। ऐसे में कोटा अभिभाषक संघ को 13 दिसंबर को वार्षिक चुनाव कराने के निर्देश दिए जाए। इसके जवाब में अभिभाषक संघ के पदाधिकारियों और बी.सी.आर. की ओर से अधिवक्ता संदीप पाठक और अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि संघ ने गत 29 जून को अपने संविधान में संशोधन किया है और इसे सहकारिता रजिस्ट्रार ने भी अप्रूव कर दिया है। इसके तहत कार्यकाल को एक साल से बढ़ाकर दो साल किया गया है। ऐसे में वर्तमान कार्यकारिणी का कार्यकाल 9 दिसंबर, 2025 तक हो गया है।

दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने याचिका को खारिज कर दिया है।

पूजा स्थलों की सुरक्षा व विवादों पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा

मुख्य न्यायाधीश तथा दो अन्य की बैंच 4 दिसम्बर को इस मामले में सुनवाई करेगी

- **सन् 1991 के पूजा स्तल कानून में धार्मिक स्थलों को स्वतंत्रता के समय के स्वरुप में बरकरार रखने का प्रावधान था तथा रामजन्मभूमि -बाबरी मस्जिद विवाद को एकमात्र अपवाद माना था। 14- अब कोर्ट के आदेश से संभल की जामा मस्जिद के सर्वेक्षण पर भयंकर हिंसा फैली।**

नई दिल्ली, 27 नवंबर। देश के विभिन्न हिस्सों में मंदिर और मस्जिदों का विवाद बढ़ता चला जा रहा है। हाल ही में, कोर्ट के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया, जिसके बाद भयंकर हिंसा फैल गई। इन सब के बीच, अब सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थलों की सुरक्षा एवं 1991 में बने कानून से संबंधित याचिका पर सुनवाई का संकेत दिया है।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थलों की सुरक्षा एवं 1991 में बने कानून से संबंधित दायर की गई याचिका पर आगामी महीने यानी 4 दिसम्बर को सुनवाई का संकेत दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करेगी।

पूजा स्थलों की सुरक्षा एवं 1991 में बने कानून से संबंधित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पी नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई करेगी। केस में याचिकाकर्ता के रूप में जमीअत उलमा-ए-हिंद और गुलजार अहमद नूर मोहम्मद आजमी का नाम लिस्टेड है। इनके वकील एजाज मकबूल कोर्ट के सामने पक्ष रखेंगे।

देश में 1991 के पूजा स्थल कानून में प्रावधान किया गया था कि स्वतंत्रता के समय जो धार्मिक स्थल जिस स्वरूप में था, उसे वैसे ही बरकरार रखा जाएगा। उपासना स्थल कानून ऐसा कानून है, जो 15 अगस्त 1947 को मौजूद किसी भी उपासना स्थल के स्वरूप को बदलने पर पाबंदी लगाता है। धार्मिक स्थलों के स्वामित्व अधिकार को लेकर विवाद खत्म करने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री पी वी नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने इस कानून में दशकों से जारी रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद विवाद को एकमात्र अपवाद रखा था। इस कानून की धारा 3 किसी व्यक्ति और लोगों के समूहों को पूर्ण या आंशिक रूप से, किसी भी धार्मिक संप्रदाय के उपासना स्थल को एक अलग धार्मिक संप्रदाय के उपासना स्थल में परिवर्तित करने से रोकती है।

चक्रवाती तूफान "फेंगल" आज तमिलनाडु पहुंचेगा

चेन्नई, 27 नवंबर। तमिलनाडु में आज चक्रवाती तूफान फेंगल के पहुंचने के आसार हैं। इसकी वजह से यहां पर भारी बारिश की संभावना बनी हुई है।

इसके मद्देनजर, इंडिगो एयरलाइंस ने मंगलवार रात एक ट्रैवल एडवाइजरी जारी की, जिसमें कहा गया कि चेन्नई, तूतीकोरिन और मदुरै से

- **चेन्नई, तूतीकोरिन और मदुरै से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही हैं।**

आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही हैं, जबकि तिरुचिरापल्ली और सलेम भी अब प्रभावित हो सकते हैं।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आई.एम.डी.) के अनुसार, दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में स्थित गहरा दबाव हाल ही में उत्तर की ओर बढ़ते हुए 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है।

'सोशल मीडिया -ओटीटी पर अश्लील कंटैंट रोका जायेगा'

मंत्री वैष्णव ने इस मुद्दे पर कानून बनाने की जानकारी लोकसभा में दी

- **सूचना व प्रसारण मंत्री ने कहा, पहले कोई चीज पब्लिश करने के लिए सम्पादकीय टीम होती थी। इसके कारण कोई अश्लील कंटैंट पब्लिश नहीं होता था। अब ऐसा नहीं है।**

नई दिल्ली, 27 नवंबर। लोकसभा में हंगामे के बीच, बीजेपी सांसद अरुण गोविल ने प्रश्नकाल के दौरान सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर अश्लील कंटेंट का मुद्दा उठाया। अरुण गोविल के सवाल का जवाब देते हुए केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में कहा कि सोशल मीडिया और ओटीटी प्लेटफार्मों पर अश्लील कंटेंट को रोकने के लिए सरकार के प्रयासों के लिए मौजूदा कानूनों को मजबूत करने की आवश्यकता है।

हमारे देश की संस्कृति और उन देशों की संस्कृति के बीच बहुत अंतर है, जहां पर ओटीटी पर अश्लील कंटेंट आते हैं।

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मैं चाहूंगा कि स्थायी समिति इस मुद्दे को उठाए। मौजूदा कानून को मजबूत करने की जरूरत है और मैं इस पर आम सहमति का अनुरोध करता हूं। मंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री भी चलाई जाती है।

केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि पहले कोई चीज पब्लिश करने के लिए संपादकीय टीम होती थी। इसकी वजह से कोई अश्लील कंटेंट पब्लिश नहीं होता था। जो अब नहीं है। अश्विनी वैष्णव का यह बयान उनके डिप्टी एल मुरुगन द्वारा यह पुष्टि किए जाने के एक महीने बाद आया है कि सरकार ओटीटी सामग्री को विनियमित करने के लिए एक नई नीति का मसौदा तैयार कर रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600